शुभम संदेश

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.6	27.3
जमशेदपुर	30.3	25.5
डालटनगंज	32.4	24.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 02 अगस्त 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 12 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 115 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

हाशिए पर पड़ी जातियों के लिए सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी, कहा

एससी/एसटी के क्रीमीलेयर को आरक्षण के दायरे से करें बाहर

शीर्ष कोर्ट ने सुनाया फैसला- राज्य सरकारें दे सकेंगी कोटे के भीतर कोटा

- **राज्यों के पास आरक्षण के लिए एससी, एसटी में उप-वर्गीकरण करने की शक्तियां**

एजेंसियां। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने 6-1 के बहुमत से फैसला देकर साफ कर दिया है कि राज्य सरकारों को आरक्षण के लिए कोटे के भीतर कोटा बनाने का अधिकार है यानी राज्य सरकारें एससी और एसटी श्रेणियों के लिए सब कैटेगरी बना सकती हैं. राज्य विधानसभाएं इसे लेकर कानून बनाने में सक्षम होंगी. इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने 2004 के अपने पुराने फैसले को पलट दिया है. वहीं शीर्ष कोर्ट की संविधान पीठ के सात में से चार जजों ने बड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि एससी/एसटी कोटे से उस जाति के क्रीमीलेयर को बाहर कर देना चाहिए.

हालांकि, कोर्ट का यह भी कहना था कि सब कैटेगिरी का आधार उचित होना चाहिए. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी, जस्टिस पंकज मिथल, जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने ये फैसला सुनाया. फैसले से पंजाब एससी व पिछड़ा वर्ग एक्ट, 2006 और तमिलनाडु अरुंथथियार एक्ट पर मुहर लग गई है. इससे पहले 2004 में पांच जजों की बेंच ने ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र सरकार से जुड़े मामले में फैसला दिया था कि राज्य सरकारें नौकरी में आरक्षण के लिए एससी/एसटी की सब कैटेगरी नहीं बना सकतीं. पंजाब सरकार का तर्क था कि इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ में सुप्रीम कोर्ट के 1992 के फैसले के तहत यह स्वीकार्य था, जिसने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के भीतर सब कैटेगरी की अनुमति दी थी. पंजाब सरकार ने मांग रखी थी कि अनुसूचित जाति के भीतर भी सब कैटेगरी की अनुमति दी जानी चाहिए. 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने तय किया कि इस पर बड़ी बेंच द्वारा फिर से विचार किया जाना चाहिए. -शेष पेज 7 पर

क्या है क्रीमी लेयर

मौजूदा समय में 'क्रीमी लेयर' की अवधारणा केवल अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण पर लागू है. नियमानुसार जिन लोगों के परिवार की कुल वार्षिक आय 8 लाख के ऊपर है वो क्रीमीलेयर के दायरे में आते हैं और उन्हें ओबीसी आरक्षण का लाभ नहीं मिलता है. इससे कम आय वाले लोग 'नॉन क्रीमीलेयर' के दायरे में आते हैं और उन्हें इसका प्रमाण सौंपना होता है, तभी आरक्षण का लाभ मिलता है.

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के क्या हैं मायने?

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से साफ है कि राज्य सरकारें एससी/एसटी में सब कैटेगरी बना सकती हैं, जिससे मूल कैटेगरी को आरक्षण का ज्यादा फायदा मिल सकेगा. हालांकि, यदि राज्य एक या ज्यादा श्रेणी को एससी के तहत 100% आरक्षण देने का निर्णय लेती हैं, तो यह छेड़छाड़ के समान होगा. क्योंकि यह अन्य को लाभ से वंचित करना होगा. चूंकि आरक्षण का उद्देश्य सभी वर्गों को समान मौके देना है, लेकिन अक्सर बड़े समूहों के भीतर कुछ समूह ज्यादा लाभ उठा लेते हैं, जिससे अन्य छूट जाते हैं. जैसे- ओबीसी आरक्षण में विभाजन. कई राज्यों में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण को ज्यादा पिछड़े और कम पिछड़े समूहों में विभाजित किया गया है, ताकि अधिक पिछड़ों को ज्यादा लाभ मिल सके. कुछ राज्यों में एससी और एसटी के आरक्षण को भी विभाजित किया गया है, ताकि इनमें भी सबसे कमजोर वर्गों को प्राथमिकता दी जा सके. आरक्षण की इस व्यवस्था को कुछ लोग विभाजनकारी मानते हैं और तर्क देते हैं कि इससे दरार बढ़ सकती है. वहीं एक बड़ा वर्ग इसे जरूरी मानता है.

संविधान पीठ के 4 जजों ने जताया क्रीमी लेयर को आरक्षण देने पर ऐतराज

एससी/एसटी के उप-वर्गीकरण को हरी झंडी देते वक्त संविधान पीठ के चार जजों ने इस वर्ग में भी क्रीमीलेयर की वकालत की और कहा कि इनके 'क्रीमी लेयर' को कोटे से बाहर रखा जाना चाहिए. यानी इस कैटेगरी में जो अमीर हैं, उन्हें आरक्षण के लाभों से वंचित किया जाना चाहिए. दलित जज बीआर गवई ने कहा, राज्यों को एससी/एसटी कैटेगरी में क्रीमी लेयर की पहचान करने और उन्हें आरक्षण लाभ के दायरे से बाहर निकालने के लिए एक नीति बनानी चाहिए. सच्ची समानता हासिल करने का यही एकमात्र तरीका है. जस्टिस गवई ने फैसले में कहा, ज्यादा पिछड़े समुदायों को प्राथमिकता देना राज्य का कर्तव्य है. एससी/एसटी वर्ग में कुछ ही लोग आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं. जमीनी हकीकत से इनकार नहीं किया जा सकता और एससी/एसटी में ऐसी श्रेणियां हैं, जिन्हें ज्यादा उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है. राज्यों को सब कैटेगरी देने से पहले एससी/एसटी श्रेणियों के बीच क्रीमी लेयर की पहचान करने के लिए एक पॉलिसी लानी चाहिए.

पीठ के दूसरे जज विक्रम नाथ ने कहा कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत अनुसूचित जातियों पर भी उसी तरह लागू होता है, जैसे यह ओबीसी पर लागू है. मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र ने देश में दलित वर्गों के लिए आरक्षण का पुरजोर बचाव किया और कहा, सरकार एससी-एसटी आरक्षण के बीच सब कैटेगरी के पक्ष में है. जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि जैसे ओबीसी पर क्रीमी लेयर सिद्धांत लागू है, उसी तरह एससी/एसटी में भी लागू होना चाहिए. वहीं, जस्टिस पंकज मिथल ने कहा कि आरक्षण का लाभ केवल एक पीढ़ी तक ही सीमित रहना चाहिए. अगर पहली पीढ़ी का सदस्य आरक्षण से उच्च पद पर पहुंच गया है, तो दूसरी पीढ़ी को आरक्षण का हकदार नहीं होना चाहिए. चौथे जज सतीश चंद्र शर्मा ने कहा, वह जस्टिस गवई के इस विचार से सहमत हैं कि एससी/एसटी के लिए क्रीमी लेयर की पहचान का मुद्दा राज्य के लिए संवैधानिक अनिवार्यता बन जाना चाहिए.

बता दें कि 2018 में जरनैल सिंह बनाम एलएन गुप्ता मामले में 5 जजों की बेंच ने प्रमोशन में आरक्षण पर कहा था कि क्रीमी लेयर एससी/एसटी पर भी लागू किया जा सकता है. जस्टिस आरएफ नरीमन ने लिखा, आरक्षण का उद्देश्य यह देखना है कि ओबीसी आगे बढ़ें ताकि वे अन्य लोगों के साथ समानता से आगे बढ़ सकें. यह तब संभव नहीं होगा, जब उस वर्ग के क्रीमी लेयर को ही सभी नौकरियां मिल जाएं और वे खुद को बनाए रखें. स्पष्ट है कि जब कोर्ट एससी/एसटी पर क्रीमी लेयर सिद्धांत लागू करता है, तो वह संविधान के अनुच्छेद 341 या 342 के तहत राष्ट्रपति सूची के साथ छेड़छाड़ नहीं करता है.

विधानसभा से निलंबन के बाद गुरुवार को भाजपा विधायक सीढ़ियों पर बैठ कर प्रदर्शन करते हुए. फोटो। रमीज

विधानसभा स्पीकर ने लिया बड़ा एक्शन

भाजपा के 18 विधायकों को किया सस्पेंड,कहा-आचरण से दुखी हूं

- भाजपा विधायक रंधीर सिंह और शशिभूषण रिपोर्टिंग टेबल पर चढ़े
- स्पीकर ने पूरा मामला सदाचार समिति को सौंपा, एक सप्ताह में रिर्पोट देने का दिया निर्देश

प्रमुख संवाददाता। रांची

विधानसभा के मॉनसून सत्र का पांचवां दिन भी हंगामेदार रहा. गुरुवार को हंगामे के बीच भाजपा विधायकों की कारगुजारियों के विरुद्ध विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने कड़ा कदम उठाते हुए 18 विधायकों को दो अगस्त (शुक्रवार) दिन के 2 बजे तक के लिए सस्पेंड कर दिया.

इससे पूर्व गुरुवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने के पहले ही विपक्ष के विधायक वेल में आ गए. विधायक अध्यक्ष हाजिर हों के नारे लगाए. इसके बाद सुबह 11.14 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई. झामुमो विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने नियमावली का हवाला देकर विधायकों का नाम पढ़ते हुए कहा कि इन विधायकों पर कार्रवाई होनी चाहिए. सोनू ने कहा कि इन लोगों ने विधानसभा को बंधक बनाने का काम किया है. सदन की गरिमा को तार-तार किया गया. इन पर न्याय संगत कार्रवाई होनी चाहिए. इसके बाद स्पीकर ने नियमावली का जिक्र करते हुए 299, 300 और 310 के तहत विधायकों के निलंबन की घोषणा की. कहा कि अध्यक्ष निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है, और उसी के आधार पर उन्होंने निर्णय लिया है.

सीबीए एक्ट में नहीं हो संशोधन, प्रस्ताव पारित : सदन की कार्यवाही 12.33 बजे शुरू हुई. इसके बाद सदन द कमीशन ऑफ इंक्वायरी एक्ट 1952 और केंद्र द्वारा प्रस्तावित कोल बेयरिंग एरिया एक्ट (सीबीए) एक्ट में संशोधन के विरुद्ध विधानसभा ने प्रस्ताव पारित किया. इस प्रस्ताव को केंद्र के पास भेजा जाएगा. इस दौरान वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि प्रस्तावित संशोधन झारखंड सरकार की जल, जंगल और जमीन को बचाने का जो संकल्प है, वो उसके विरुद्ध है. केंद्र सरकार कोयला क्षेत्र (सीबीए) अधिनियम, 1957 के तहत भूमि अधिग्रहण करने और फिर वाणिज्यिक खनन के लिए आवंटित कोयला ब्लॉकों के विकास में तेजी लाने के लिए इसे निजी कंपनियों को पट्टे पर देने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है. इसी प्रस्ताव के विरोध में विधानसभा ने एक प्रस्ताव पास किया है.

वेल में आए सत्ता पक्ष-विपक्ष के विधायक, हुए आमने-सामने

स्पीकर ने मार्शल से निलंबित विधायकों को सदन से बाहर करवाया

सुदिव्य सोनू द्वारा निलंबित होने वाले विधायकों का नाम पढ़ते ही पक्ष-विपक्ष आमने-सामने आ गए. हंगामा शुरू हो गया. नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी बोलने के लिए खड़े हुए, तो स्पीकर ने उन्हें रोक दिया. इससे नाराज भाजपा के विधायक हंगामा करने लगे. विधायक शशि भूषण मेहता और रणधीर सिंह रिपोर्टिंग टेबल पर चढ़ गए और नारेबाजी करने लगे. यह देख सत्ता पक्ष के विधायक भी वेल में आ गए. स्पीकर ने मार्शल से निलंबित विधायकों को जबरन बाहर निकालने को कहा. मार्शल ने सबको खींच कर बाहर निकाला. स्पीकर ने सदन की कार्यवाही 12:30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी. मामले की पूरी रिपोर्ट सदाचार समिति को एक सप्ताह में देने का निर्देश दिया. 12.33 बजे सदन की कार्यवाही फिर शुरू हुई, जो 1.08 बजे तक चली. फिर स्पीकर ने कार्यवाही शुक्रवार 11 बजे तक स्थगित कर दी.

नेता सदन गतिरोध समाप्त करने ही उनके पास गए थे : सुदिव्य

झामुमो विधायक सुदिव्य सोनू ने कहा, हर विधायक दलीय प्रतिबद्धता से जुड़ा है. अतिरंजित आरचण इस सदन में दिखा. विस संचालन नियमावली 310 कहती है- विस सौध का इस्तेमाल केवल विधायी कार्यों के लिए हो सकता है. अगर कोई इसका इस्तेमाल गलत तरीके से कर रहा, कोई उल्लंघन हो रहा, तो स्पीकर फैसला ले सकते हैं. सदन का सदस्य होने के नाते मुझे प्रस्ताव देने का हक है. अध्यक्ष ने देखा कि प्रस्ताव में गंभीरता है, तो इसको सुना. स्पीकर ने जो निर्णय लिया, वह उनका स्वविवेक है. जब नेता सदन हेमंत सोरेन खुद विधायकों से बात करने गए. तो फिर कार्यमंत्रणा की जरूरत ही क्या थी. गतिरोध सुलझाने का प्रयास हमारे नेता सदन ने किया, मगर ये लोग गतिरोध दूर करना नहीं, इसे बढ़ाना चाहते थे, परिणाम सबके सामने है.

ये विधायक किए गए निलंबित

अनंत ओझा, रणधीर सिंह, नारायण दास, नीरा यादव, किशुन दास, केदार हाजरा, विरंची नारायण, अर्पणा सेन गुप्ता, राज सिन्हा, कोचे मुंडा, भानु प्रताप शाही, समरी लाल, सीपी सिंह, शशि भूषण मेहता, आलोक चौरसिया, पुष्पा देवी, अमित मंडल, और नवीन जायसवाल.

स्पीकर साहब! आपकी बपौती नहीं है विधानसभा : बाउरी

स्पीकर रवींद्र नाथ महतो की कार्यवाही पर नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने उनपर जम कर भड़ास निकाली. उन्होंने कहा, स्पीकर साहब, आप अपने कार्यकाल को याद करें, आपने दिनेश उरांव के समय जूता फेंका था. इसलिए आप नियम-कानून की बातें न ही करें. केवल आप ही जानकार नहीं हैं. यह सदन आपकी बपौती नहीं है. हमलोगों ने क्या अपराध किया, यह बताया जाए. हम केवल जनता के सवालों को लेकर अपनी मांग कर रहे हैं. मगर पहले सदन के अंदर बिजली काट गयी, पानी बंद कर दिया. शौचालय जाने से रोका गया. रात को वेल से निकाल कर लॉबी में फेंक दिया गया. हम आपकी कृपा से चुन कर नहीं आए हैं. जनता ने हमें चुना है. फिर लॉबी से निकाल कर परिसर में फेंक दिया गया. उन्होंने कहा कि यह सरकार सभी मोर्चे पर विफल रही है. यह सरकार महज अब दो महीने का मेहमान है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,800
चांदी (किलो)	88,000

ब्रीफ खबरें

पहाड़ से मैदान तक बाढ़-बारिश से तबाही

नयी दिल्ली। उत्तर के पहाड़ों से लेकर दक्षिण के केरल तक बाढ़ और बारिश ने भारी तबाही मचाई है. हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की कई घटनाओं में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गयी तथा 50 से अधिक लोग लापता हैं. उधर, केरल के वायनाड में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर करीब 300 हो गई. - देखें पेज 12

नए संसद भवन में रिसाव पर दी सफाई

नयी दिल्ली। लोकसभा सचिवालय ने संसद की लॉबी से पानी के रिसाव के विपक्षी सदस्यों के दावे पर गुरुवार को कहा कि यह मामूली रिसाव था, जो अत्यधिक बारिश के कारण भवन के गुंबद के शीशे से हुआ. संसद परिसर में कहीं भी जल जमाव नहीं हुआ और बारिश के तत्काल बाद पानी की निकासी हो गई. -पेज 12 भी देखें

नरसिंह इस्पात की जांच में मिला अतिक्रमण सरकारी जमीन से तोड़ी गयी चहारदीवारी

ग्राम सभा ने कहा

- प्रशासन बताए कि विधानसभा में दी गई रिपोर्ट पर कंपनी के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई

दिलीप कुमार। चांडिल

हिंदी दैनिक अखबार शुभम संदेश में छपी नरसिंह इस्पात से संबंधित खबर पर सच्चाई की मुहर लग गयी है. सरायकेला-खरसावां के चौका-कांड्रा सड़क पर खूंटी स्थित नरसिंह इस्पात की जांच के दौरान समिति को सरकारी जमीन पर अतिक्रमण की पुष्टि हो गई है. हालांकि समिति ने अपनी जांच रिपोर्ट उपायुक्त को अभी नहीं सौंपी है. विश्वस्त सूत्रों के अनुसार सरकारी जमीन पर बनी कंपनी की बाउंड्री को चिन्हित करते हुए समिति अपनी जांच जारी रखे हुए है. इसके बाद कंपनी प्रबंधन ने सरकारी जमीन पर बनी अपनी चहारदीवारी को तोड़ दिया है. जांच समिति की रिपोर्ट सौंपने के बाद यह पता चल पाएगा कि कंपनी ने कितनी सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया है. बताया जा रहा है कि कंपनी क्षेत्र में कुछ वन भूमि होने का भी अंदेशा है. वैसे सरकार वर्ष 2016 में स्वीकार कर चुकी है कि नरसिंह इस्पात कंपनी ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया है. लेकिन सरकारी जमीन पर गैर कानूनी रूप से अतिक्रमण कर कंपनी का संचालन करने के खिलाफ की गई कार्रवाई से अब तक अवगत नहीं कराया गया है. कंपनी पर वन भूमि पर भी अवैध कब्जा का आरोप है, लेकिन वन विभाग उसे अतिक्रमण मुक्त कराने की बात कहता है. जांच प्रक्रिया चलने के बीच खूंटी ग्राम सभा ने कहा कि जब विधानसभा पटल पर सरकार ने यह स्वीकार किया है कि नरसिंह इस्पात कंपनी ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया है, तो प्रशासन को अब यह सार्वजनिक करना चाहिए कि इस मामले पर अब तक क्या कार्रवाई की गई है.

अन्य आरोपों की भी जांच करे समिति : ग्राम सभा : खूंटी ग्राम सभा को इस प्रकार की जांच से लीपापोती की साजिश होने का अंदेशा है. खूंटी की ग्राम सभा और ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव के कारण प्रशासन नरसिंह इस्पात कंपनी की कमियों और खामियों पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहा है. -शेष पेज 7 पर

कंपनी की चहारदीवारी तोड़ती जेसीबी.

स्वप्निल ने भारत को दिलाया तीसरा पदक

पेरिस। स्वप्निल कुसाले ने इतिहास रचते हुए पेरिस ओलंपिक में गुरुवार को निशानेबाजी में भारत को तीसरा ब्रॉन्ज मेडल दिलाया. स्वप्निल ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में यह पदक अपने नाम किया. वह 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने. फाइनल में उन्होंने 451.4 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया. चीन के लियु युकान ने 463.6 प्वाइंट के साथ गोल्ड जीता, जबकि युक्रेन के शूटर शेरी कुलिश ने 461.3 अंक के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया. 1995 में जन्मे कुसाले किसान परिवार से आते हैं. -पेज 10 भी देखें

खुशखबरी : आ गई मौसम की खबर, ला नीना सक्रिय, मिलेगा फायदा

अगस्त-सितंबर में झूम के बरसेंगे बदरा

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि इस साल अगस्त और सितंबर में सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान है. मौसम विभाग ने गुरुवार को कहा कि अगस्त के अंत तक ला नीना के अनुकूल परिस्थितियां विकसित होने की अच्छी संभावना है.

भारत की अर्थव्यवस्था के लिहाज से यह एक अच्छी खबर है. दरअसल भारत में खेती के लिए मानसून महत्वपूर्ण है, क्योंकि कुल खेती योग्य क्षेत्र का 52 प्रतिशत हिस्सा मानसून पर निर्भर करता है. साथ ही देश भर में पेयजल और बिजली उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण जलाशयों के फिर से भरने के लिए भी मॉनसूनी बारिश बेहद अहम है.

देश के इन इलाकों में बारिश में हुई कमी

भारत में जुलाई में सामान्य से नौ प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई, जबकि मध्य क्षेत्र में 33 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। आईएमडी के आंकड़ों से पता चला है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, गंगा के तटीय पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में बारिश में कमी आई है. हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में बारिश की कमी 35 प्रतिशत से 45 प्रतिशत तक रही.

जून-जुलाई का घाटा पूरा करेगी होनेवाली बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, अगस्त और सितंबर में भारत में औसत की तुलना में 106 प्रतिशत बारिश होगी. देश में 1 जून से अब तक 453.8 मिमी सामान्य बारिश दर्ज की गई है, जो कि दो प्रतिशत अधिक है. जून में सामान्य से अधिक बारिश के बाद जुलाई में भी सामान्य से अधिक बारिश हुई. देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने का अनुमान है. आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों, पूर्वी भारत से सटे लद्दाख, सौराष्ट्र और कच्छ और मध्य और प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की उम्मीद है. मौसम विभाग प्रमुख ने अगस्त-सितंबर में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में कम बारिश की आशंका जताई.

बजट पर खंभा नोचो अभियान

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र
वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

पिछले हफ्ते संसद में केंद्रीय बजट पेश हो गया. जब आप इन पंक्तियों को पढ़ रहे होंगे, यह संसद से पास भी हो गया होगा. यह बजट न तो राजनीतिक है ना ही लोकलुभावन. बजट राजनीतिक होता तो महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड पर विशेष कृपा बरसी होती. बजट लोकलुभावन होता तो अर्थव्यवस्था की परवाह किये बगैर छूट, सब्सिडी और रेवड़ियों की बौछार के दर्शन जरूर होते. वित मंत्री निर्मला सीतारमण का यह बजट मोदी सरकार की प्राथमिकताओं पर केंद्रित है. इसमें गरीब, किसान, युवा, महिला और मध्य वर्ग को साधने की कोशिश की गयी है. इसमें एक निरंतरता भी है. इस बजट के माध्यम से यह संदेश देने का भी प्रयास हुआ है कि सरकार न किसी राजनीतिक दबाव में है, ना ही वह अपनी आर्थिक राह बदलने वाली है. बजट का इंटेंट इतना उम्दा है कि छिद्रान्वेशण की भी गुंजाइश कम है. मैं यह भी स्पष्ट कर दूं कि मुझे बजट की बारीक समझ नहीं है. लेकिन विपक्षी दलों ने इस पर जो प्रतिक्रियाएं दी हैं, उनसे साफ है कि उनके पास कहने को कुछ खास नहीं है. नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की प्रतिक्रिया में दो बातें प्रमुख हैं. पहली यह कि यह कुर्सी बचाओ बजट है और दूसरी यह कि यह कांग्रेस के घोषणा पत्र का कॉपी पेस्ट यानी नकल है. पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने उनके सुर में सुर मिलाते हुए यह भी कह दिया कि हमारे घोषणा पत्र के जो अंश छूट गये हैं, उसकी प्रति भी भेज दी जाएगी ताकि उन्हें भी समाहित कर लिया जाए. अब सवाल यह है कि यदि सचमुच ऐसा ही है और मोदी सरकार कांग्रेस के घोषणा पत्र में किये गये अधिकतर वादे अपने बजट के जरिये पूरा कर रही है, तब बजट के विरोध की गुंजाइश कहां बचती है ?

दरअसल बजट का विरोध विपक्षी दलों और उनके सहयोगियों का परंपरागत दायित्व है. इसी प्रकार बजट चाहे जैसा हो, उसके समर्थन में खड़ा होना सत्ताधारियों और उनके समर्थकों के लिए अनिवार्य नियम है. बजट चाहे केंद्र का हो या राज्यों का, प्रतिक्रियाएं इसी पैटर्न पर आती हैं. लेकिन इस बार केंद्रीय बजट देश की जरूरत के हिसाब से विकासोन्मुख और संतुलित है. इसीलिए इसको लेकर किंतु-परंतु के माध्यम से दूर की कौड़ी खोजी जा सकती है, लेकिन गंभीर आलोचना के लिए जगह नहीं है. यही कारण है कि कांग्रेस ने गंभीर टिप्पणी के बजाय चिकोटी काटकर काम चला लिया है. संसद में बजट चर्चा भी बेदम ही दिखी. राजनीतिक लफ्फाजियां तो खूब हुईं और राजनीतिक भाषण भी हुए, किंतु उनमें बजट मीमांसा कम, राजनीतिक हमले ज्यादा थे.

खैर अब आते हैं कुर्सी बचाओ बजट वाले बयान पर. राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का कहना है कि केवल दो राज्यों की थाली में पकौड़े और जलेबी हैं और बाकी की थाली खाली है. सपा नेता रामगोपाल यादव का कहना है कि उत्तर प्रदेश को कुछ नहीं मिला. द्रमुक, टीएमसी ने भी कहा कि सरकार ने बजट के माध्यम से बिहार और आंध्र को ही खुश किया है जिनके समर्थन से सरकार बनी और चल रही है. लेकिन इन दलों तथा नेताओं की पोल बिहार के राजद और कांग्रेस नेता खोल रहे हैं. उनका कहना है कि बिहार को सिर्फ झुनझुना मिला है. फिर दिल्ली में विपक्षी गंठबंधन के नेता घंटा क्यों बजा रहे हैं कि सारा माल तो नीतीश, चंद्रबाबू लूट ले गये. इनमें से कोई तो झूठ बोल रहा है. अगर बिहार को कुछ नहीं मिला है तो फिर कुर्सी बचाओ बजट की चिल्लपों क्यों और यदि सबका हक मारकर बिहार को लाद दिया गया है तो फिर झुनझुना थमाने की बात क्यों कही जा रही है ? दरअसल बिहार में अगले साल विधानसभा के चुनाव हैं और यहां के एनडीए विरोधी दल यह नहीं चाहते कि जनता के बीच बजट की वाहवाही हो. बावजूद इसके यदि यह मान भी लिया जाय कि नरेंद्र मोदी ने अपने दो सहयोगियों जद(यू) और टीडीपी को इसलिए खुश कर दिया है कि वे समर्थन वापस न लें और सरकार चलती रहे, तो इसमें गलत क्या है ? क्या सरकार चलाना और उसे बचाये रखना प्रत्येक प्रधानमंत्री का दायित्व नहीं है ? -शेष पेज 7 पर

मॉनसून सत्रः इमरजेंसी के बाद का है सबसे बड़ा काला अध्यायः बाउरी

● सरकार के दबाव में हुआ है विधायकों का निलंबन ● सजा सुनाने से पहले अच्छा होगा कि आप सुन लेते

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा में चल रहे मॉनसून सत्र के पांचवें दिन नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने स्पीकर से कहा कि आपने 18 विधायकों को निलंबित कर दिया. सजा सुनाने से पहले सुन ली जानी चाहिए थी. इसी सदन में देखा है कि स्पीकर पर जूते चले हैं. उसके बाद भी सस्पेंशन नहीं हुआ. हमलोगों ने कुर्सी नहीं तोड़ी. माइक भी नहीं तोड़ा. संविधान में विरोध करने का अधिकार है. 2019 में जो सरकार बनी थी, और जो वायदे किए गए थे, उसे हम सुनना चाहते हैं. असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा को नहीं जाने दिया गया. पत्रकारों को नहीं आने दिया गया. ये सभी घटनाएं सरकार के दबाव में हुई हैं. विधायकों का निलंबन सरकार के दबाव में हुआ है.

अत्याचार की पराकाष्ठा है

बाउरी ने कहा कि यह अत्याचार की पराकाष्ठा है. इमरजेंसी के बाद सबसे बड़ा काला अध्याय है. हमने ऐसा कुछ भी नहीं किया. अहिंसा के तहत हम बैठे हुए थे. बीती रात में ज़ब हमलोग आम लोगों के सवाल पर सदन में थे .तब मार्शल द्वारा जबरन टांग कर बाहर कर दिया गया. जनता के मुद्दों पर लोकतंत्रिक तरीके से आंदोलन करना हमारा धर्म है. गांधीवादी तरीके से विपक्ष अपनी बात रख रहा था.

'पूर्व सीएम चंपाई का अपमान कर रही हैं कल्पना सोरेन'

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि पत्नी धर्म निभाते हुए कल्पना मुर्मू सोरेन जब यह बोलती हैं कि पांच महीने का हिसाब कौन देगा. तब वह पूर्व सीएम चंपाई सोरेन का अपमान करती हैं. चंपाई सोरेन शिबू सोरेन के हनुमान हैं. वो वरिष्ठ नेता हैं. वे हेमंत सोरेन का पार्ट टू भी बताते हैं, लेकिन ये लोग परिवार के बाहर किसी दूसरे को स्वीकार नहीं सकते.

विधायकों के निलंबन पर पुनर्विचार करेंः सुदेश महतो

सदन की कार्यवाही दूसरी बार शुरू होते ही सुदेश महतो ने स्पीकर रबिन्द्रनाथ महतो से निलंबन पर पुनर्विचार का आग्रह किया. सरकार ने अपना कमिटमेंट पूरा नहीं किया. सरकार का उत्तर आना चाहिए था. कार्यमंत्रणा समिति में एक बार भी नहीं ले गए। ऐसे मामलों में बीच का रास्ता निकालने के लिए ही कार्य मंत्रणा की भूमिका होती है. इतना कठोर नहीं होना चाहिए. सरयू राय ने भी कहा कि कार्यमंत्रणा समिति की बैठक बुला ली जानी चाहिए.

मुझे भी सस्पेंड कर देते, बाहर में मेरी किरकिरी हो रही हैः नीलकंठ सिंह मुंडा

भाजपा विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि मैं भी साथ था. मेरा क्या दोष था, मुझे भी सस्पेंड कर देते. बाहर में मेरी किरकिरी हो रही है महोदय. फिर कहा कि उन्होंने कहा कि मेरा क्या दोष था जो मुझे नहीं निकाला गया. दरअसल भाजपा के 18 विधायकों को स्पीकर ने निलंबित किया है, लेकिन निलंबित विधायकों में नीलकंठ सिंह मुंडा का नाम नहीं है. मुझे भी सस्पेंड कर दें। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मुझे जात से निकाल दिया गया है. मुझपर संदेह किया जा रहा है. आप पर भी बाहर में संदेह किया जा रहा है. मुझे भी सस्पेंड कर दीजिये.

भाजपा नहीं चाहती कि विकास हो : बंधु तिर्की

रांची। पूर्व मंत्री व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि भाजपा के सभी नेता और उसके विधायक राज्य की हेमंत सोरेन सरकार को अस्थिर करने और उसे अपदस्थ करने की साजिश कर रही है. लेकिन उन्हें उनकी कोशिशों में कभी भी कामयाबी नहीं मिलेगी, क्योंकि भाजपा गलत रास्ते पर है. भाजपा नहीं चाहती कि राज्य का विकास हो.भाजपा विधायक, विधानसभा में हाई वोल्टेज ड्रामा और अव्यवस्था पैदा कर रहे हैं, इससे वे अपने-आप को ही जनता की नजरों में एक्सपोज कर रहे हैं. वर्तमान विधानसभा का यह संभवत अंतिम सत्र है और इस दृष्टिकोण से भी विधानसभा में सत्ता पक्ष के साथ ही विपक्ष के विधायकों को भी अपनी मर्यादा का ख्याल रखना चाहिए.

मैं दुखी हूं, मेरे ही कार्यकाल में जो किया गया, दुखद हैः स्पीकर

● भाजपा विधायकों ने सदन के अंदर की गोपनीयता भंग की
● सदन की गरिमा तार-तार हुई, बनता है उल्लंघन का मामला
● सदन स्थगित होने के बाद वेल में बैठना नियम के प्रतिकूल
● भाजपा विधायकों ने सदन में की खुलकर हुड़दंगई

प्रमुख संवाददाता। रांची

स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने कहा है कि पिछले 24 साल में कई सरकारें आईं. कई स्पीकर भी हुए, लेकिन मैं काफी दुखी हूं. मेरे ही कार्यकाल में जो कृत्य किया गया, वह अत्यंत दुखद है. 31 जुलाई को पूरे प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक वेल में आए. नारेबाजी करना शुरू कर दिया. आसन द्वारा अनुनय विनय करने के बाद भी वापस अपनी सीट पर नहीं गए. अव्यवस्था बनाए रखी. स्पीकर गुरुवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अव्यवस्था के कारण 31 जुलाई को 12:30 बजे तक कार्यवाही स्थगित कर दी गयी. इसके बाद जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो सदन के नेता ने कहा कि हम जवाब देंगे। जवाब देकर संतुष्ट भी करेंगे.

कार्यवाही स्थगित होने के बाद भी वेल में बैठे रहे : स्पीकर ने कहा कि सदन की कार्यवाही समाप्त होने के बाद भी भाजपा के विधायक वेल में बैठे रहे. वे सदन के अंदर लंबा बैनर भी लेकर आ गए. बैनर किस तरह से सदन के अंदर आया, यह भी जांच का विषय है. स्पीकर ने कहा कि सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद भी वेल में धरना देना नियम के प्रतिकूल है. सभा की बैठक के अतिरिक्त किसी अन्य प्रयोजन के लिए सदन नहीं है. इसका उल्लेख कार्यसंचालन नियमावली में 310 में है.

गुरुवार को सदन में नारेबाजी करते विपक्षी विधायक.

मार्शल के साथ विधायकों ने संसदीय मर्यादा के प्रतिकूल व्यवहार किया

स्पीकर ने कहा कि सदन के अंदर बीजेपी विधायकों के रहने से सुरक्षा अधिकारी परेशानी में थे. सुरक्षा अधिकारियों ने सदन से बाहर जाने का आग्रह भी किया, लेकिन भाजपा विधायकों ने मार्शलों के साथ संसदीय मर्यादा के प्रतिकूल व्यवहार किया. सुरक्षा पदाधिकारी सुरक्षा के दृष्टिकोण से मानसिक पीड़ा झेलते रहे. मार्शल द्वारा विधायकों को बाहर किए जाने के बाद वे लॉबी में डटे रहे. जो समान्य व्यवहार से इतर है. इसे हुड़दंगई भी कह सकते हैं.

सदन के नेता का जवाब देने का होता है समय

स्पीकर ने कहा कि सदन नेता का जवाब देने का समय है. समय के अनुसार ही सदन के नेता जवाब देंगे. उन्होंने कहा कि सदाचार समिति को जांच करने को कहा गया है. समिति एक सप्ताह के अंदर जाच प्रतिवेदन अध्यक्ष कार्यालय को उपलब्ध कराएगी. इसके बाद समिति के निर्णय और नियम के अनुसार कार्रवाई की जाएगी. कार्रवाई नहीं होने से ऐसे लोगों का मनोबल बढ़ेगी. आगे फिर से पुनरावृति की प्रबल संभावना भी रहेगी. स्पीकर ने कहा कि सदन के इतिहास में एक काला अध्याय के रूप में माना जाएगा.

भाजपा विधायकों ने सदन की गोपनीयता भंग की

स्पीकर ने कहा कि भाजपा विधायकों ने सदन के अंदर से वीडियो वायरल कर गोपनीयता को भंग किया है. सदन के अंदर इस तरह का कृत्य पूर्णतः वर्जित है. इससे सदन की गरिमा तार-तार हुई है। यह विधानसभा की गोपनीयता का उल्लंघन का मामला बनता है. इस दिशा में भी कार्रवाई की जा रही है.

सदन के बाहर तख्तियों के साथ भाजपा विधायकों का प्रदर्शन

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा मॉनसून सत्र का गुरुवार को पांचवां दिन रहा. भाजपा विधायक सदन के बाहर धरने पर बैठे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. सभी विधायकों के हाथों में तख्तियां थीं, जिसमें सहायक पुलिसकर्मी और होमगार्ड के परमानेंट का क्या हुआ, 5 लाख नौकरी का क्या हुआ, युवाओं के सपनों का क्या हुआ, लुटेरे हेमंत शर्म करो, स्नातक को 5000 और स्नातकोतर को 7000 बेरोजगारी भत्ता का क्या हुआ, धोखेबाज हमंत हाय-हाय लिखा था.

गुरुवार को सदन के बाहर तख्तियां लेकर प्रदर्शन करते भाजपा के विधायक.

भाजपा विधायकों ने नंगा नाच करने का काम किया : मिथिलेश

संवाददाता। रांची

मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि कोई भी हाउस लोकतंत्र का मंदिर कहलाता है, जिस तरह से इन्होंने नंगा नाच करने का काम किया है, जनता बहुत अच्छी तरह से देख रही है, समझ रही है. जो ये घड़ियाली आंसू बहा रहे है, इन्हे झारखंड से झारखंडियों से, जो झारखंड को टुकड़े-टुकड़े करने की बात करते है, आज वो नाटक नौटंकी बना कर रख दिया है सदन को. जनता जरूर इसका जवाब देगी.

उन्होंने कहा कि ये अपनी अपनी बात रखने के बाद हंगामा करके सदन स्थगित करने का काम करते है. जनता इन्हें माफ नहीं करेगी, क्योंकि ये जनता की बात आने नहीं दे रही है. हमारी सरकार अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है. हमारी योजना लोगों को लाभ पहुंचा रही है.फिर से सरकार जा रही है जनता के दरवाजे, दरवाजे. अब इन्हें लग रहा है की इनकी जमीन खिसक गई है. इन्हें चैलेंज किया है कि इस बार दहाई भी नहीं पार करने देगी जनता.

जेएमएम विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि जिन लोगों ने सबको दलदल में धकेला वो आज इनके सबसे बड़े सरोकार कैसे बन गए हैं. जिनका भी मुद्दा उठा रहे हैं, उनका कोई भी प्रतिनिधिमंडल इनके साथ मौजूद है, क्योंकि हमारी राज्य की जनता जानती है. पांच वर्षों के शासन काल 2014-19 तक अनुबंधकर्मियों के साथ जैसा व्यवहार किया है, वो जानते हैं कि हेमंत सरकार में उनकी मांगों को जगह मिलेगी. रात में सदन में प्रदर्शन पर जेएमएम विधायक ने कहा कि 1975 के आपातकाल की बरसी बनाने वालों ने इस देश में अघोषित आपातकाल की स्थिति बना रखा है.

चुनाव आयोग ने जारी किया तबादले का निर्देश

रांची। झारखंड समेत चार राज्यों में विधानसभा चुनाव के निकट होने का संकेत देते हुए चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव को पत्र लिखा है. चुनाव आयोग ने झारखंड के मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एक पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि आयोग की नीति है कि चुनाव वाले राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव के संचालन से सीधे जुड़े अधिकारियों को उनके गृह जिलों या उन स्थानों पर तैनात नहीं किया जाता है, जहां वह एक लंबे समय से तैनात है. इसलिए चुनावों से सीधे जुड़े किसी भी अधिकारी को वर्तमान जिले में बने रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी. अगर वह अपने गृह जिले में तैनात है या उसने उसने पिछले चार वर्षों के दौरान उक्त जिले में तीन वर्ष वर्ष पूरे किए हैं, तो उसे स्थानांतरित किया जाए.

क्लासिफाइड

दो महीने बाद झारखंड के चीफ सेक्रेट्री भी हो जाएंगे रिटायर

झारखंड कैडर के आईएएस एनएन सिन्हा रिटायर

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड कैडर के आईएएस एनएन सिन्हा 31 जुलाई को रिटायर हो गए. वे केंद्र में इस्पात मंत्रालय में सचिव के पद पर पदस्थापित थे. वे इस पद पर एक जनवरी 2023 से पदस्थापित थे. वहीं झारखंड के मुख्य सचिव एल खियांग्यते 31 अक्तूबर 2024 को रिटायर हो जाएंगे. वहीं झारखंड में फिलहाल दो चीफ सेकेट्री रैंक के अफसर कार्यरत हैं.

इस साल सीएस रैंक के चार अफसर हो चुके हैं रिटायर : इस साल झारखंड कैडर में सीएस रैंक के चार अफसर रिटायर हो चुके हैं. इसमें पूर्व मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, एसकेजी रहाटे, राजीव अरुण एक्का और सुरेंद्र सिंह शामिल हैं. झारखंड में आईएएस अफसरों के 224 पद स्वीकृत हैं. इसमें से 180 अफसर ही कार्यरत हैं. 44 अफसरों की अब भी कमी है.

इस साल ये अफसर होंगे रिटायर

राजीव गौबा	30.08.2024
एल खियांग्यते	31.10.2024
एमएस भाटिया	30.09.2024
आलोक त्रिवेदी	31.08.2024
अमित प्रकाश	31.12.2024
राजू रंजन राय	31.12.2024

कैदी की मौत के पांच साल बाद मिलेगा मुआवजा

रांची। गुमला मंडल कारा में बंद हत्या के विचाराधीन कैदी तुलसी उरांव की मौत 14 अप्रैल 2019 हो गयी थी. मौत के पांच साल बाद तुलसी उरांव के परिजनों को मुआवजा मिलेगा. मानवाधिकार आयोग के निर्देश पर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने मुआवजा की राशि स्वीकृत कर दी है. तुलसी उरांव की पत्नी बिरसमुनी कुमारी को पांच लाख का मुआवजा दिया जायेगा. तुलसी उरांव गुमला के घाघरा थाना क्षेत्र का रहने वाला था.

कोर्ट की खबरें

बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट को बड़ी राहत

हाईकोर्ट ने देवघर एसडीओ का आदेश रद्द किया

संवाददाता। रांची

बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. कोर्ट ने देवघर एसडीओ के आदेश को रद्द करते हुए परित्राण मेडिकल ट्रस्ट की नीलामी में खरीदी गयी संपत्ति का पोजिशन बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट को देने का आदेश दिया. बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट की ओर से दाखिल याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में सुनवाई हुई. हाईकोर्ट ने पिछले गुरूवार को सुनवाई के दौरान सभी पक्षों को सुनने के बाद याचिका पर सुरक्षित रख लिया था. प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार और अधिवक्ता शिवानी जालूका ने पक्ष रखा.

ट्रस्ट ने दिसंबर 2023 में नीलामी में परित्राण मेडिकल को खरीदा था

दरअसल बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट ने दिसंबर 2023 में परित्राण मेडिकल को नीलामी में खरीदा था. इसके एवज में ट्रस्ट ने करीब 60 करोड़ दिये थे. डीआरटी (डेब्ट रिकवरी ट्रिब्यूनल) ने सेल सर्टिफिकेट जारी करते हुए ट्रस्ट को पोजिशन भी दे दिया था. लेकिन इस बीच देवघर एसडीओ ने यहां 145 की प्रोसिडिंग शुरू कर दी और सीआरपीसी की धारा 146 के तहत उस संपत्ति को अटैच कर लिया.

सचिवालय घेराव केस

बाबूलाल और अर्जुन मुंडा को हाईकोर्ट से राहत बरकरार

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ और धनबाद सांसद ढुल्लू महतो समेत दो दर्जन से ज्यादा भाजपा नेताओं को को हाईकोर्ट से मिली राहत बरकरार है. गुरुवार की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा. अदालत ने जवाब दाखिल करने के लिए अंतिम मौका देते हुए अगली सुनवाई के लिए 12 अगस्त की तिथि निर्धारित की है. दरअसल पिछले वर्ष भाजपा के सचिवालय घेराव कार्यक्रम में हुए उपद्रव के बाद तीन पूर्व सीएम, आधा दर्जन सांसद समेत 41 लोगों पर धुर्वा थाना में केस दर्ज किया गया है, जिसका कांड संख्या 107/2023 है. आरोपियों पर उपद्रव करने, दंगा भड़काने, सरकार के निर्देशों का उल्लंघन करने, सरकारी कार्य में बाधा डालने, अपराध के लिए उकसाने और दूसरे व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने से संबंधित धाराएं लगायी गयी हैं. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट के हुई. बाबूलाल मरांडी और अर्जुन मुंडा की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव और पार्थ जालान ने बहस की.

दुष्कर्म का आरोपी दोषी करार

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने युवती के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में वरुण सिंह को दोषी करार दिया है. अदालत उसकी सजा की बिंदु पर 5 अगस्त को सुनवाई करेगा. कोर्ट से दोषी करार दिए जाने के बाद वरुण को हिरासत में ले लिया गया है. पीड़िता द्वारा दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक, वरुण ने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और उसका वीडियो बनाया. वीडियो दिखाकर वरुण उसे ब्लैकमेल करता था. इस संबंध में पीड़िता ने लालपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज करवायी थी.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● धनबाद, शुक्रवार 02 अगस्त 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 12 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~0~~ ● वर्ष : 2, अंक : 115 ● आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

अवैध खनन : दबने से महिला की मौत

झरिया : घनुडीह ओपी अंतर्गत चीन कोठी निवासी दारा रजवार की 50 वर्षीय पत्नी कुसुम देवी की गुरुवार को कोयला खनन के दौरान मिट्टी पत्थर गिरने से मौत हो गई. सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में आसपास के लोग घटना स्थल पहुंच मिट्टी को हटाकर किसी तरह से महिला की शव को निकाला. हालांकि उसके परिजन का कहना है कि काफी दिनों से वह बीमार थी, इस कारण उसकी मौत हो गई है.वहीं परिजनों ने मृतक का अंतिम संस्कार महोलबानी घाट दामोदर नदी में कराया. घटना के संबंध में घनुडीह ओपी प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि किसी भी तरह का क्षेत्र में अवैध खनन नहीं हो रहा है.

धीरेंद्रपूरम कालोनी में लाखों की चोरी

धनबाद : धनबाद थाना क्षेत्र के धीरेंद्रपूरम कालोनी में रहने वाले सेवानिवृत कर्मचारी अभिमन्यू सिंह के घर में बुधवार की रात एक लाख रुपये नगद समेत लाखों रुपये के जेवरात की चोरी हो गई. पुलिस को दी गई शिकायत में अभिमन्यू सिंह ने बताया है कि रात में वे लोग एक परिचित के यहां गृहप्रवेश में गए थे.सुबह लौटे तो देखा कि दरवाजे की कुंडी टूटी हुई है. अंदर देखा कि सारा सामान बिखरा पड़ा था. घर से चोरों ने एक लाख रुपये नगद समेत जेवरात आदि समेत कई कीमती सामानों की चोरी कर ली.

मजदूर नेता की शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा

कतरास : मजदूर नेता शहीद बढ़न दास के शहादत दिवस पर ईस्ट कतरास में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. सबसे पहले शहीद के परिजनों ने ईस्ट कतरास स्थित शिव-हनुमान मंदिर प्रांगण में शहीद स्थल पर पूजा अर्चना की. इसके बाद ईस्ट कतरास कोलियरी कार्यालय स्थित शहीद की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. वक्ताओं ने कहा कि बढ़न दास मजदूरों के हक के लिए हमेशा मुखर रहे. आज भी मजदूरों को उनकी कमी खलती है. उनकी लोकप्रियता से घबराकर उनके विरोधियों ने उनकी हत्या करवा दी.

बिजली कनेक्शन जोड़ने को लेकर मारपीट

धनसार : धनसार थाना क्षेत्र इस्ट बस्ताकोला में बीसीसीएल के बिजली पोल से अवैध कनेक्शन जोड़ने को लेकर गुरुवार को दो गुटों में जमकर मारपीट हो गई. दोनों ओर से जमकर लाठी डंडे व ईंट पत्थर चले. दोनों पक्षों ने धनसार थाना मे एक दूसरे के खिलाफ शिकायत की है. एक पक्ष के प्रीति कुमारी का कहना है कि वे लोग ईस्ट बस्ताकोला में रहते है. यहां बीसीसीएल का आवास है.इसलिए यहां बीसीसीएल ने इस कालोनी में बिजली आपूर्ति के लिए एक पोल लगाया है. इसी पोल से इस कालोनी के एक दर्जन से अधिक लोग बिजली जलाते है. इस पोल से श्रीरामनगर के जयनंदन यादव,युगल यादव और अशोक यादव अवैध रूप से बिजली ले जाकर घर में जलाने के अलावा पूरे क्षेत्र मे कनेक्शन देकर बिजली बेचते हैं.

अवैध माइका गोदाम के संचालक के खिलाफ प्राथमिकी

संवाददाता। गिरिडीह

तिसरी थाना क्षेत्र अंतर्गत गम्हरियाटांड़ इंद्र चौक स्थित अवैध माइका गोदाम संचालन के मामले में वन विभाग के द्वारा विजय लाल के विरुद्ध वन वाद दायर किया गया है . इसके पूर्व सीओ अखिलेश्वर प्रसाद के आवेदन पर संचालक विजय लाल पर कांड संख्या 52/24 के तहत तिसरी थाने में मामला दर्ज किया जा चुका है. बताया जाता है कि धाराओं में विजय लाल और उसके मुंशी पर मामला दर्ज किया गया है. इस कार्रवाई से अवैध माइका संचालकों में हड़कंप का माहौल है.
गौरतलब हैं कि तिसरी में अवैध माइका गोदाम संचालन की सूचना पर खोरीमहुआ एसडीपीओ नीरज कुमार सिंह ने बीते दिनों छापेमारी किया था. धंधेबाजों को इसकी भनक मिल गई थी और वे पुलिस के आने से पूर्व ही मौके से भाग खड़े हुए. तब एसडीपीओ के निर्देश पर गौदाम में ताला मार दिया गया था. इसके बाद अगले दिन मंगलवार की सुबह तिसरी के अंचलाधिकारी अखिलेश्वर प्रसाद, थाना प्रभारी संजय नायक और वन विभाग के मुकेश दास दलबल के साथ गोदाम पहुंचे थे. बताया जाता है कि इस दौरान छापेमारी करने गयी टीम को गोदाम में बड़े पैमाने पर भंडारण किया गया अवैध माइका, वाहन समेत कई उपकरण मिले थे. मौके पर सभी सामानों को जब्त कर गोदाम को सील कर दिया गया.

अवैध खनन, भंडारण मामले में उपायुक्त सख्त

बुधवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने किया था . इस दौरान उपायुक्त लकड़ा ने जिले में अवैध खनन, परिवहन, भंडारण करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है . बैठक में सदर अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा जिला खनन पदाधिकारी को अवैध खनन करने वाले पर प्राथमिकी दर्ज करने तथा वन क्षेत्र में भी खनन करने वाले लोगों पर भी प्राथमिकी दर्ज कर उचित करवाई करने का निर्देश दिया गया . साथ ही अवैध रूप से खनिज लदे वाहनों की भी जांच करने का निर्देश दिया गया है . बैठक के दौरान अधिकारियों को अवैध उत्खनन रोकने की दिशा में प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी से समन्वय बनाकर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है .

सूत्र बताते हैं कि तिसरी और गावां के इलाके में धड़ल्ले से माईका का अवैध कारोबार होता है. इससे संबंधित खबरें आए दिन सामने आती रही है. प्रशासन और वन विभाग द्वारा कड़े रुख के बाद भी धंधेबाज इस कार्य में लगे हुए हैं. माइका को पहले एक स्थान पर जमा किया जाता है और फिर रात के अंधेरे में इसे कोडरमा और गिरीडीह सप्लाई की जाती है. सूत्रों की मानें तो रोजाना दर्जनों वाहनों में माइका लोड कर रात के अंधेरे में कोडरमा समेत अन्य स्थानों पर बगैर किसी रोक-टोक के भेजा जाता है.

पौधरोपण कर पर्यावरण रक्षा का दिया संदेश

पुटकी। पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए गोपालीचक निवासी डि भगत सिंह ने अपने 16 वां जन्मदिन पर गुरुवार को पौधरोपण किया. इस दौरान उसने गोपालीचक बजरंग बली मंदिर प्रांगण में 6 छायादार और फलदार पौधे लगाए. भगत सिंह डिनोबिली स्कूल सीएमआरआई में दसवीं कक्षा का छात्र है. चार वर्ष की आयु से ही वह पौधरोपण करता रहा है.
भगत सिंह को यह प्रेरणा अपने पिता आरटीआई कार्यकर्ता सह ग्रामीण एकता मंच गोपालीचक के संस्थापक रंजीत सिंह उर्फ बबलू सिंह से मिली है. रंजीत सिंह बीसीसीएल के खदानों में कोयला उत्खनन के बाद पर्यावरण को पहुंचने वाले नुकसान को लेकर हाई कोर्ट रांची में सूचना का अधिकार के तहत जनहित याचिका दायर कर चुके हैं.

टुंडी जंगल में छापेमारी कर तीन अपहर्ता को दबोचा

संवाददाता। धनबाद

कालूबथान के कारोबारी संजय मंडल को कार समेत अगवा करने के मामले में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीन अपराधियों को दबोच लिया. कारोबारी संजय मंडल की सकुशल बरामदगी हुई और पुलिस ने फिरौती में दिए गए दो लाख रुपये में से एक लाख 31 हजार रुपये भी बरामद कर लिया. इस गिरोह में शामिल एक आरोपी फरार होने में कामयाब रहा है. पुलिस उसकी तलाश कर रही है.
डीएसपी संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि बुधवार की रात 11.00 बजे कलियासोल निवासी संजय मंडल डटसन कार संख्या-जेएच10बीजे-3068 से जामताड़ा से चालधोवा के रास्ते टुंडी थाना अन्तर्गत महाराजगंज जा रहे थे, ग्राम काशीटांड के पास समय रात्रि में अज्ञात अपराधियों द्वारा उन्हें उक्त गाड़ी सहित अगवा कर लिया गया. अगवा कर अपराधी उन्हें पाटकोल के जंगल में ले गए. इसके बाद अपराधियों द्वारा संजय मंडल के मोबाइल से उनके परिजनों पर फोन कर दस लाख रूपया फिरौती मांगी गई. परिजनों ने पुलिस को सूचना दी1 इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाया. परिजनों ने दो लाख रुपये अपराधियों को दे दिया. तत्काल इसकी सूचना वरीय पुलिस अधीक्षक को दी गई.

1. कलियासोल के कारोबारी को कार समेत रात 11 बजे किया था अपहरण
2. दो लाख रुपये फिरौती देकर पुलिस ने बिछाया जाल
3. चार में तीन अपराधी गिरफ्तार, एक फरार

तत्पश्चात पुलिस उपाधीक्षक संदीप कुमार गुप्ता के निर्देशानुसार फिरौती देने के कुछ ही देर बाद थाना प्रभारी दुंडी और पूर्वी दुंडी थाना प्रभारी एवं सशस्त्र बल द्वारा पाटकोल जंगल की घेराबंदी की गई. इसके बाद छापामारी शुरू की गई. छापामारी के क्रम में अपराधी के द्वारा पुलिस का दबाव देखकर अपहृत व्यक्ति संजय मंडल को गाड़ी सहित छोड़कर भागने लगे. सशस्त्र बल के सहयोग से तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है तथा एक अपराधी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो
गया. वारदात में संलिप्त हकीम साह, उम्र करीब 22 संग्रामडीह, टोला सिधुआटांड थाना टुंडी, सिकंदर साह ग्राम धरियो, महबोनी थाना गोविंदपुर और अफजर टाईगर उर्फ बुलु टाईगर उम्र निवासी संग्रामडीह को दबोचा गया. इनमें से दो के खिलाफ पूर्व में आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं.

बाबाधाम से लौट रहे पांच कांवरियों की करंट से मौत

लातेहार में कांवारियों से भरी सवारी गाड़ी बिजली के खंभे से टकरायी

संवाददाता। बालूमाथ (लातेहार)

बालूमाथ थाना क्षेत्र में टमटमटोला के पास गुरुवार तड़के करीब तीन बजे दर्दनाक हादसा हो गया. रांची-चतरा मुख्य मार्ग एनएच 22 पर कांवारियों से भरी सवारी गाड़ी बिजली के खंभे से टकरा गयी. इससे वाहन में करंट दौड़ गया ओर चालक समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी. इस घटना में पांच अन्य वाहन सवार झुलस गये, जिनमें दो की स्थिति गंभीर बतायी जा रही है. सवारी गाड़ी में चालक समेत 19 लोग सवार थे.
घटना के संबंध में बताया जाता है कि धाधू पंचायत के मकईयातांड से कांवारियों का एक दल देवघर स्थित बैद्यनाथ धाम में गया था. वहां से पूजा करने के बाद वापस लौट रहे थे. इसी क्रम में घर से महज आठ किलोमीटर पहले बालूमाथ के टमटम टोला के पास चालक को झपकी आ गयी और सवारी गाड़ी अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गयी. टक्कर के बाद बिजली का खंभा टूट गया और 11 हजार वोल्ट का तार वाहन पर गिर गया. इससे पूरे वाहन में करंट दौड़ गया और वाहन सवार लोग इसकी चपेट में आ गये.

घटना के बाद चारों तरफ चीख-पुकार मच गयी

इस घटना के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई. आवाज सुनकर ग्रामीण पहुंचे और फिर बिजली विभाग को सूचना देकर बिजली कटवाया गया. इसके बाद राहत कार्य शुरू हुआ. आनन-फानन में सभी घायलों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया. इधर, घटना की सूचना पर एसडीपीओ आशुतोष कुमार सत्यम और बालूमाथ थाना प्रभारी विक्रांत कुमार उपाध्यायय दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे. घटना में मारे गये पांचों लोगों के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया.

हादसे में इनकी हुई मौत

इस घटना में मारे गये लोगों की पहचान हेमपुर मकईटांड निवासी सचेंद्र यादव की पुत्री रंगीली कुमारी (12), राज कुमार यादव की पुत्री अंजली कुमारी (15), सुरेंद्र यादव की पत्नी सविता देवी (30), स्व बोधा उरांव की पत्नी शांति देवी (62) और चितरपुर निवासी विष्णुदेव उरांव के चालक पुत्र दिलीप उरांव (24) शामिल हैं. वहीं, गंभीर रूप से झुलसे लोगों में भैसादोन निवासी नागेश्वर यादव के पुत्र चरकू यादव (35), और स्व गजाधर यादव के पुत्र हगेश यादव (50) शामिल हैं. दोनों को बेहतर इलाज के लिए रांची के रिम्स रेफर किया गया है. इसके अलावा हरिनंदन यादव, परमेश्वर यादव, रीना कुमारी भी घायल हुए हैं. इन तीनों का इलाज बालूमाथ सीएचसी में चल रहा है.

दर्दनाक हादसा

1. 11 हजार वोल्ट का तार गिरने से पूरे वाहन में करंट दौड़ गया
2. कंरट की चपेट में आने से पांच अन्य झुलसे, दो रिम्स रेफर
3. सवारी गाड़ी के चालक को झपकी आने के कारण हुआ हादसा

जिला खेल पदाधिकारी का तबादला

धनबाद . धनबाद के जिला खेल पदाधिकारी दिलीप कुमार का धनबाद से तबादला कर दिया गया है. विभाग की एक महिला सह कर्मी ने जून महीने में उनपर प्रताड़ना का अरोप लगाते हुए खेलमंत्री और विभागीय सचिव से शिकायत की थी. समय से पूर्व जिला खेल पदाधिकारी का ट्रांसफर महिलाकर्मी द्वारा लगाए गए आरोप से जोड़कर देखा जा रहा है. पिछले चार साल में तीसरी बार उनका ट्रांसफर किया गया है. उन्हें गढ़वा का नया जिला खेल पदाधिकारी बनाया गया है. पर्यटन कला संस्कृति खेलकूद युवा कार्य विभाग झारखंड सरकार द्वारा पांच जिले के खेल पदाधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है. गढ़वा के जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा को धनबाद का नया जिला खेल पदाधिकारी बनाया गया है. उन्हें बोकारो जिला खेल पदाधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है.

पाकुड़ की हालत खराब, बांग्लादेशी घुसपैठिए हड़प रहे जमीन : हिमंत

असम के सीएम को गोपीनाथपुर जाने से रोका गया

- जब एक सीएम नहीं जा सकता, तो आम लोगों का क्या हाल होगा
- गायबथान के पीड़ित परिवारों को एक-एक लाख देने की घोषणा

प्रमुख संवाददाता। रांची

असम के सीएम सह झारखंड भाजपा के विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंत बिश्व सरमा ने कहा कि पाकुड़ की हालत सबसे खराब है. वहां घुसपैठिए आदिवासियों की जमीन हड़प रहे हैं. वे गुरुवार को पाकुड़ जाने के दौरान दुमका के फुलो झानो चौक पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार ने उन्हें गोपीनाथपुर जाने से मना किया है. उन्होंने झारखंड सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब एक राज्य के सीएम को नहीं जाने दिया जा रहा है, तो आमलोगों का क्या हाल होगा, इसकी कल्पना की जा सकती है. दरअसल, असम के सीएम को जिला प्रशासन ने गोपीनाथपुर जाने से रोक दिया था. इसके बाद हिमंत ने कहा कि झारखंड सरकार नहीं चाहती है कि सच्चाई सबके सामने आए. इसलिए, मुझे रोका जा रहा है. दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने विधानसभा में यह मुद्दा उठाया, कहा कि असम के मुख्यमंत्री को गोपीनाथपुर जाने से रोका गया. उन्होंने इस दिन को 'लोकतंत्र में एक काला अध्याय' बताया.

गायबथान में आदिवासी महिलाओं से की मुलाकात

हिमंत बिश्व सरमा ने गुरुवार को पाकुड़ के गायबथान में आदिवासी महिलाओं से मुलाकात की . पीड़ित परिवार की समस्याओं को जाना और समझा . साथ ही पीड़ित परिवारों को एक-एक लाख रुपये देने की घोषणा की . असम के सीएम ने पाकुड़ के केकेएम छात्रावास में आदिवासी छात्रों की पिटाई को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा . कहा, वहां के एसपी पर कार्रवाई होनी चाहिए .

बीसीसीएल मुख्यालय में वार्षिक जनरल मीटिंग

संवाददाता। धनबाद

बीसीसीएल मुख्यालय में वार्षिक जनरल मीटिंग गुरुवार को संपन्न हुई सीएमडी समीरन दत्ता के अलावा स्वतंत्र निदेशक मौजूद थे. सीआईएल चेयरमैन पीएम प्रसाद भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जुड़े.
बैठक के दौरान वर्तमान कोल उत्पादन और प्रगति पर सभी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर और सदस्य ने अपना विचार रखा. इसके साथ शेयर होल्डर प्रतिनिधि ने फाइनेंशियल स्टेटमेंट की जानकारी ली. 2023 से 2024 के बीच बीसीसीएल के कोयला उत्पादन पर भी चर्चा की गई. समीरन दत्ता ने कहा कि बीसीसीएल की वर्तमान हालात बेहतर हैं. कंपनी इस वर्ष भी फायदा में रहेगी. डीटी पीपी शंकर नागाचरी, डीटी ओपी संजय कुमार सिंह,निदेशक कार्मिक मुरली कृष्णा रमैया,निदेशक फाइनेंस आरके सहाय.साथ ही स्वतंत्र निदेशक आलोक अग्रवाल, एस पांडा,राम कुमार राय सहित अन्य मौजूद थे.

घूसखोरी : दो दिनों की सीबीआई हिरासत में इंजीनियर प्रवीण

खास बातें

- बीसीसीएल पुटकी एरिया के इंजीनियर हैं प्रवीण कुमार
- स्थानांतरण के लिए रिश्वत लेने मे हुए गिरफ्तार

संवाददाता। धनबाद

पन्द्रह हजार रुपए रिश्वत लेते सीबीआई के हाथों रंगे हाथ दबोचे गए बीसीसीएल पुटकी एरिया के इंजीनियर प्रवीण कुमार को अदालत ने दो दिनों की सीबीआई हिरासत में भेजने का आदेश दिया है.गुरुवार को सीबीआई के भ्रष्टाचार निरोधी शाखा ने आरोपी इंजीनियर को सीबीआई के विशेष न्यायाधीश रजनीकांत पाठक के समक्ष पेश किया. सीबीआई ने पूछताछ के लिए तीन दिनों की हिरासत मांगी. सीबीआई ने कहा कि इस मामले में इंजीनियर के पास और कितनी संपत्तियां हैं, इन सब की जांच के लिए उनसे पूछताछ आवश्यक है. 31 जुलाई 24 को सीबीआई ने आरोपी इंजीनियर को पुटकी कोलियरी में फीटर के पद पर कार्यरत सतनाम कुमार से स्थानांतरण कुसुंडा एरिया के लिए एनओसी देने के लिए करने के एवज में रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा था.
सीबीआई ने प्राथमिकी में आरोप लगाया था कि इंजीनियर प्रवीण ने स्थानांतरण करने के एवज में बीस हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी लेकिन सौदा पन्द्रह हजार रुपए में तय हुआ था. इसकी शिकायत सतनाम ने सीबीआई से कर दी थी. सीबीआइ ने प्रवीण को दबोच लिया था.

केंद्रीय स्कूल के लिए चयनित जमीन को बेच रहे भू माफिया: मथुरा

धनबाद। टुंडी विधायक मथुरा महतो ने विधानसभा के मॉनसून सत्र में धनबाद में भू-माफियाओं द्वारा सरकारी जमीन को अवैध तरीके से बेचे जाने का मुद्दा सदन में उठाया गया. विधायक ने सदन को बताया कि केंद्रीय स्कूल-2 के लिए चिह्नित सरकारी जमीन को अवैध रूप से बिक्री की जा रही है. राजस्व विभाग की मिलीभगत से जमीन की बिक्री का खेल चल रहा है. गुरुवार को विधायक ने सदन को बताया कि सबलपुर मौजा संख्या 11 खाता संख्या 45 और प्लॉट संख्या 120 में 18 एकड़ गैराबाद जमीन है. इस जमीन का मूल रूप बदलकर रजिस्टर टू में गलत तरीके से चढ़ाकर इस जमीन को बेचा जा रहा है. इस जमीन पर ही आदिवासियों का जाहेरथान भी है. सरकार से जांच की मांग करते हुए इसे अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग विधायक ने की.

कार्रवाई कई मामलों में रांची साइबर पुलिस को थी तलाश

विदेश भागने से पूर्व साइबर अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता। धनबाद

धनबाद रेलवे स्टेशन पर तैनात आरपीएफ ने एक शातिर साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है. धनबाद स्टेशन से वह ट्रेन पकड़ कर कोलकाता जाता. फिर वहां से फ्लाइट लेकर चेन्नई के रास्ते श्रीलंका की राजधानी कोलंबो भागता. आरपीएफ की सक्रियता से उसे भागने से पहले पकड़ लिया गया. इस शातिर अपराधी की तलाश साइबर थाना पुलिस रांची को थी. इसके खिलाफ आईटी एक्ट के तहत कई मामले दर्ज हैं.
साइबर सेल डीएसपी रांची नेहा बाला ने धनबाद आरपीएफ के प्रभारी निरीक्षक पंकज कुमार को इस अपराधी के बारे में सूचना दी थी. डीएसपी ने बताया था कि वह धनबाद रेलवे स्टेशन से शक्तिपुंज या शताब्दी एक्सप्रेस एक्सप्रेस पकड़ कर हावड़ा जा सकता है. साइबर अपराधी का नाम मो. समीर अंसारी बताया. पहचान के लिए डीएसपी ने उसका फोटो भी प्रभारी निरीक्षक को भेजा. सूचना के आधार पर उसे पकड़ने के लिए प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में आरपीएफ जवान सादे लिबास में प्लेटफार्म संख्या 7-8 पर तैनात हो गए. इसी बीच डीएसपी नेहा बाला ने अपराधी का लोकेशन भेजा, जिसमें धनबाद स्टेशन के आसपास लोकेशन बताया गया.
शक्तिपुंज एक्सप्रेस के धनबाद स्टेशन पर आगमन से क़रीब 4 मिनट पूर्व सायं 7.30 बजे चेकिंग के दौरान कालका छोर ब्रिज के पास उसे पकड़ लिया गया. पूछताछ करने पर उसने अपना नाम झरिया के एना इस्लामपुर निवासी मो. समीर अंसारी, उम्र-22 वर्ष, पिता- नियाज़ अंसारी बताया. अपराधी की पहचान करने के बाद उसे आरपीएफ पोस्ट लाया गया. इसी बीच रांची पुलिस को भी उसके पकड़े जाने की सूचना दी गई. गुरुवार को आरपीएफ ने उसे साइबर क्राइम थाना रांची के पुलिस निरीक्षक मनोज कुमार राय को सौंप दिया. उक्त अपराधी के खिलाफ साइबर क्राइम पुलिस थाना, रांची में कांड सं 179/24 में आईटी एक्ट के तहत विभिन्न मामले दर्ज हैं.

ब्रीफ खबरें

नाबालिग से दुष्कर्म में दोषी करार

धनबाद। नाबालिग का अपहरण और उसके साथ दुष्कर्म करने के एक मामले में गुरुवार को धनबाद पोक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने मामले के नामजद आरोपी चांदमारी धनसार निवासी अरूण हाड़ी को दोषी ठहराया है. अदालत ने सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए शुक्रवार की तारीख निर्धारित की है. प्राथमिकी पीड़ित की मां की शिकायत पर धनसार थाने में दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक आठ जनवरी 2024 की रात्रि करीब आठ बजे आरोपी अरूण पीड़िता को शादी की नीयत से घर से बहला फुसलाकर अपने चाचा के घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया. अनुसंधान के बाद पुलिस ने 13 मार्च 24 को अरूण के विरुद्ध आरोप पत्र दायर किया था. 9 अप्रैल 2024 को आरोप तय होने के बाद सुनवाई शुरू हुई थी. अभियोजन ने इस मामले में सात गवाहों का परीक्षण कराया था.

बरोरा में अवैध खनन स्थल के मुहाने की भराई

बरोरा। बरोरा थाना अंतर्गत एएमपी कोलियरी के डेको आउटसोर्सिंग जरलाही पैच में कोयला के अवैध उत्खनन रोकने के लिए खदानों के मुहाने पर ओबी गिराकर बंद कर दिया गया. इस दौरान बरोरा थाना प्रभारी विकास कुमार, सीआईएसएफ एवं कोलियरी प्रबंधन उपस्थित थे. इन मुहानों से कोयले का अवैध उत्खनन होता था. साथ ही कोयला उत्खनन होने से आए दिन घटनाएं भी घटती रहती थी. वरीय अधिकारीयों ने इन मुहानों को बंद करने का निर्देश दिया था.

खेशमी में नर्सिंग होम का उद्घाटन

गोमो। गोमो ओवरब्रिज के समीप खेशमी में नर्सिंग होम का उद्घाटन गुरुवार को धनबाद सांसद प्रतिनिधि शरद महतो ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर किया. मौके पर उन्होंने कहा कि गोमो के आसपास के इलाके में चिकित्सा की बड़ी समस्या है. मामूली तबीयत बिगड़ने पर लोगों को इलाज कराने धनबाद जाना पडता है. इस नर्सिंग होम के उद्घाटन होने से लोगों को इलाज कराने में सुविधा होगी. मौके पर जिला परिषद् सदस्य प्रतिनिधि हीरामन नायक, नर्सिंग होम संचालक एस महतो, भाजपा के गोमो मंडल अध्यक्ष सुनील मंडल, मुखिया प्रतिनिधि अजीत मंडल, सुरेश प्रसाद समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

निकाय चुनाव को लेकर मशाल जुलूस

धनबाद। निकाय चुनाव कराने को लेकर निवर्तमान मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल समेत निवर्तमान पार्षदों ने गुरुवार की शाम को मशाल जुलूस निकाला. मशाल जुलूस में सैकड़ों की संख्या में महिला एवं पुरुष हाथ में तख्ती एवं मशाल लेकर रणधीर वर्मा चौक पहुंचे. सभी ने सरकार के विरुद्ध नारेबाज़ी की. राज्य सरकार द्वारा निकाय चुनाव नहीं कराए जाने को लोकतंत्र की हत्या बताया. मौके पर चंद्रशेखर अग्रवाल ने कहा कि हाई कोर्ट के निर्देश के बावजूद हेमंत सरकार निकाय चुनाव नहीं करा कर कोर्ट की अवमानना कर रही है. कहा कि हेमंत सोरेन को डर है कि निकाय चुनाव कराने पर सरकार की पोल खुल जाएगी. उन्होंने मशाल जुलूस निकाल हेमंत सोरेन का विरोध कर सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं. उन्होंने सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द निकाय चुनाव कराई जाए.

लापरवाही : निगम चलाता अतिक्रमण हटाओ अभियान, दूसरी ओर खुद करता जाम का भी इंतजाम

निगम कराता पार्किंग, पुलिस वसूलती जुर्माना

रनजीत सिंह/आफताब आलम

जुर्माना व दुर्घटनाओं के बीच फंसे राहगीर व वाहन चालकों को मुसीबत में डाल निगम करता कमाई

धनबाद। सड़क के किनारे चार पहिया और दो पहिया वाहनों की लंबी कतार. इनके समक्ष एक व्यक्ति जो हाथ में एक स्लिप लेकर आपके वाहन के खड़े करने का इंतजार करता है. जैसे ही आपने वाहन खड़ा किया, दौड़ता हुआ वो आता है और फिर आपके वाहन में कागज का एक टुकड़ा लगाकर आपसे पांच-दस रुपये ले लेता है. इधर दूसरी तरफ आपसे जरा सी गलती हुई तो पुलिस वाले भी टकटकी लगाए इंतजार करते हैं, सड़क की बार्डर लाइन से यदि आपका एक चक्का भी बाहर हो गया तो फिर आपके खतरे के निशान के अंदर आ जाएंगे, यानि कि आपको अब पुलिस वालों के चालान का सामना करना पड़ेगा. वाहनों के सारे कागजात यदि सही हैं तो फिर मामूली चालान नहीं तो फिर आपकी जेब बिलकुल हलकी कर दी जाएगी. जी जी हां, धनबाद की बहुमंजिला इमारतों के बेसमेंट में एक तरफ दुकानें चल रही हैं तो मजबूरी में ही वाहनों को सड़क के किनारे खड़ा करना पड़ रहा है.

शहर में नहीं है पार्किंग : इतने बड़े शहर में जहां लाखों वाहन का प्रतिदिन आवागमन है, वहां पार्किंग की व्यवस्था नहीं है. बैंकमोड़ से लेकर बिग बाजार तक, या फिर सिटी सेंटर से लेकर मेमको मोड़ तक कहीं भी निगम ने वाहनों के लिए पार्किंग का इंतजाम नहीं किया है. इस शहर में वाहनों की पार्किंग सड़कों पर ही होती है. जब इतने वाहन शहर में लगेंगे तो जाम कैसे नहीं लगेगा. ये सोचने की जिम्मेवारी कौन निभाएगा.

विरोध के बाद भी निगम ने कराया था टेंडर

ऐसे में नगर निगम का रोल अजीबोगरीब है. एक तरफ जाम से निपटने के लिए लगातार अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाता है और दूसरी तरफ निगम ही जाम लगाने का प्रबंध भी करता है. बड़े-बड़े मॉल समेत अन्य बहुमंजिला इमारतों के बेसमेंट में पार्किंग नदारद है. इनके सामने पार्किंग लगवा कर निगम ही पार्किंग शुल्क वसूली करता है. जिले के सबसे व्यस्ततम इलाका बैंक मोड़ से ही निगम को लाखों की वसूली होती है. निगम ही बैंक मोड़ पुराना बाजार जैसे व्यस्ततम इलाके में पार्किंग के लिए बंदोबस्ती का टेंडर निकालता है. सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में एक बार पूर्व सांसद पीएन सिंह ने इसका विरोध भी किया था. बावजूद इसके फरवरी महीने में पार्किंग की बंदोबस्ती कर दी गई. बैंक मोड़ के शांति भवन से लेकर टाटा मोटर्स तक एवं दूसरी ओर सरकारी कुंआ से लेकर टाटा मोटर्स तक के लिए निकले टेंडर में निगम ने करीब 11 लाख रुपए की न्यूनतम राशि तय किया था. इसी प्रकार पुराना बाजार पानी टंकी चौपाटी रोड के दोनों तरफ पार्किंग के लिए भी बंदोबस्ती का टेंडर निकाला गया था. बता दें कि पानी टंकी के पास सकरी सड़क में हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है. इसी प्रकार सिटी सेंटर के सामने सड़क किनारे होने वाली पार्किंग की भी बंदोबस्ती कर दी गई है. सिटी सेंटर के बेसमेंट में दुकानें और सड़क पर लगने वाली पार्किंग से यहां भी काफी जाम लगती है.

सड़क दुर्घटना में जख्मी की मौत से नाराज लोगों ने लगाया जाम

संवाददाता । मधुबन

मधुबन पुलिस की कार्यशैली से नाराज़ लोग उतरे सड़क पर, पुलिस व आक्रोशित लोगों में नोक-झोंक

बोकारो-राजगंज फोरलेन सड़क मार्ग के सिनीडीह मोड के समीप बीते दिनों हुए सड़क दुर्घटना में जख्मी महेशपुर के युधिष्ठिर रजक उर्फ मंटू 37वर्ष की मौत गुरुवार को रांची में इलाज के दौरान हो गई. महेशपुर के ग्रामीण मुआवजा की मांग को लेकर शव के साथ बोकारो -राजगंज फोरलेन सड़क मार्ग के सिनीडीह पुलिस चेक पोस्ट के पास जाम कर दिया. जिससे सड़क के दोनों और वाहनों की लंबी कतार लग गयी. सूचना पाकर मौके पर पहुंची मधुबन पुलिस व ग्रामीणों के बीच हल्की नोक झोंक भी हुई.आक्रोशित ग्रामीणों ने मधुबन पुलिस की निष्क्रियता व शिथिलता का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की.

ग्रामीणों ने बताया कि 21 जुलाई को सिनीडीह फोरलेन के सिनीडीह मोड़ के समीप अज्ञात चार पहिये वाहन की जोरदार टक्कर से मोटरसाइकिल सवार महेशपुर निवासी युधिष्ठिर रजक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था. उक्त चार पहिये वाहन का नंबर प्लेट जिसका नंबर जेएच10एएस-5242 टूट कर सड़क पर गिर गया था.इसे ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस को सुपुर्द कर दिया था. मंटू की पत्नी राधा देवी ने मधुबन थाना में घटना की लिखित शिकायत देकर कांड अंकित कराया था. घटना के 10 दिन बीत जाने के बाद भी मधुबन पुलिस ने कोई कार्यवाही तो दूर वाहन मालिक व चालक का पता भी नहीं लगा सकी. इससे ग्रामीणों में रोष है. ग्रामीणों ने वरीय पुलिस अधिकारी को घटनास्थल पर बुलाने तथा मृतक के परिजनों को मुआवजा की मांग पर अड़े हुए थे. इस दौरान मधुबन पुलिस आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया. ग्रामीण मधुबन पुलिस की कोई भी बात सुनने को तैयार नहीं थे. ग्रामीणों का आक्रोश देख पुलिस घटना की जानकारी वरीय अधिकारी को दिया गया. घटना की जानकारी होते ही महुदा इंस्पेक्टर ममता कुमारी उक्त स्थल पहुंच कर आक्रोशित ग्रामीण व मृतक के परिजनों को आश्वासन देकर सड़क जाम हटवाने का प्रयास किया. मगर ग्रामीण मधुबन पुलिस द्वारा अभी तक कोई कारवाई नही किये जाने का आरोप लगाते हुए वरीय पुलिस को बुलाने की मांग करने लगे. इस दौरान मौके पर उपस्थित प्रशासन के अधिकारियों ने तत्काल आश्रित को 20 हजार नकद भुगतान के साथ-साथ अन्य तरह के मुआवजा को दिलवाने में पूर्ण सहयोग देने की बात कही. इसके बाद सड़क जाम हटाया गया. पत्नी राधा देवी अपने पति की मौत की खबर से बार-बार बेहोश हो जा रही थी, मंटू अपने पीछे दो लड़की आरती 15 वर्ष,पूजा 13 वर्ष, एवं एक बेटा प्रिंस 8वर्ष छोड़ गए. वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है.

निगम की लापरवाही : दर्जनों घरों में घुसा नाले का पानी

संवाददाता । धनबाद

निगम की लापरवाही के कारण बारिश का पानी नाला से ओवरफ्लो होकर झरिया के जामाडोबा आलम नगर के दर्जनों घरों में प्रवेश कर गया. हालत ये रही कि लोग अपने घरों में रात जाग कर गुजारे और अपने छोटे-छोटे बच्चे को गंदे पानी में घुस कर दूसरे के घरों में शिफ्ट किया. घर में रखे खाद्य सामग्री भी बर्बाद हो गया. इस संबंध में आलम नगर के रहने वाले पीड़ित परिवार इशरत बानो, मो जसीम खान, सबीहा खातून, नेसार, नौशाद, अलमगीर,मो इसराईल मन्नान इराकी, लाल मोहमद, मो मासूक अंसारी ने कहा कि दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण नाला का गंदा पानी दर्जनों घर में घुस गया. जिससे घर का सारा परिवार परेशान है. खाने की सामग्री तक नहीं बचा है. यह घटना नगर निगम के अधिकारी की लापरवाही एवं झूठे आश्वासन देने के कारण घटी है. इसकी पूरी जवाबदेही निगम के अधिकारी व सुपरवाइजर की है. उन्होंने कहा कि बारिश से पहले नाले की सफाई को लेकर कई बार निगम के अधिकारियों को आवेदन दिया गया पर आज तक आश्वासन के अलावा कोई कार्यवाही नहीं हुई. निगम की लापरवाही के कारण आज आलम नगर में रहने वाले लोगों का नुकसान हुआ है.

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत, दो घायल

- आक्रोशित लोगों ने किया कतरास बाघमारा मुख्य मार्ग जाम

संवाददाता । बरोरा

बरोरा थाना क्षेत्र के कतरास-बाघमारा पथ के मुराइडीह खोदो नदी पुल के पास गुरुवार को अज्ञात हाइवा की चपेट में आने से बाइक सवार डुमरा दिवानटोला निवासी मनपुरन सिंह के पुत्र अभय सिंह राजपूत (22 वर्ष) की दर्दनाक मौत घटनास्थल पर हो गई. जबकि उनके साथ बाइक पर बाघमारा निवासी आकाश तिवारी एंव उनके पड़ोसी आलोक सिंह घायल हो गए.आकाश तिवारी को माथे पर गंभीर चोट लगी है. उनका इलाज डुमरा रिजनल अस्पताल में चल रहा है. आलोक सिंह आंशिक रूप से घायल है. वह आलोक सिंह रिश्ते में चाचा है. घटना के बारे में बताया जाता है कि दोपहर तीन बजे तीनों युवक मुराईडीह कोलियरी से निकल कर बाइक से कतरास लिलौरीमंदिर जा रहे थे. इसी दौरान खोदो नदी पुल के समीप विपरीत दिशा से आ रही हाइवा ने उसे चपेट में ले लिया. हाइवा के धक्के से तीनों युवक रोड़ पर फेंका गया.अभय सिंह की सर को कुचलते हुए हाइवा आगे बढ़ गया. उनकी मौत मौके पर हो गयी. घटना की खबर मिलते ही मौके पर बरोरा पुलिस पहुंची औल घायल आकाश तिवारी को इलाज के लिए डुमरा अस्पताल ले जाया गया. खबर पाकर अभय के मां-पिता सहित उनके परिजन घटना स्थल पर पहुंचे. बेटे की क्षत विक्षत शव देखकर पछाड़ खाकर रोने लगे. आक्रोशित लोगों ने हाइवा को पकड़ने की मांग करते हुए सड़क मार्ग को जाम कर दिया. जिससे वागमन बाधित हो गया. सामाचार लिखे जाने तक सड़क जाम था. घटनास्थल पर कतरास बरोरा बाघमारा पुलिस मौजूद थी1 पुलिस आक्रोशित लोगों को समझाने बुझाने का प्रयास कर रही थी.

चूल्हा चौकी, नावाडीह (असर्फी अस्पताल के समीप, धनबाद)

GC SALES
Mob. : 9431125135
Praveen Agarwal
Housing of Distribution
safari
All Item Ladies Purse Local Toli

Kadmiya Bhawan, Ratanji Road, Purana Bazar, Dhanbad (Jharkhand)

शुभकामनाएं

क्राइम महिला कर्मी के साथ छेड़खानी, प्रताड़ना व नौकरी से निकाल देने का है आरोप

होटल रेडिशन के मैनेजर समेत 5 ने लगाई अग्रिम जमानत की गुहार

संवाददाता । धनबाद

धनसार के होटल रेडिशन इंडिविजुअल की महिला कर्मी के साथ मानसिक यातना और छेड़खानी करने के मामले के नामजद आरोपी प्रतीक मोहन, (होटल मैनेजर,) केएस मोनालिसा, (ए.टी.आर. मैनेजर) राजीव रंजन गोस्वामी, (असिस्टेंट डायरेक्टर सेल्स), संजीत कुमार, (सुरक्षा मैनेजर), ऐश्वर्या मधुमिता, (मुख्य ऑफिस मैनेजर) ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत की गुहार लगाई है. वरीय अधिवक्ता शाहनवाज की दलील सुनने के बाद अदालत ने जमानत अर्जी पर शुक्रवार को सुनवाई की तारीख निर्धारित की है.

होटल की महिला सेल्स मैनेजर ने 25 जुलाई 2024 को महिला थाने में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए होटल रेडिशन के जीएम समेत पांच कर्मियों पर मानसिक रूप से प्रताड़ित, मारपीट और छेड़छाड़ करने की शिकायत महिला थाना में की थी. पुलिस ने 27 जुलाई 2024 को पीड़ित महिला का कोर्ट में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 183 के तहत बयान दर्ज कराया था.

ये है आरोप : प्राथमिकी में में 38 वर्षीय पीड़ित महिला मैनेजर ने आरोप लगाया था कि वह एक अप्रैल 2024 से धनसार गोलंबर के पास निर्माणाधीन होटल द ग्रैंड मिराज रेडिशन इंडिविजुअल में सेल्स एंड मार्केटिंग के मैनेजर के पद पर काम कर रही थी. प्रतीक मोहन, (होटल मैनेजर,) केएस. मोनालिसा, (ए.टी.आर. मैनेजर) राजीव रंजन गोस्वामी, (असिस्टेंट डायरेक्टर सेल्स), संजीत कुमार, (सुरक्षा मैनेजर), ऐश्वर्या मधुमिता, (मुख्य ऑफिस मैनेजर) के पद पर कार्यरत थे. 8 फरवरी 2024 को होटल खुला और गेस्ट रूम, मीटिंग और इवेंट के लिए बुकिंग शुरू हो गई. होटल की संपत्ति घरौंदा प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व में है. जिनके नाम हर्षित जिंदल, विवेक विक्रम पोद्दार और इंद्रपाल सिंह संधू हैं. पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसकी नियुक्ति के बाद से ही होटल व्यवसाय से जुड़े मुद्दों पर उसका अन्य कर्मचारियों से मतभेद रहता था. कुछ कर्मचारी पद में वरिष्ठ होने के कारण अपनी राय उस पर थोपना चाहते थे और उससे अपनी बात मनवाना चाहते थे. जिसका वह विरोध करती थी.

राजीव- प्रतीक ने की थी छेड़खानी

पीड़िता ने आरोप लगाया है कि ये सारी बातें उसने होटल मालिकों को भी दी. पीड़िता ने आरोप लगाया है कि होटल में काम करते हुए राजीव गोस्वामी और प्रतीक मोहन अक्सर उसके शरीर को बुरी नीयत से छूते थे. अश्लील बातें करते थे और अश्लील हरकतें भी करते थे. कुछ समय तक वह यह बर्दाश्त करती रही. बाद में जब उसने उन दोनों की हरकतों का विरोध किया तो दोनों व्यक्ति हंसकर बात टाल गए और कहा कि उसको उनके अधीन ही काम करना है. पीड़िता महिला ने एक अन्य महिला कर्मी पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि के.एस. मोनालिसा भी उनके घिनौने कामों में उनका साथ देती थी. कार्यस्थल पर उनके वरिष्ठों ने भी उन्हें इस तरह के शोषण को बर्दाश्त करने के लिए समझाया था. पीड़िता ने आरोप लगाया है कि 25 मई 2024 को जब चुनाव के कारण धनबाद के सभी सरकारी और अदध सं सरकारी स्थानों में अवकाश घोषित था. उस दिन जबरन काम पर छुट्टी के दिन बुलाया, छुट्टी के दिन होने के कारण वह नहीं गई तो प्रतीक मोहन ने उसकी हाजिरी काट दी. जब वह 29 मई 2024 को ऑफिस गयी तो राजीव गोस्वामी और प्रतीक मोहन ने उसे धमकाया और कहा कि उसे उनकी मर्जी और उनकी शर्तों पर वहां काम करना होगा. जब उसने कहा कि वह उनकी शिकायत होटल मालिक और मैनेजमेंट से करेगी तो उपरोक्त पांचों लोग जबरन उसे घसीटकर प्रतीक मोहन के केबिन में ले गए. फिर उन्होंने उसके साथ बुरी तरह से दुर्व्यवहार किया. पांचों लोगों ने मिलकर उसे बुरी तरह से खींचा घसीटा , जिससे उसके शरीर के कई हिस्सों पर खरोंचे आई.

♦ Pillar Less 4000Sq.ft. AC Hall
♦ Facility for Guests
♦ 30 Nos. of Luxurious Rooms
♦ Lift Facility
♦ First Elevated Swimming Pool
♦ Parking Facility
♦ Sweet Rooms, Banquet Hall
TILAKRAIDIH, AMAGHATA, NEAR MAA DHARAM KATA, GOBINDPUR, DHANBAD
MOBILE : 9334073093, 7004249799

दो बंद आवासों से हजारों की चोरी

संवाददाता। कथारा

बेरमो थाना क्षेत्र के सुभाष नगर न्यू लिटिल फ्लावर स्कूल के समीप बीते दिन बंद दो आवासों में अज्ञात चोरों ने चोरी की घटनाओं को अंज़ाम दिया. गुरुवार की सुबह पड़ोसियों ने जब दरवाजे पर लगा ताला और कुंडी टूटा हुआ देखा तो पुलिस को जानकारी दी. घर के अंदर आलमारी का लॉकर, बक्सा और दीवान में रखे सारे सामान बिखरे पड़े थे.

घटना की सूचना पाकर बेरमो थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह और एसआई ननका उरांव ने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की. गृहस्वामी जितेन्द्र दुबे के भाई रत्नेश्वर दुबे ने बताया कि वे कई दिनों से पूरे परिवार सहित बिहार के औरंगाबाद जिले के कुटुम्बा गए हुए हैं. उन्होंने कहा कि शुक्रवार को लौटने के बाद ही पता चल सकेगा कि कितने की चोरी हुई है. वहीं मिठाई लाल के बंद आवास से भी जेवरात, कीमती कपड़े और नकदी की चोरी हुई है. मिठाई लाल पूरे परिवार के साथ इलाहाबाद गए हुए हैं. वहीं बढ़ रही चोरी की घटनाओं से लोग भयभीत हैं. पुलिस प्रशासन से चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने को लेकर ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं.

बड़हरवा में 6 साइबर अपराधी गिरफ्तार

7 मोबाइल, 2100 रुपए समेत ठगी से संबंधित अन्य कागजात बरामद

संवाददाता। साहिबगंज

पुलिस ने साइबर ठगी के आरोप में बड़हरवा थाना क्षेत्र से गुरुवार को छह साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. उनके पास से 2100 रुपए नकद, सात मोबाइल फोन व छह एटीएम कार्ड समेत साइबर ठगी से संबंधित अन्य कागजात बरामद किए गए हैं. यह जानकारी एसडीपीओ मंगल सिह जामुदा ने गुरुवार को प्रेसवार्ता में दी. पकड़े गए आरोपियों में पवन रमानी (कहारपाड़ा), शेखर रमानी उर्फ चंद्रशेखर रमानी (प्रोफेसर कॉलोनी), नीरज कुमार (कालीतल्ला), अमित कुमार वर्मा (स्टेशन चौक झिकटिया) व पप्पू कुमार उर्फ पप्पू रमानी (झरना टोला, थाना तीनपहाड़) शामिल हैं. पप्पू रमानी का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है. वह मोबाइल चोरी में पहले जेल जा चुका है.

एसडीपीओ ने बताया कि सीएसपी संचालक कालीतल्ला गांव निवासी शाहनवाज शेख ने बड़हरवा थाना में आवेदन देकर उसके सीएसपी से अवैध निकासी किए जाने का मामला दर्ज कराया था.

साहिबगंज एसपी के निर्देश पर पुलिस टीम गठित कर जांच शुरू की गई. जांच के बाद एसआई सुदामा सिंह के बयान पर इस मामले में 9 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई. केस के अनुसंधान का जिम्मा पुलिस इंस्पेक्टर सुधीर कुमार पोद्दार को सौंपा गया. इसके बाद छापेमारी कर उक्त 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया. पकड़े गए युवकों ने स्वीकार किया है कि बैंक अधिकारी व कृषि पदाधिकारी बनकर कृषि अनुदान देने के नाम पर वे लोगों की पर्सनल डिटेल हासिल कर उनके बैंक खाते से रुपए उड़ाते थे. छापेमारी में एसडीपीओ मंगल सिह जामुदा के अलावा पुलिस इंस्पेक्टर सुधीर कुमार पोद्दार, बड़हरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह, तीनपहाड़ थाना प्रभारी शाहरुख, एएसआई सुदामा सिंह, गुलशन गौरव व पुलिस जवान शामिल थे.

पोकलेन सौ फिट नीचे गिरी, चालक की मौत

साहिबगंज। पतना प्रखण्ड के गड़ाई भिटा पंचायत अंतर्गत माँ अम्बिका स्टोन वर्क्स के पत्थर खदान में पोकलेन अनियंत्रित होने के कारण पोकलेन संचालक लालचंद घोष उम्र 32 वर्ष, पिता गोपाल घोष बरहेट बाजार निवासी की मौके पर ही मौत हो गई है. जानकारी के अनुसार खदान में काम करने के दौरान पोकलेन के अनियंत्रित हो जाने के बाद पोकलेन पहाड़ से लगभग 100 फिट नीचे जा गिरी, और चालक की मौत हो गई. सूचना मिलते ही रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव बरहरवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मंगल सिंह जमुदा दल बल के साथ घटनस्थल पर पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गए हैं.

फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने चिपकाया इस्तेहार

बोकारो। सिटी पुलिस ने फरार चल रहे अभियुक्त के घर ढोल बजवाकर इस्तेहार चिपकाया. यह इश्तहार अभियुक्त बालीडीह के बियाड़ा स्थित एग्रो केमिकल के मालिक रमन श्रीवास्तव के बारी को ऑपरेटिव कॉलोनी स्थित उनके आवास प्लॉट नंबर 716 में चिपकाया गया है. मालूम हो कि सेक्टर 2 सी स्थित आवास संख्या 4-115 निवासी देवेंद्र कुमार पांडेय से अभियुक्त ने अपने खाते में 58 लाख रुपए कर्ज ले रखा था, लेकिन अब उसने रुपये लौटाने से इनकार कर दिया. इसके बाद सिटी थाना में देवेन्द्र कुमार पांडेय ने आवेदन देकर मामला दर्ज करवाया था. सिटी पुलिस ने कांड संख्या 53/2024 दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है. दरोगा मनीष कुमार ने बताया कि बार-बार नोटिस भेजा गया लेकिन आरोपी बाप-बेटा हाजिर नहीं हुए. न्यायालय के आदेश के बाद इश्तहार चिपकाया गया है, जिसमें तीस दिनों का समय दिया गया है. इस अवधि के भीतर यदि वे हाजिर नहीं होते हैं तो उनकी संपति कुर्क की जाएगी.

पेड़ गिरने से आवागमन बाधित

पीरटांड (गिरिडीह)। पीरटांड थाना क्षेत्र के गिरिडीह डुमरी मुख्य मार्ग के हरलाडीह में गुरुवार दोपहर आए बारिश और जोरदार आंधी तूफान में विशाल बरगद का पेड़ गिरने से कई घंटों तक मुख्य सड़क बाधित हो गया. बताया जाता है कि बारिश के साथ तेज तूफान चल रहा था, इस दौरान हरलाडीह रोड स्थित विशाल बरगद का पेड़ गिर गया. जिसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है . पेड़ गिरने से कुछ देर के लिए गिरिडीह-डुमरी मुख्य मार्ग बाधित हो गया. कुछ वाहन सड़क किनारे उतर कर पार करते हुए नजर आए. विशाल पेड़ गिरने की सूचना मिलने के बाद पीरटांड़ सीओ ऋषिकेश मरांडी पंचायत सेवक के साथ हरलाडीह पहुंचे और पेड़ को रोड से हटवाने में जुट गए. इधर बारिश के कारण प्रखंड क्षेत्र के कई गांवों में पेड़ गिरने से भारी नुकसान हुआ है. बारिश होने से लोगों को धान की रोपनी में सहयोग मिलेगा.

शिक्षक अभ्यर्थियों की काउंसलिंग का डीसी ने किया निरीक्षण

बोकारो। प्राथमिक शिक्षा निदेशालय के निर्देशानुसार गुरुवार को पारा शिक्षक एव गैर पारा शिक्षकों के कक्षा 01 से 05 एवं कक्षा 06 से 08 के शिक्षक अभ्यर्थियों की काउंसलिंग एसजीएस विद्यालय एवं जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय में हुआ. काउंसलिंग कार्य का निरीक्षण उपायुक्त विजया जाधव ने किया. मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला नजारत उप समाहर्ता वंदना शेजवलकर आदि उपस्थित थे. उपायुक्त ने निदेशालय के मार्ग-दर्शन अनुरूप शिक्षक अभ्यर्थियों की काउंसलिंग कार्य को पूरा करने का निर्देश जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा एवं जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे को दिया. उन्होंने द्वय पदाधिकारियों से अभ्यर्थियों की संख्या की जानकारी ली. कहा कि निर्देशानुसार काउंसलिंग कार्य को गुरुवार को ही पूरा करना है.

प्रखंड की 23 हजार महिलाएं होंगी लाभान्वित : बीडीओ

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड मुख्यालय के सभागार में गुरुवार को कसमार बीडीओ अनिल कुमार महतो की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना को लेकर उन्मुखीकरण बैठक आयोजित की गई. बैठक में बीडीओ ने जानकारी देते हुए बताया कि कसमार प्रखंड में कुल 23 हजार महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा. योजना का लाभ लेने के लिए आवेदिका का आधार लिंक सिंगल बैंक खाता, मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड एवं राशन कार्ड होना चाहिए. वहीं आवेदिका जो स्वयं या पति केन्द्र, राज्य सरकार, केन्द्रीय, राज्य सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों तथा सरकार से सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थान में नियमित, संविदा व मानदेय कर्मी के रुप में नियोजित अथवा अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ पूर्व से प्राप्त हो रहा है तो उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिल सकता है. इस दौरान तीन से 10 अगस्त तक तक सभी पंचायतों में लगने वाले शिविर को लेकर प्रचार प्रसार की बात कही गई. बैठक में सभी पंचायतों के मुखिया, पंचायत सचिव, जेएसएलपीएस के कर्मी सहित अन्य लोग मौजूद थे.

शमशान घाट पर अवैध कब्जा का आरोप

डुमरी (गिरिडीह)। झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय सचिव अशोक अग्रवाल आजाद ने कुलगो नदी और उसके आसपास की सरकारी भूमि का अतिक्रमण होने, श्मशान घाट व उसकी भूमि पर अवैध कब्जा किए जाने के विरोध में डीसी, एसपी, एसी गिरिडीह एवं एसडीएम डुमरी, सीओ डुमरी को ईमेल के द्वारा पत्र प्रेषित कर दोषी व्यक्ति के विरूद्ध उचित कार्रवाई करते हुए सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त करने की मांग की है. झापीपा नेता ने पत्र में लिखा है कि जीटी रोड के किनारे कुलगो नदी की सरकारी भूमि और श्मशान घाट की भूमि पर घनश्याम साव द्वारा अतिक्रमण व अवैध कब्जा किया जा रहा है, जिसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए.

केंद्र की साजिश का देंगे मुंहतोड़ जवाब : भुनेश्वर

कसमार (बोकारो)। भाकपा माले की ओर से गुरुवार को कसमार के पिरगुल चौक पर अयोजित संकल्प सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते भाकपा माले राज्य स्थाई कमिटी के सदस्य भुवनेश्वर केवट ने कहा कि झारखंड को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की जो साजिश चल रही है, उसका मुंहतोड़ जवाब देगें. झारखंड लंबे संघर्षों और शहादत की देन है. यह कोई भीख और अनुदान में नहीं मिली है. संसद के पहले बजट सत्र के दौरान भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा झारखंड को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा. भाजपा को अगर झारखंड के प्रति थोड़ी भी दर्द है, तो झारखंड को विशेष राज्य और स्पेशल आर्थिक पैकेज की घोषणा करें ताकि राज्य में ग्रामीण गरीबों का विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य की हालात बेहतर हो सके.

डीपीएस में तबला-वादन, एकल गायन प्रतियोगिता

बोकारो। डीपीएस बोकारो की सीनियर इकाई में इन दिनों लगातार गीत-संगीत का दौर जारी है. अवसर है चार दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव तरंग का, जिसके तीसरे दिन गुरुवार को बच्चों ने सुर-ताल की दिलकश महफिल सजाई. अंतर सदन समूह तबला वादन में तीन ताल के विभिन्न स्वरूपों का उन्होंने जहां मनोरम प्रस्तुतीकरण किया, वहीं भजन थीम पर आयोजित एकल-गान प्रतियोगिता में एक से बढ़कर एक प्रस्तुति के जरिए भक्ति रस की सरिता प्रवाहित कर दी. आकर्षक पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे बच्चों की तबले पर फिरकियों की तरह नाचती उंगलियां, उनकी थाप और लयकारी का आपसी सामंजस्य देखते ही बन रहा था. तीन ताल के विभिन्न प्रकारों को बच्चों ने आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया. कायदा, टुकड़ा, परन, गत आदि को उन्होंने बखूबी पेश किया. समेकित प्रदर्शन के आधार पर इस स्पर्धा में जमुना हाउस की टीम पहले स्थान पर रही. चेनाब व गंगा सदन की टीमें क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहीं.

गांडेय में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक

गांडेय (गिरिडीह)। गांडेय में पूर्व जिलाध्यक्ष यदुनंदन पाठक की अध्यक्षता में भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बैठक सम्पन्न हुई. बैठक में प्रखंड और अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार पर चर्चा हुई. इसके खिलाफ आगामी 10 अगस्त को प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना देने का निर्णय लिया गया. मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष यदुनंदन पाठक ने कहा कि हेमंत सोरेन के कार्यालय में भ्रष्टाचार चरम पर है. सभी विभाग में लूट मचा हुआ है. बिना रिश्वत का कोई काम नहीं होता है. जरूरतमंदों को काम के लिए सरकारी कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है. आम जनता की पीड़ा सुनने वाला कोई नहीं है. अंचल कार्यालय में बगैर नजराना दिए कोई काम नहीं होता है. मनरेगा सहित तमाम योजनाओं में भ्रष्टाचार हावी है. उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ 10 अगस्त को एक दिवसीय धरना दिया जाएगा.

भाजपा नेता आशुतोष दुबे की मां का निधन

तेलगड़िया (बोकारो)। भाजपा के वरिष्ठ व चास प्रखंड के पूर्व बीस सूत्री सदस्य आशुतोष दुबे व कान्यकुब्ज आर्ष परिषद शिखर मजलिस बोकारो के पूर्व अध्यक्ष चक्रधर दुबे की माता माधुरी देवी का बुधवार को निधन हो गया. वह 95 वर्ष की थीं. वह अपने पीछे सात पुत्रों व दो पुत्रियों का भरापुरा परिवार छोड़ गई हैं. उनके निधन की खबर सुनकर सामाजिक कार्यकर्ता, भाजपाई व ब्राह्मण समाज के लोगों ने बेलुंजा गांव स्थित उनके आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि दी. उनका अंतिम संस्कार दामोदर नदी चेचकाधाम घाट पर कर दिया गया. अंतियात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए. माधुरी देवी के निधन पर स्थानीय विधायक सह नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, मुखिया भारो देवी, भाजपा नेता अंबिका खावास, दिलीप चौबे, खगेन्द्र नाथ महथा, बबलू चौबे, मुकेश बाउरी, राजीव चौबे, महादेव महथा, मनोरंजन तिवारी आदि ने शोक जताया है.

बेरमो को जिला बनाने की मांग को लेकर बंद का रहा मिला-जुला असर

गोमिया चौक जाम, वाहनों की लगी कतार, कथारा में कुछ दुकानें बंद

संवाददाता। कथारा

बेरमो जिला बनाओ संघर्ष समिति के आह्वान पर गुरुवार को बेरमो अनुमंडल बंद का मिला जुला असर बेरमो अनुमंडल क्षेत्र में देखने को मिला. बंद के दौरान गोमिया, होसिर, साड़म, बोकारो थर्मल सहित अन्य क्षेत्रों में कहीं सड़क जाम तो कहीं दुकानें बंद रही.

बंद का सबसे ज्यादा असर गोमिया चौक पर रहा. यहां सुबह से ही बंद समर्थक तथा समिति के लोग सड़क पर उतरे और वाहनों का आवागमन पर रोक लगा दी. बंद समर्थक गोमिया चौक पर दरी बिछाकर अपनी मांगों को लेकर बैठ गए और नारेबाजी करते रहे. जिस क्रम में बेरमो को जिला दो या जेल दो का नारा भी बुलंद आवाज में लगाई गई. वहीं गोमिया से पेटरवार, फुसरो और हज़ारीबाग जाने वाली मुख्य सड़क पर दर्जनों वाहनों की कतार लग गई. हालांकि मोटरसाइकिल से स्थानीय लोगों का विभिन्न गलियों से आना जाना लगा रहा. जबकि मुख्य चौक पर बाइक सवार लोगों से नोक झोंक भी होती रही.

गोमिया चौक पर स्थानीय पुलिस भी तैनात थी, जो नजर बनाए हुए थी. इसी प्रकार बोकारो थर्मल में मंजूर अंसारी, मुखिया चंद्रदेव घांसी के नेतृत्व में लोग सड़क पर उतरे और दुकानों को बंद करने की अपील की. दिन के पहले हाफ में दुकानें और सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बंद रही. दोपहर को बंद समाप्त हुआ. गोमिया चौक पर समिति के संयोजक संतोष नायक, उप संयोजक कुलदीप प्रजापति, जिप अध्यक्ष सुनीता देवी, प्रमुख प्रमिला चौड़े, जिप सदस्य डॉ सुरेन्द्र राज, मुखिया तारामणि देवी, सपना कुमारी, पंसस धनेश्वरी देवी, सुशीला देवी, विष्णु लाल सिंह, भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष चितरंजन साव, वार्ड सदस्य पूनम देवी, भाजपा नेता गंदौरी राम, मोहन कुमार, रोहित यादव, राजकुमार यादव, समिति के मिथुन चंद्रवंशी, शम्भू लाल सहित अन्य लोग सड़क जाम करने में मुस्तैद रहे. इसी प्रकार कथारा मोड़ पर भी बंद का आंशिक असर दिखा.

बोकारो थर्मल के सेंट्रल मार्केट, स्टेशन मार्केट, हॉस्पिटल गेट मार्केट, लाल चौक और डीवीसी का ट्रांसपोर्टिंग को रोक दिया गया. बंद को मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य शहजादी बानो, गोविंदपुर पंचायत के मुखिया चंद्र देव घांसी, गोविंदपुर ई पंचायत के मुखिया विश्वनाथ महतो, गोविंदपुर एफ पंचायत के मुखिया कविता देवी, पंचायत समिति अमित घांसी, आजसू के बेरमो प्रखंड अध्यक्ष मंजूर आलम एवं जलेश्वर महतो, गोविंदपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि महबूब आलम, विस्थापित नेता नरेश प्रजापति, मिन्हाज आलम, आबिद, चंदू महतो, रंजन कुमार इत्यादि शामिल थे.

ग्रामीण तेज बहाव में बहा, मिला शव

कथारा। गोमिया प्रखंड के सियारी गांव में बुधवार शाम हुई भारी बारिश के बाद तालाब की सफाई कर रहे रामनाथ मुर्मू पानी के तेज बहाव में बह गया था. गुरुवार की सुबह गोमिया के होसिर स्थित बोकारो नदी में उसका शव मिला है. घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई. घटना के संबंध में बताया गया कि गोमिया प्रखंड के सियारी पंचायत अंतर्गत उदा ग्राम निवासी और पूर्व पंसस बाबुदास मांझी के बड़े भाई रामनाथ मुर्मू पुलिया की सफाई कर रहे थे. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बारिश के बाद तालाब का जलस्तर बढ़ गया और पत्थरों से बनी पुलिया धंस गई, जिससे रामनाथ पानी में बह गया. पंचायत मुखिया रामबृक्ष मुर्मू ने घटनास्थल पर पहुंच कर जानकारी ली और उसकी खोजबीन शुरू की. रात होने के कारण कुछ पता नहीं चल सका. घटना की जानकारी रात को ही गोमिया बीडीओ महादेव महतो को भी दी गई. गुरुवार सुबह ग्रामीणों द्वारा फिर से रामनाथ की तलाश किया जाना शुरू किया. खोजबीन के दौरान होसिर स्थित बोकारो नदी के पुल से करीब एक किलोमीटर पश्चिम दिशा में उसका शव मिला. घटना के बाद रामनाथ के परिवार में शोक का माहौल है.

ब्रीफ खबरें

ट्रक-कार की टक्कर में एक ही परिवार के पांच घायल

गांडेय (गिरिडीह)। तारापटांड थाना क्षेत्र के बडकीटांड मोड़ के समीप सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के पांच व्यक्ति घायल हो गए. जानकारी के अनुसार गिरिडीह-धनबाद मुख्य मार्ग के बडकीटांड मोड़ के समीप ट्रक व कार की जोरदार टक्कर हो गयी. हादसे में एक ही परिवार के पांच व्यक्ति दीनदयाल वर्णवाल, उसकी पत्नी, बेटी गुड़िया देवी और दामाद तथा पोता घायल हो गए. जिसमें दीनदयाल के नाती की हालत गंभीर है. जिसका इलाज दुर्गापुर में चल रहा है. सभी परिजन झाझा से कार में सवार होकर गिरिडीह होते हुए आसनसोल जा रहे थे. इस बीच स्पंज लोड ट्रक से जोरदार टक्कर हो गयी. घटना के बाद पंडरी के ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को सदर अस्पताल गिरिडीह भेजा. पुलिस ने ट्रक व कार को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है.

गो तस्करी में बोलेरो जब्त, चालक गिरफ्तार

जमुआ (गिरिडीह)। गुरुवार को अहले सुबह जमुआ पुलिस ने पीछा कर मिर्जागंज से एक बोलेरो वाहन को पकड़ा. बोलेरो (जेएच - 15 बी 8018) में दो गायें लदी हुई थी. पुलिस के मुताबिक बोलेरो में सवार अन्य लोग अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकले. जबकि चालक पकड़ा गया. चालक सफाउल अंसारी ने बताया कि गांडेय थाना क्षेत्र के बांसडीह जेरोम टोला का निवासी है. पुलिस सब इंस्पेक्टर छाया किस्कू, रोहित कुमार सिंह और वेद प्रकाश पांडेय ने उक्त वाहन को जब्त किया. गिरफ्तार चालक ने पुलिस को बताया कि वह तेलोडीह से गायों की चोरी कर बेंगाबाद ले जा रहा था. गिरफ्तार चालक हिस्ट्रीशीटर है, इसके विरुद्ध आदित्यपुर और गांडेय थाना में भी मामला दर्ज है. जमुआ पुलिस अग्रेतर कार्रवाई में जुट गई है.

फरार आरोपी पटना से गिरफ्तार

गोड्डा। गोड्डा नगर थाना में छेड़खानी को लेकर दर्ज किए गए मामले में फरार चल रहे आरोपी को गोड्डा नगर पुलिस ने पटना से गिरफ्तार कर लिया है. बीते मई महीने में पीड़िता द्वारा किए गए शिकायत के बाद आरोपी युवक प्रेम यादव पिता बाल्मिकी यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद फरार हो गया था. आरोपी युवक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी. पुलिस की मिले गुप्त सूचना के बाद प्रेम यादव को एमआईजी सेक्टर सात, हाउसिंग कॉलोनी, कदमकुआं, पटना, बिहार से छापेमारी कर गिरफ्तार कर गोड्डा लाया गया. पूछताछ के बाद युवक को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां न्यायालय के आदेश से अभियुक्त को चौदह दिन के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया.

विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित

डुमरी (गिरिडीह)। डुमरी प्रखंड के खुद्दीसार पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मुरकुंडो में गुरुवार को विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. अध्यक्षता नंदलाल शर्मा एवं संचालक सहदेव यादव ने की. वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक सीताराम रजक एवं शिक्षक भोगता मरांडी एवं प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक विनय चौधरी के सेवानिवृत्त होने पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई. सीताराम रजक लगभग 37 वर्ष तक शिक्षा में अहम योगदान दिए. वक्ताओं ने सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों के कार्य की सराहना की.

'मईयां सम्मान योजना' को लेकर कांग्रेस के प्रखंड प्रभारियों की घोषणा

खास बातें

- तीन दिवसीय शिविर में तैनात रहेंगी टीम
- लाभुकों को आवेदन करने में करेंगे मदद

संवाददाता। गिरिडीह

गिरिडीह जिला कांग्रेस अध्यक्ष धनंजय सिंह ने राज्य सरकार की 'मईया सम्मान योजना' के कार्यान्वयन को लेकर पार्टी के नगर व प्रखंड प्रभारियों की घोषणा की है. योजना के क्रियान्वयन के लिए जिला प्रशासन 3 से 10 अगस्त तक सभी पंचायत भवनों में कैंप लगाएगा. कांग्रेस के सभी पंचायत अध्यक्ष व प्रखंड कमेटी के लोग अपनी टीम के साथ वहां तैनात रहेंगे और लाभुकों को आवेदन करने में मदद करेंगे. इस योजना के तहत 21 से 50 वर्ष तक की महिलाओं को सरकार प्रति माह 1000 रुपए समान राशि देगी. जिलाध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य है कि अर्हता रखने वाली सभी बहनों को गठबंधन सरकार की इस योजना का लाभ मिले.

प्रखंडवार प्रभारियों की सूची

जारी सूची में तीसरी प्रखंड के लिए रघुनंदन सिंह व मोहन सिंह को प्रखंड प्रभारी बनाया गया है. इसी प्रकार गांवा के लिए कपिल देव राय व अवधेश राय, देवरी के लिए सच्चिदानंद सिंह, जमुआ के लिए धोकल दास व राजेंद्र देव, नगर के लिए महमूद अली खान, धनवार के लिए वासुदेव वर्मा, बगोदर के लिए नकुल सिंह व इकबाल अंसारी, बिरनी के लिए श्याम सुंदर साह व प्रमोद चौधरी, बेंगाबाद के लिए राजेश तुरी व बलराम यादव, गांडेय के लिए मोहम्मद शमीम व दीपक पाठक, सरिया के लिए प्रमोद राय, गिरिडीह मुफस्सिल के लिए सुलेमान अख्तर, डुमरी के लिए अशोक विश्वकर्मा व परेशनाथ मित्रा, पीरटांड़ के लिए अमित सिन्हा व समीर राज चौधरी को प्रभारी बनाया गया है.

कांग्रेस नेत्री ने बलेडीह में किया क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारम्भ

संवाददाता। जमुआ (गिरिडीह)

जमुआ के बलेडीह में के. जी. एन. क्रिकेट क्लब के नेतृत्वकर्ता निर्भय कुमार राय ने भव्य क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन करवाया. टूर्नामेंट का उद्घाटन विधिवत तरीके से कांग्रेस नेत्री डॉ मंजू कुमारी ने बल्लेबाजी कर किया एवं क्षेत्र के लोगों को सरकार के द्वारा चलाये जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी.

जिसमें मुख्य रूप से मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना के बारे में सभी क्षेत्र वासियों को योजना से लाभान्वित होने के लिए आग्रह किया. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार से जमुआ विधानसभा में खेल के प्रति लोगों की भावनाओं को देखते हुए स्टेडियम निर्माण की मांग रखेंगी.

इस अवसर पर 20 सूत्री अध्यक्ष जमुआ जुनैद आलम, पूर्व 20 सूत्री अध्यक्ष अंजन सिन्हा, जिला परिषद सदस्य विजय पाण्डेय, शम्भु कुमार उपाध्याय, पंसस प्रतिनिधि पंकज यादव, एवं केजीएन क्लब के सभी पदाधिकारी, सदस्य व हजारों की संख्या में दर्शक उपस्थित थे.

जायजा मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 की समीक्षा

एसएसआर 2024-समयबद्ध कार्यों को पूरा करें ईआरओ : आयुक्त

खास बातें

- आयुक्त ने विभिन्न मतदान केंद्रों का लिया जायजा
- वैध कारण पर ही फार्म को रद्ध करें : किस्पोट्टा

संवाददाता। बोकारो

प्रमंडलीय आयुक्त उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग सुमन कैथरीन किस्पोट्टा बोकारो जिले के दौरे पर रही. उन्होंने बोकारो परिसदन में मतदाता सूची द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसएसआर) 2024 के प्रगति कार्य का जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव, सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक किया. उन्होंने विधानसभावार गोमिया, बोकारो, बेरमो, चंदनकियारी एवं डुमरी (अंश) में पुनरीक्षण कार्यक्रम के द्वारा जोड़े गए नए मतदाताओं, वरिष्ठ मतदाताओं, दिव्यांग मतदाताओं, मृत मतदाताओं के नाम विलोपित करने आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की. प्रमंडलीय आयुक्त उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग ने प्राप्त फार्म 06, फार्म 07 एवं फार्म 08 और निष्पादित फार्मों, रिजेक्टेड फार्मों के संबंध में सभी संबंधित ईआरओ से प्राप्त किया. उन्होंने विधानसभावार रिजेक्शन फार्मों के कारणों की जानकारी ली. कहा कि फार्म रिजेक्शन का सत्यापन अवश्य करें, वैद्य कारण पर ही फार्म को रद्ध करें. वहीं, लंबित फार्मों का निष्पादन सुनवाई करते हुए समाप्त करने का निर्देश दिया.

प्रमंडलीय आयुक्त उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग ने सभी ईआरओ-एईआरओ को अपने-अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों का नियमित भौतिक निरीक्षण का निर्देश दिया.

कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि मतदान केंद्रों की जानकारी किसी को नहीं हो, उन्होंने बूथ लेवल आफिसर के साथ नियमित बैठक करने एवं कार्य प्रगति की समीक्षा का निर्देश दिया. कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर समय निर्धारित है, सभी कार्यों का निष्पादन समयबद्ध होना है, इसे सभी ईआरओ एईआरओ सुनिश्चित करेंगे.

प्रमंडलीय आयुक्त उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग ने कहा कि वर्तमान में समोवेशी सप्ताह चल रहा है. इस पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि आयोग द्वारा निर्धारित समोवेशी सप्ताह के तहत जिले में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है. आज 85 प्लस वरिष्ठ मतदाताओं का निबंधन के लिए अभियान चलाया जा रहा है. इस दौरान मतदाताओं के आयु त्रुटि के सुधार को लेकर भी फार्म 08 की कार्रवाई की जा रही है. कल ट्रांस जेंडरों के नाम मतदाता सूची में निबंधन के लिए अभियान चलाया जाएगा. इस पर प्रमंडलीय आयुक्त उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग ने संतोष जताया.

प्रमंडलीय आयुक्त उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग ने कम वोटिंग वाले मतदान केंद्रों की भी समीक्षा कर संबंधित मतदान केंद्र के मतदाता सूची को दुरूस्त करने, मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने, आगामी 03 एवं 04 अगस्त को आयोजित होने वाले विशेष शिविर, हाउस टू हाउस सर्वे के दौरान स्टीकर चस्पा करने को लेकर समीक्षा करते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिया.

भाजपा विधायक अजय पोद्दार केंद्रीय मंत्री से मिले

सिद्धेश्वरी मंदिर के कार्य का किया ब्योरा साझा

संवाददाता । कुल्टी

भाजपा विधायक डॉ. अजय कुमार पोद्दार ने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कुल्टी विधानसभा के बराकर स्थित प्राचीन सिद्धेश्वरी मंदिर के चारों ओर चल रहे जीर्णोधार कार्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी और इस परियोजना की समग्र प्रगति के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया। विधायक डॉ. पोद्दार ने मंदिर के सामने के दो मंदिरों का जीर्णोधार करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने बराकर बैगुनिया स्थित प्राचीन सिद्धेश्वरी मंदिर के चारों ओर राजस्थानी पत्थर से मंदिर का जीर्णोधार कार्य केंद्रीय मंत्री के सहयोग से पूरा किया है। उन्होंने मंदिर परिसर में स्थित भगवान गणेश और बगुलामुखी के मंदिर के चारों ओर जीर्णोधार के लिए आवेदन किया है।

लाल एकादश डीसरगढ़ ने नियामतपुर एकादश को मात देकर फुटबॉल ट्रॉफी पर कब्जा जमाया

विजेता को 9500 हजार रुपया नकद और उपविजेता टीम को 7500 पुरस्कार दिया

संवाददाता । बराकर

कुल्टी के बराकर डायमंड ग्राउंड में गुरुवार को बराकर महावीर क्लब द्वारा फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इसमें कुल 16 टीमों ने भाग ली। जिसका फाइनल मैच उसी दिन शाम नेअमतौर इलेवन और लाल इलेवन डिसेरगढ़ के बीच खेली गई। फाइनल मैच में लाल 11 डीसरगढ़ ने नियामतपुर 11 को हराकर ट्राफी पर कब्जा जमाया। इसके बाद विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों

को व्यक्तिगत पुरस्कार दिया गया। वही विजेता टीम को ट्राफी के साथ 9500 हजार रुपया नकद और उपविजेता टीम को 7500 हजार रुपया नगद पुरस्कार दिया गया। इस पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि आसनसोल नगर निगम के 58 नंबर वार्ड के पार्षद संजय नोनिया विशेष रूप से उपस्थित थे। उनके साथ विनोद साव, श्रीकांत यादव, क्लब के अध्यक्ष सोनू गुप्ता, सचिन बाबई बाउरी, राहुल बाउरी,सजल, जीत, राजा आदि उपस्थित थे। इस मौके पर पार्षद संजय नोनिया ने कहा कि खेल स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। क्योंकि खेलकूद से शरीर स्वस्थ रहने के साथ-साथ मानसिक विकास भी होता है। महावीर क्लब ने फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन करके एक सराहनीय कार्य किया है। इसके लिए वे धन्यवाद के पात्र हैं। ऐसे आयोजनों से खिलाड़ियों की प्रतिभा लोगों के सामने आती है।

त्रैमासिक बुलेटिन 'समृद्धि' का नवीन अंक विमोचित

संवाददाता । जामुड़िया

ईसीएल के कुनुस्तोड़िया क्षेत्र से प्रकाशित होने वाली त्रैमासिक बुलेटिन 'समृद्धि' के नवीन अंक का विमोचन गुरुवार को क्षेत्रीय कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में किया गया। क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री एस. सी. मित्रा के नेतृत्व में क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक श्री राजेश त्रिवेदी, क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारी डॉ० विश्वजीत बंद्योपाध्याय, क्षेत्रीय वित्त प्रबंधक श्री देबदीप चटर्जी, क्षेत्रीय भू-संपदा अधिकारी श्री सी. सी. तपादार सहित अन्य अधिकारियों ने इसका विमोचन किया।

ब्रीफ खबरें

रानीगंज में फ्रेंड्स क्लब ने किया पौधरोपण

रानीगंज: पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाली संस्था फ्रेंड्स क्लब ऑफ रानीगंज ने सोसटीगोरिया शिशु उद्यान पार्क में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया। संस्था के अध्यक्ष महेंद्र बगड़िया ने कहा कि वर्षा काल के मौसम में व्यापक मात्रा में पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि पिछले 20 वर्षों से भी ज्यादा समय से पर्यावरण के ऊपर निरंतर काम किया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि जायका के संचालक शंभू नाथ झा ने कहा कि वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग का खतरा बढ़ता जा रहा है, ऐसे में फ्रेंड्स क्लब के सदस्य लोगों को निरंतर पर्यावरण के प्रति जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी संस्थाओं को इसी तरह ही पर्यावरण के ऊपर काम करने की जरूरत है। इस अवसर पर संस्था के पूर्व अध्यक्ष अरुण भारतीया, सचिव मुकेश बरनवाल, अमित भूत, शरद जगनानी, राकेश झुनझुनवाला सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

टीएमसी कार्यालय का नवीनीकरण शुरू

जामुड़िया: जामुड़िया विधानसभा के अंतर्गत जामुड़िया बोरों एक के वार्ड संख्या 5 एबी पीट इलाके में स्थित टीएमसी कांग्रेस पार्टी कार्यालय को कई वर्षों के बाद फिर से खोलकर नवीनीकरण कार्य शुरू किया गया है। इस कार्यालय के नवीनीकरण कार्य शुरू होने से इस इलाके के लोगों में खुशी का माहौल है। टीएमसी कांग्रेस के नेता शेख दिलदार ने कहा कि यह पार्टी कार्यालय विगत कई वर्ष पुराना है, लेकिन कुछ वर्षों से बंद पड़ा हुआ था। यहां के पार्टी कार्यकर्ताओं ने हमें अवगत कराया और फिर नये सिरे से इस पार्टी कार्यालय का कार्य शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि यहां पर फिर से तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता बैठेंगे और लोगों की समस्या भी सुनेंगे। उन्होंने कहा कि 2026 के विधानसभा चुनाव में इस इलाके से तृणमूल कांग्रेस की जीत सुनिश्चित होगी।

हजरत कादरी का 13वां उर्स मुबारक मना

जामुड़िया: जामुड़िया बाजार में गुरुवार सुबह हजरत मलंग कादरी के 13वें उर्स मुबारक के मौके पर एक जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में बंगाल, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से बाबा के मुरीद (भक्तगण) शामिल हुए। बाबा के मजार पर सभी वर्ग के लोग अपनी मुरादें लेकर आते हैं और फूल, इत्र और धूप से बाबा का अरदास करते हैं। हर साल उर्स के मौके पर बाबा के मजार पर सुफियाना कव्वाली का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी कव्वाल आसनसोल से मोहम्मद सलीम मौके पर रहेंगे। कांग्रेस नेता विश्वनाथ यादव ने कहा कि बाबा की शख्सियत ऐसी थी कि जो कोई भी उनसे मिलता था, वह उनके मुरीद हो जाते थे।

सौंदर्यीकरण के नाम पर गांजा की खेती

हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान, हटाने का दिया निर्देश

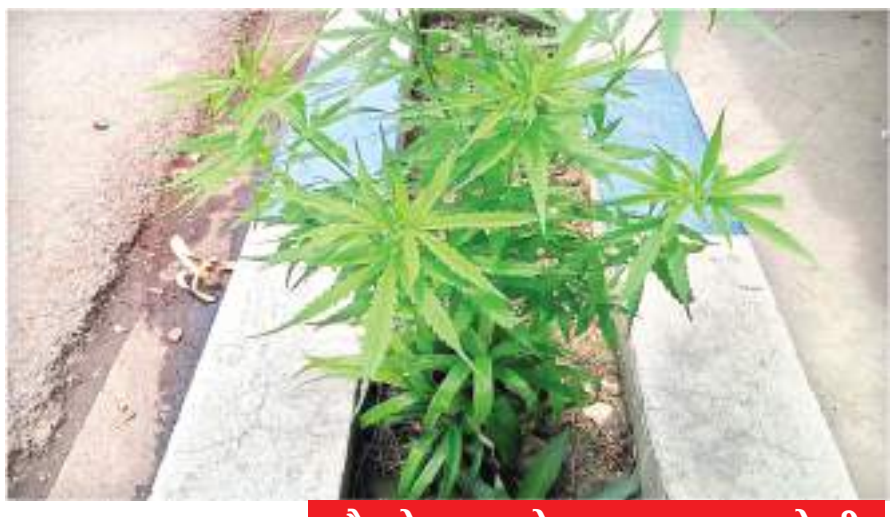

खास बातें

- फरवरी में स्थानीय पार्षद महेश की पहल से सड़क के फुटपाथ पर गमलों का किया था निर्माण

पौधरोपण करने उसका ध्यान रखने की जिम्मेवारी निगम की है : पार्षद महेश

संवाददाता । कोलकाता

कोलकाता की सड़कों पर गांजा की खेती हो रही है, जो सौंदर्यीकरण के नाम पर फुटपाथ पर की जा रही है। यह मामला 42 नंबर वार्ड के बसंत लाल मुरारका रोड का है, जहां फरवरी में कोलकाता नगर निगम ने स्थानीय पार्षद महेश शर्मा की पहल पर सड़क के फुटपाथ पर गमलों का निर्माण किया था। स्थानीय व्यवसायी काशी प्रासद राय ने बताया कि गमलों के निर्माण के बाद निगम के लोग आए और जड़ी बुटी का पेड़ लगाने के नाम पर बीजों को रोप दिया और चलते बने। समय गुजरने के साथ वह बीज पौधे का रूप ले लिया। जैसे ही पौधा बढ़ा, लोगों को पता चल गया कि पौधरोपण के नाम पर खुलेआम गांजा की खेती हो रही है। स्थानीय व्यवसायी तारकेश राय का आरोप है कि यह सब स्थानीय पार्षद महेश शर्मा की शह पर हो रहा है। फुटपाथ को दखल कर सौंदर्यीकरण के नाम पर गमलों को बनाने का स्थानीय लोगों ने विरोध किया था, क्योंकि वहां पर यातायात प्रभावित होता है। मामला हाईकोर्ट के संज्ञान में भी लाया गया है।अदालत ने इसे हटाने का निर्देश दिया है, जिसका पालन निगम की ओर से अभी तक नहीं किया गया है। उल्टे गांजे की खेती हो रही है। स्थानीय व्यवसायी पिंटु साव ने कहा कि इससे साफ पता चलता है कि इस गांजे की फसल का लाभ किसको मिलेगा। उनका ईशारा स्थानीय पार्षद महेश शर्मा की ओर था।इस बाबत पूछने पर पार्षद महेश शर्मा ने कहा कि फुटपाथ पर गमला लगाने, पौधारोपण करने व उसका ध्यान रखने की जिम्मेवारी निगम की है। जो भी सवाल पूछना है निगम से पूछना होगा। मेरी जिम्मेवारी जो है उसका मैं बखुबी पालन करता हूं। कुछ लोग बेवजह उनको बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे वार्ड की जनता अच्छी तरह से जानती है।

कृष्णा की मौत पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

बराकर। कुल्टी थाना क्षेत्र के नियामतपुर फांडी के लच्छीपुर चबका रेड लाइट इलाके में बीते बुधवार को मात्र 200 रुपये की चोरी का आरोप लगाकर कृष्णा गोस्वामी को बुरी तरह मारपीट कर मौत के घाट उतार दिया गया था। इस घटना को लेकर कुल्टी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुकान्त दास ने सवाल उठाए हैं और आंदोलन की चेतावनी दी है। दास ने सोशल मीडिया पर कहा कि लच्छीपुर रेड लाइट इलाका अपराधियों का अड्डा बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी के नेता इस इलाके से वसूली करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि लच्छीपुर इलाके में स्थित चबका और दिशा रेड लाइट इलाके में सत्ताधारी पार्टी के नेताओं के संरक्षण में स्थानीय दलालों और अपराधियों द्वारा बाहर से आए ग्राहकों से लाखों रुपये की छिनतई की जाती है और पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है।

सौमेन बनर्जी को सुरक्षा ने किया सम्मानित

रानीगंज: बल्लभपुर पुलिस फाड़ी के नये प्रभारी सौमेन बनर्जी को सुरक्षा की तरफ से उतरी पहनाकर सम्मानित किया गया। सुरक्षा के अध्यक्ष सरदार दलजीत सिंह वाधवा ने कहा कि सौमेन दा पहले भी जांबाज पुलिस अधिकारी के रूप में काम कर चुके हैं और जनता के साथ उनका काफी स्नेह एवं अपनापन है। उन्होंने कहा कि लॉ इन ऑर्डर की दृष्टि से उनका तजुर्बा काफी अच्छा है और वे सामाजिक कामों में आगे रहते हैं। इस मौके पर पुलिस अधिकारी सौमेन बनर्जी ने कहा कि वे लोगों की सेवा में हमेशा खड़े हैं ।

निजी स्कूलों में गरीब बच्चों को मुफ्त शिक्षा देना जरूरी : रवि

स्कूलों में 25% गरीब तबके के बच्चों को शिक्षा देना अनिवार्य

खास बातें

- राइट टू एजुकेशन के तहत गरीब तबके के लोगों को शिक्षा प्राप्त करने का है अधिकार

संवाददाता । बराकर

युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष रवि यादव ने बराकर में एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने कहा कि कुल्टी विधानसभा क्षेत्र में बड़े-बड़े कल कारखाने और कोलियरियों के बंद होने के बाद लोगों की आमदनी पर गहरा असर पड़ा है और आर्थिक तंगी के कारण गरीब तबके के लोगों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने जिला शासक को एक पत्र लिखा था, जिसमें कहा गया था कि निजी स्कूलों में 25% गरीब तबके के बच्चों को निशुल्क शिक्षा देना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि जिला शासक ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी को पत्र भेजकर निर्देश जारी किया है कि सभी निजी स्कूलों में 25% गरीब तबके के बच्चों को निशुल्क शिक्षा देना होगा। श्री यादव ने कहा कि राइट टू एजुकेशन के तहत गरीब तबके के लोगों को शिक्षा प्राप्त करना उनका अधिकार है, जिसे कोई भी समाप्त नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि यदि कोई बच्चा आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से जुड़ा है और उसकी इच्छा निजी स्कूलों में शिक्षा लेने की है, तो उसका नामांकन कराया जाएगा।

कैथ लेबोरेटरी का उद्घाटन एम्स की तर्ज पर होगा इलाज

रानीगंज : आनंदलोक अस्पताल में कैथ लेबोरेटरी का उद्घाटन ट्रस्टी एवं उद्योगपति महेंद्र शर्मा और संस्थापक डीके श्रॉफ ने किया। इस अवसर पर महेंद्र शर्मा ने बताया कि आनंदलोक अस्पताल को नया स्वरूप दिया जा रहा है, जिसमें एम्स के तर्ज पर मरीजों का इलाज होगा। उन्होंने कहा कि अब मरीजों को बेंगलुरु और साउथ जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि यहां पर काफी कम खर्चे में बेहतर से बेहतर इलाज होगा। इस अवसर पर कार्डियोलॉजी चिकित्सक दिव्येंदु दास, डीआर चंचल महापात्र, बाईपास कार्डियक सर्जन डॉक्टर सुदीप्तो भट्टाचार्य, डॉक्टर साहनी दुलाई, डॉ ए शर्मा, डॉ टी के साह मंच पर विराजमान थे।

खास बातें

- अब मरीजों को बेंगलुरु और साउथ जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी

पंचायत के प्रधान, उपप्रधान के खिलाफ घोटाले का आरोप

पंचायत प्रधान ने शिकायत को निराधार बताया

खास बातें

- हिसाब-किताब में गड़बड़ी का आरोप

संवाददाता । कांकसा।

कांकसा ग्राम पंचायत के प्रधान और उपप्रधान के खिलाफ वित्तीय गबन का आरोप लगाया गया है। भाजपा सदस्यों ने तृणमूल संचालित पंचायत के प्रधान और उपप्रधान के खिलाफ बीडीओ को लिखित शिकायत दी है। पंचायत प्रधान ने शिकायत को निराधार बताया है। हाल ही में साढ़े तीन लाख रुपये खर्च कर कांकसा प्रखंड के कांकसा ग्राम पंचायत कार्यालय का जीर्णोद्धार किया गया था। भाजपा सदस्यों का आरोप है कि निर्माण सहायक अवैध हैं और उन्हें अंधेरे में रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इतना पैसा खर्च नहीं हुआ, लेकिन हिसाब-किताब नहीं की जा रही है। शिकायतकर्ता बीजेपी सदस्य आनंद कुमार ने कहा, ग्राम पंचायत कार्यालय में साढ़े तीन लाख रुपये की लागत से शौचालय के दरवाजे, दो एसी, टाइल्स और एक दरवाजा लगाया गया था। इनमें शौचालय का दरवाजा टूटा हुआ था और एसी काम नहीं कर रहा था। पंचायत प्रधान सुमना साहा ने शिकायत को निराधार बताते हुए कहा, हम बजट से कम पैसे में काम कर रहे हैं।

हम उस काम को सख्ती से कर रहे

रानीगंज : गुरु हरकिशन साहिब जी के प्रकाश पर्व पर सेवा दिवस आयोजन

700 मरीजों में खाने-पीने की सामग्री का वितरण

खास बातें

- निखिल चंद्र दास को स्मृति चिन्ह एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया

संवाददाता । रानीगंज

गुरु गोविंद सिंह स्टडी सर्किल द्वारा आसनसोल के जिला अस्पताल में लगभग 700 मरीजों में खाने-पीने की सामग्री वितरित की गई। यह आयोजन सिख धर्म के आठवें गुरु श्री गुरु हरकिशन साहिब जी के प्रकाश पर्व को समर्पित सेवा दिवस के रूप में किया गया था। सामग्री वितरण से पहले संस्था के समूह सदस्यों द्वारा अकाल पुरख के समक्ष अरदास की गई। आसनसोल जिला अस्पताल के प्रधान निरीक्षक डा. निखिल चंद्र दास को गुरु गोविंद सिंघ स्टडी सर्किल पश्चिम बंगाल के द्वारा स्मृति चिन्ह एवं शाल भेंट करके सम्मानित किया गया। गुरु गोविंद सिंघ स्टडी सर्किल पूर्वी भारत के सचिव सरदार गुरविंदर सिंघ ने बताया कि सिख धर्म में श्री गुरु हरकिशन साहिब जी के प्रकाश पर्व को सेवा दिवस के रूप में इसलिए पालन किया जाता है क्योंकि जब श्री गुरु हरकिशन साहिब जी 7 वर्ष की आयु में दिल्ली पहुंचे उस समय वहां हैजा एवं चेचक रोग फैला हुआ था। गुरु साहिब जी ने अपने हाथों से मरीजों की सेवा की एवं सेवा करते-करते वह खुद रोगग्रस्त हो गए एवं 8 वर्ष की आयु में वह परम ज्योति में विलीन हो गए। इस अवसर पर गुरु गोविंद सिंघ स्टडी सर्किल पश्चिम बंगाल के सह-अध्यक्ष सरदार रमेश सिंघ गंभीर,एवं संस्था के अन्य सदस्य मौजूद थे।

न्यूज अपडेट

जामुड़िया में रक्तदान शिविर का आयोजन

जामुड़िया: जामुड़िया के परिहारपुर स्थित बक्शीमुलिया में कॉमरेड बिकास चौधरी मेमोरियल हॉल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सीपीआईएम जामुड़िया पूर्व एवं पश्चिम एरिया कमेटी की पहल पर दिवंगत जन नेता पूर्व सांसद बिकास चौधरी की याद में आयोजित किया गया था। शिविर का उद्घाटन पूर्व सांसद बंशगोपाल चौधरी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर जामुड़िया सीपीएम नेता कॉमरेड तापस कवि, मनोज दत्ता, पश्चिम बंगाल ब्लड डोनर्स फोरम के अध्यक्ष कवि घोष और अन्य उपस्थित थे। शिविर में 5 महिलाओं समेत कुल 24 लोगों ने रक्तदान किया, जिसे आसनसोल जिला अस्पताल ब्लड बैंक में जमा कराया गया। शिविर में शामिल सभी रक्त दाताओं को एक स्मृति प्रमाण पत्र और एक पौधा भेंट किया गया। पूर्व सांसद बंसगोपाल चौधरी ने कहा कि रक्तदान एक महादान है और इससे कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रत्येक वर्ष में अपने रक्त को दान करना चाहिए।

जरूरतमंदों के बीच सहायता सामग्री का वितरण

जामुड़िया: ईसीएल के कुनुस्तोड़िया कोलियरी के दुर्गा मंदिर परिसर में गुरुवार को शताक्षी महिला मंडल की कुनुस्तोड़िया शाखा द्वारा 22 जरूरतमंदों के बीच सहायक सामग्री का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम सावन के पवित्र महीने को देखते हुए आयोजित किया गया था। शताक्षी महिला मंडल अपनी अध्यक्षा श्रीमती मिलि दत्ता के नेतृत्व में और उपाध्यक्षा श्रीमती आकांक्षा मिश्रा, श्रीमती जीरक आलम व श्रीमती संचिता राय के मार्गदर्शन में अनेक सामाजिक कार्य कर रहा है। इसी क्रम में, इसकी कुनुस्तोड़िया शाखा द्वारा शाखा अध्यक्षा श्रीमती कंचन माला की विशिष्ट उपस्थिति में विभिन्न खाद्य सामग्री और स्वच्छता संबंधी सामग्री वितरित की गई। इसके साथ ही, श्रावण मास को ध्यान में रखते हुए महादेव के पूजन के लिए गमछा और महिलाओं के लिए शृंगार सामग्री भी वितरित की गई। इस अवसर पर शाखा अध्यक्षा श्रीमती कंचन माला ने कहा कि जनसेवा से बड़ा सुकून दूसरा नहीं है और शताक्षी महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती मिलि दत्ता के नेतृत्व में ईसीएल की सभी शाखाएँ निःस्वार्थ भाव से सेवा-कार्यों में संलग्न हैं।

आसनसोल के ऋषभ को यूपी में किया सम्मानित

आसनसोल । आसनसोल के वस्त्र व्यवसायी स्वर्गीय राजेश डोकानिया और श्रीमती रीना देवी डोकानिया के पुत्र ऋषभ डोकानिया ने बेंगलुरु में एक स्टार्टअप व्यवसाय शुरू किया है, जो कि रॉकेटपे के नाम से भारत वर्ष के 10 राज्यों में कार्यरत है। यह स्टार्टअप दुकानदारों के द्वारा विक्रय किए जाने वाले के पश्चात उनके बकाया उधारी की किस्तो की व्यवस्था करती है और जरूरत पड़ने पर फाइनेंसिंग भी करती है। ऋषभ डोकानिया ने बताया कि उनकी कंपनी भारतवर्ष के 10 राज्यों में कार्यरत है, जिसमें तकरीबन 135 कर्मचारी काम करते हैं और 45 हजार वर्तमान में इसके ग्राहक हैं। उन्होंने आशा जताई कि वह जल्द ही पश्चिम बंगाल राज्य में अपने कार्य का विस्तार कर पाएंगे।आगामी 3 अगस्त को लखनऊ के एक पांच सितारा होटल में श्री डोकानिया की कंपनी के द्वारा एक लॉन्चिंग प्रोग्राम में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक मुख्य अतिथि होंगे और इस तरह से उनकी कंपनी को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक सम्मान दिया जाना है। रानीगंज में उनके मामा प्रदीप भालोटीया और संदीप भालोटीया ने बताया कि रानीगंज वासी और भालोटीया परिवार अपने भांजे की इस उपलब्धि पर गर्व महसूस करता है और आने वाले समय के लिए उन्हें शुभकामना देते हैं।

ईसीएल की 49वीं वार्षिक आम बैठक

सांकतोड़िया: ईसीएल की 49वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) गुरुवार, 1 अगस्त को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में सीआईएल के अध्यक्ष पी एम प्रसाद, ईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक समीरन दत्ता, सीआईएल के निदेशक (वित्त) मुकेश अग्रवाल, सभी कार्यकारी निदेशक, स्वतंत्र निदेशकों के साथ कोयला मंत्रालय के निदेशक सहित कंपनी सचिव, सीआईएल और कंपनी सचिव, ईसीएल उपस्थित थे।सीएमडी, ईसीएल ने 2023-24 के लिए कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें पिछले वर्ष की ईसीएल की उपलब्धियों और प्रगति पर प्रकाश डाला गया।

पश्चिम बर्दवान में अवैध बालू का कारोबार जोरों पर

मुख्यमंत्री की चेतावनी के बावजूद धड़ल्ले से चल रहा अवैध कारोबार

खास बातें

- दुर्गापुर के कांकसा में अजय नदी से निकाला जा रहा है बालू

- पहले भी पुलिस और भू-राजस्व विभाग के अधिकारियों ने की थी छापेमारी
- भारी मानसून के दौरान दुर्गापुर महकमा के विभिन्न ब्लॉक में अवैध बालू का कारोबार शुरू

संवाददाता ।दुर्गापुर

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कड़ी चेतावनी के बावजूद, पश्चिम बर्दवान जिले में अवैध बालू का कारोबार लगातार फल-फूल रहा है। दुर्गापुर के कांकसा में अजय नदी से अवैध तरीके से बालू निकाला जा रहा है, जिस पर पुलिस और भू-राजस्व विभाग के अधिकारियों ने किया था छापेमारी। अवैध बालू कारोबारी रास्ते में ही बालू व ट्रैक्टर डंप कर भाग गए। दो ट्रैक्टर जब्त किए गए थे लेकिन इसके बावजूद भी बालू का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। भाजपा विधायक लक्ष्मण घरुई ने कहा कि नाममात्र बालू प्रतिबंध की बात की जा रही है, लेकिन अवैध बालू नहीं रुका है। विधानसभा में लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। उन्होंने कहा कि वे पश्चिम बर्दवान जिले में अवैध बालू कारोबार का मुद्दा उठाएंगे। गौरतलब है कि भारी मानसून के दौरान दुर्गापुर महकमा के अंडाल, पांडवेश्वर, दुर्गापुर-फरीदपुर और कांकसा ब्लॉक में अवैध बालू का कारोबार शुरू हो गया है। प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन इसे रोका नहीं गया है। आसनसोल दक्षिण केंद्र के विधायक अग्निमित्र पॉल पर पहले से ही जून से अक्टूबर तक नदी से बालू निकालने का आरोप लगाया गया है।

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष भाई भाव मे चंद्र है. भाई के सहयोग से और पराक्रम से धन प्राप्ति सुगम होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. प्रसन्नता में वृद्धि होगी. प्रमाद न करें. रोजगार में वृद्धि होगी. मेहनत का फल भरपूर प्राप्त होगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी.

वृषभ धन का आगमन होगा. निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में कुछ प्रतिकूलता रह सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. अतिथियों का आगमन होगा. उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें.

मिथुन दूसरों के झगड़ों में न पड़ें. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी. व्यावसायिक यात्रा पूर्णतः सफल रहेगी. रोजगार में वृद्धि होगी. आय बढ़ेगी. भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है. निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है. प्रसन्नता रहेगी.

कर्क विवाद को बढ़ावा न दें. पुराना रोग उभर सकता है. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. अपरिचित व्यक्तियों पर अतिविश्वास न करें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. उतार-चढ़ाव बना रहेगा.

सिंह धार्मिक यात्रा से लाभ होगा. उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. निवेश शुभ रहेगा. झंझटों में न पड़ें. भाग्य का साथ मिलेगा. प्रमाद से बचें. लाभ में वृद्धि होगी. घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी.

कन्या आर्थिक नीति में परिवर्तन सफल रहेगा, जिसका भविष्य में लाभ मिलेगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है. काम में मन लगेगा. जल्दबाजी से बचें. आय में वृद्धि होगी. भाई-बंधुओं का सहयोग प्राप्त होगा.

तुला तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी. कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे. उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. जोखिम लेने का साहस कर पाएंगे. आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं. उच्चाधिकारी के कोपभाजन बन सकते हैं. सावधान रहें.

वृश्चिक वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां. कुसंगति से हानि होगी. दूसरों से अपेक्षा न करें. जल्दबाजी से बाधा संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. आय-व्यय बराबर रहेगा. अतिविश्वास हानि देगा.

धनु मित्र व संबंधियों के सहयोग से लाभ होगा. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. राजकीय काम बनेंगे. प्रसन्नता रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा मनोरंजक रहेगी. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. प्रसन्नता रहेगी. जोखिम न उठाएं.

मकर बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा लाभदायक रहेगी. नौकरी में सामंजस्य बैठाएं. निवेश शुभ रहेगा. भ्रम की स्थिति बन सकती है. व्यवसाय ठीक चलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. अपनों से बिगाड़ न करें. प्रमाद से बचें.

कुंभ परीक्षा व प्रतियोगिता में लाभ की स्थिति निर्मित होगी. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. नौकरीपेशा विवेक से कार्य करें. लाभ होगा. बड़ों से मार्गदर्शन लें. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सामाजिक कार्य में रुचि बढ़ेगी.

मीन बुरी खबर मिल सकती है. पुराना रोग उभर सकता है. दूसरों से अपेक्षा दुःख का कारण बनेगा. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यवसाय ठीक चलेगा. लाभ होगा. परिवार के किसी सदस्य की चिंता रहेगी.

सबके प्रयास से ही होता है विकास : मंत्री

गढ़वा। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में एक करोड़ 34 लाख रुपए की लागत से तीन उच्च विद्यालयों की चहारदीवारी

का निर्माण किया जाएगा. चहारदीवारी निर्माण किए जाने वाले विद्यालयों में गोवावल उच्च विद्यालय डुमरिया, उच्च विद्यालय पेसका एवं उच्च विद्यालय बाना का नाम शामिल है. इसकी जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि गढ़वा प्रखंड के गोवावल उच्च विद्यालय डुमरिया में 83 लाख 60 हजार रुपए, मेराल प्रखंड के उच्च विद्यालय पेसका में 39 लाख छह हजार रुपए तथा उच्च विद्यालय बाना में 11 लाख 22 हजार रुपए की लागत से चहारदीवारी का निर्माण किया जाएगा मंत्री ने कहा कि झूठ बोलने से नहीं, बल्कि ईमानदारी पूर्वक किए गए प्रयास से ही विकास होता है।

मछली पकड़ने के दौरान वृद्ध की मौत

धुरकी। थाना क्षेत्र के पनघटवा डैम में वृद्ध सीताराम की मौत उनके द्वारा मछली पकड़ने के लिए लगाए गए जाल में खुद फंसने के कारण पानी में डूबने से हो गई. मौके पर स्थानीय पुलिस पहुंचकर मृतक को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गढ़वा भेज दिया. शव को अंत्यपरीक्षण के लिए गढ़वा भेज दिया गया.

हाइवा-बाइक में टक्कर, एक की मौत

हरिहरगंज/पलामू। सुलतानी बस स्टैंड एनएच 139 पर गुरुवार को एक तेज रफ्तार में छतरपुर की ओर से आ रही बाइक की खड़ी हाइवा में जोरदार टक्कर हो गई, जिससे हाइवा का टायर फट गई. वहीं, बाइक सवार की मौत घटनास्थल पर ही मौत हो गई. बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. सुलतानी गांव के ग्रामीणों ने तत्काल कॉल कर एंबुलेंस बुलवायी और इसकी सूचना पुलिस को दी. सूचना मिलते ही हरिहरगंज और पिपरा की पुलिस घटनास्थल पहुंचकर घायल युवक और मृतक को स्थानीय सीएचसी लाया, जहां घायल युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने तत्काल औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया. पीपरा थाना प्रभारी विमल कुमार ने बताया कि मृतक जहानाबाद जिले के देवकुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत रामदुलार बिघा निवासी चंद्रदेव सिंह के करीब 25 वर्षीय पुत्र धर्मेंद्र कुमार का है.

महिला का शव बंद पत्थर माइंस से बरामद

छतरपुर (पलामू)। छतरपुर थाना क्षेत्र के डंड़टुट्टा के गणेश यादव की पत्नी राजमनिया देवी (49 वर्ष) का शव बंद हो चुके डंड़टुट्टा माइंस के पानी भरे गड्ढा से बरामद किया गया. इस घटना के संबंध में बताया गया कि उक्त महिला पिछले तीन दिन से अपने घर से गायब थीं. उनके परिजनों ने उनकी गुमशुदगी को लेकर छतरपुर थाना में आवेदन दिया था. ग्रामीणों ने गड्ढे से शव निकालकर छतरपुर पुलिस को सूचित किया. पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया है और मामले की पड़ताल में जुट गयी है.

सर्पदंश से युवक की मौत

मेदिनीनगर। चैनपुर थाना क्षेत्र के बंदुवा गांव निवासी मनु भुइयां के पुत्र सचिन कुमार (25 वर्ष) को गुरुवार की सुबह सांप ने उसके बिस्तर पर चढ़कर गर्दन में काट लिया. गंभीर अवस्था में उसे एमएमसीएच लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी.

बढ़ रहा डेंगू का खतरा, चिकित्सक ने बताये बचाव के उपाय

अचानक बुखार, सिरदर्द, ठंड लगे तो फौरन कराएं चेकअप : डॉ शुभम शेखर

संवाददाता। रांची

मौसम में बदलाव हो रहा है. इसकी वजह से लोग बीमार पड़ रहे हैं. वहीं बारिश होने की वजह से जगह-जगह जलजमाव हो रहा है. ऐसे में डेंगू का खतरा भी बढ़ गया है. देश के कई अस्पतालों में डेंगू के मरीज भर्ती हैं. झारखंड में भी मरीजों की संख्या बढ़ रही है. कई अस्पतालों में डेंगू वार्ड बनकर तैयार है. तो कहीं-कहीं मरीज उन वार्डों में भर्ती भी हैं. सदर अस्पताल रांची के चिकित्सक डॉ. शुभम शेखर ने बताया

डॉ. शुभम शेखर

कि डेंगू एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है. लेकिन इससे कुछ उपाय अपनाकर बचाव किया जा सकता है. डॉक्टर ने बताया कि डेंगू होने से मरीज का प्लेटलेट्स तेजी से गिरने लगता है. इसलिए समय पर इसकी पहचान करना और इसका इलाज भी जरूरी है. डॉक्टर ने बताया कि डेंगू होने पर शरीर में ये लक्षण दिखाई देने लगते हैं, जिससे बिना देर किए डेंगू का टेस्ट करवा लें. डॉक्टर ने बताया है कि डेंगू का बुखार लगभग 6 से 10 दिनों तक रहता है. इससे शरीर कमजोर हो जाता है. डॉक्टर की मानें तो शुरुआती समय में बुखार होने पर पैरासिटामोल खा सकते हैं. इससे आपको थोड़ी राहत मिलेंगी.

ये हैं डेंगू के लक्षण

- यदि आपको डेंगू बुखार है, तो तुरंत डॉक्टर से बात करें
- अचानक बुखार आना
- सिरदर्द – आंखों में दर्द
- ठंड लगना
- शरीर के कुछ हिस्सों में अचानक सूजन
- मांसपेशियों और जोड़ों में असहनीय दर्द
- थकान (बहुत थका हुआ महसूस करना)
- पेट में दर्द और उल्टी
- शरीर में लाल चकते होना
- .....

डेंगू से बचने के उपाय

- सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें.
- ढंके कपड़े पहने
- मच्छर गंदे और स्थिर पानी में पनपते हैं. आस-पास स्थिर पानी के सभी कंटेनरों की नियमित रूप से चेक करें और उन्हें खाली करें, मच्छर पानी में ही पनपते हैं.
- मच्छर भगाने वाली दवाइयों का इस्तेमाल करें.

वृद्ध सिख महिला को साथ रखने से पुत्रों के इंकार के बाद लिया निर्णय

बुजुर्गों को सम्मान मिलना चाहिए, नहीं तो सीजीपीसी करेगी सामाजिक बहिष्कार

खास बातें

- असहाय महिला को सीजीपीसी ने दिया अस्थायी आश्रय
- ऐसे मामलों की देखरेख के लिए जल्द गठित होगी उप समिति

सुनील पांडेय | जमशेदपुर

मानवता को शर्मसार करने वाले एक मामले में सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने गुरुवार को कड़ा निर्णय लिया. वृद्ध सिख महिला को साथ रखने से इंकार करने पर कमिटी ने महिला के तीनों बेटों का सामाजिक बहिष्कार करने का निर्णय लिया है. साथ ही निकट भविष्य में इस तरह के मामलों की देखरेख के लिए एक उप समिति गठित करने का निर्णय लिया है. शहर की रहने वाली कमलजीत कौर नामक बुजुर्ग सिख महिला को उसके तीनों बेटों ने अपने साथ रखने से इंकार कर दिया. वहीं एक बेटे ने जहां उसे असहाय अवस्था में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से टाटानगर आने वाली ट्रेन में बैठाकर छोड़ दिया, वहीं दूसरे बेटे ने उसे स्टेशन से साकची स्थित लक्ष्मी माता मंदिर में छोड़कर चला गया.

तीन दिनों तक मंदिर में रहने के बाद मंदिर कमेटी ने इसकी जानकारी साकची पुलिस को दी. साकची थाना प्रभारी संजय कुमार मौके पर पहुंचे तथा महिला से पूछताछ की. सिख महिला होने के नाते उन्होंने इसकी जानकारी सीजीपीसी को दी. सूचना के बाद सीजीपीसी प्रधान

भगवान सिंह, सीजीपीसी प्रधान

सरदार शैलेंद्र सिंह

कमलजीत कौर, बुजुर्ग महिला

प्रशासन की मदद से बेटों पर होगी कार्रवाई

सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने बुजुर्ग महिला को तत्काल सहायता के तौर पर उसे महिला छात्रावास में रहने का इंतजाम किया. साथ ही उसके हर सुख-दुख का ख्याल रखने के लिए जिम्मेदारियां बांटी. सीजीपीसी के प्रधान सरदार भगवान सिंह और चेयरपर्सन सरदार शैलेंदर सिंह ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोषी पुत्रों पर जिला प्रशासन की मदद से उन पर कार्रवाई करने ने बात कही है. दोनों ही सिख प्रतिनिधियों का कहना है कि सीजीपीसी जल्द ही इस तरह के मामले देखने के लिए एक उप-कमिटी का गठन भी करेगी.

भगवान सिंह, चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह व अन्य लक्ष्मी मंदिर पहुंचे तथा बुजुर्ग महिला से उसकी ऐसी दशा के संबंध में पूछताछ की.

महिला ने बताया कि उसके तीन पुत्र हैं. बड़ा पुत्र बिट्टू सिंह बिलासपुर में रहता है. दूसरा पुत्र टीटू सिंह मुंबई और तीसरा बेटा विवेक सिंह उर्फ मिंटे जमशेदपुर में रहता है. कुछ दिन पहले बिलासपुर में रहने वाले बेटे ने बुजुर्ग महिला को ट्रेन में बैठाकर टाटानगर भेज दिया. यहां पहुंचने के बाद विवेक सिंह उर्फ मिंटे अपने घर नहीं ले जाकर महिला को साकची ठाकुरबाड़ी रोड स्थित लक्ष्मी मंदिर में छोड़कर चला गया.

तीनों बेटों ने रखने से किया इंकार : सीजीपीसी के पास महिला का मामला आने के बाद प्रधान व चेयरमैन ने महिला के तीनों बेटों से बारी-बारी से बात की. तीनों ने अपनी मां को साथ में रखने से इंकार कर दिया. तीनों बेटों के रिश्तेदारों से भी संपर्क किया गया. लेकिन उन्होंने ने भी कोई सकारात्मक जवाब नहीं दिया. महिला के पुत्रों के इस असंवेदनशील रवैये से मजबूर होकर सेंट्रल गुरुद्वारा कमेटी ने बैठक बुलाकर तीनों पुत्रों का सामाजिक बहिष्कार करने का निर्णय लिया. कहा गया है कि तीनों के साथ समाज के लोग किसी प्रकार का कोई सरोकार नहीं रखेंगे. वहीं उनके रिश्तेदारों से अनुरोध किया गया कि तीनों के किसी भी कार्यक्रमों में शामिल न हों और उन्हें अपने पारिवारिक कार्यक्रमों में आमंत्रण भी नहीं दें. बैठक में विशेष रूप से यह भी तय हुआ कि यदि इस तरह के मामले की शिकायत भविष्य में सीजीपीसी को मिलती है तो भी इसी नियम के तहत दोषी का सामाजिक बहिष्कार किया जायेगा.

मंत्री इरफान अंसारी की मां का निधन

संवाददाता। रांची

झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास कार्य मंत्री इरफान अंसारी की मां मुस्तरी खातून का हार्ट अटैक से निधन हो गया है. सांसद फुरकान अंसारी की पत्नी ने 80 साल की उम्र में अंतिम सांस ली. इरफान अंसारी की मां के निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत समेत अन्य नेताओं ने दुख जताया है. जानकारी के अनुसार, मुस्तरी खातुन की तबियत रात 2:30 बजे अचानक खराब हो गयी थी. इसके बाद आनन-फानन में

परिजन उन्हें अस्पताल ले गये, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी. मुस्तरी खातून शहर के उर्दू कन्या मध्य विद्यालय की प्राध्यापिका रह चुकी थीं.

राहुल गांधी ने शोक व्यक्त किया : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने डॉ इरफान अंसारी की मां के निधन पर शोक व्यक्त किया है. राहुल गांधी ने कहा कि आपकी माता मुस्तरी खातून के निधन के बारे में सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है. मैं किसी प्रियजन को अलविदा कहने के नुकसान की गहरी भावना को समझता हूं. कृपया मेरी हार्दिक संवेदना स्वीकार करें. इस कठिन समय में मेरे विचार और प्रार्थना आपके और आपके परिवार के साथ हैं.

हेमंत सोरेन ने सुहासिनी बेसरा को दी श्रद्धांजलि

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को दुमका पहुंचे. हेमंत सोरेन ने विधायक सह 20 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष स्टीफन मरांडी की धर्मपत्नी सुहासिनी बेसरा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया. सीएम हेमंत सोरेन ने सुहासिनी बेसरा के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. इस दौरान हेमंत सोरेन ने स्टीफन मरांडी और उनके अन्य परिजनों से मुलाकात की और इस दुख की घड़ी में उन्हें सांत्वना दी. इस मौके पर उनके साथ कल्पना सोरेन और उनके छोटे भाई बसंत सोरेन भी मौजूद थे. इसके साथ ही दुमका सांसद नलिन सोरेन ने भी सुहासिनी बेसरा को श्रद्धांजलि दी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि स्टीफन मरांडी की पत्नी सुहासिनी बेसरा का एक अभिभावक के तौर पर हमेशा उन्हें आशीर्वाद मिलता रहा है. उन्होंने कहा कि मैं ईश्वर से कामना करता हूं कि आप इस पवित्र आत्मा को अपने पास स्थान दें. वर्तमान में महेशपुर के विधायक स्टीफन मरांडी की पत्नी सुहासिनी बेसरा का कल दुर्गापुर में इलाज के दौरान निधन हो गया. वह लंबे समय से बीमार चल रही थीं.

सीएम व कल्पना पहुंचे मधुपुर, दी श्रद्धांजलि

मुस्तरी खातून के निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शोक प्रकट किया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व कल्पना सोरेन के साथ मंत्री इरफान अंसारी के मधुपुर स्थित आवास पहुंचकर दिवंगत मुस्तरी खातुन के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी. मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को यह विकट घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है.

मीर समेत कई ने शोक प्रकट किया

मुस्तरी खातून के निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, कृषि मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने मधुपुर में उनके आवास पर उनके पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित की. मरहूम मुस्तरी खातून के निधन पर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम मोहम्मद मीर ने फुरकान अंसारी एवं डॉ. इरफान अंसारी से दूरभाष पर बात कर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की. एआईसीसी सदस्य अविनाश पांडे ने भी पत्र लिखकर अपनी गहरी संवेदना प्रकट की है. संगठन महासचिव अमूल्य नीरज खलखो, मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, रविंद्र सिंह, संजय पांडेय, विनय सिन्हा दीपू, सतीश पॉल मुंजनी, सोनाल शांति, मानस सिन्हा, संजय लाल पासवान, कमल ठाकुर, गजेंद्र सिंह ने भी मृत आत्मा के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की.

पहल सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने पर दे रही है जोर

2.59 लाख सखी मंडलों को बैंक क्रेडिट लिंकेज से जोड़ा

ब्यूरो। रांची

झारखंड सरकार ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में काम कर रही है. इसी कड़ी में पिछले साढ़े चार साल में सखी मंडल का क्रेडिट लिंकेज दस गुणा बढ़ गया है. वर्ष 2013 से 2019 तक एसएचजी को क्रेडिट लिंकेज के तहत 1,114 करोड़ की राशि दी गई, जबकि 2019 के बाद 30 जून 2024 तक 10,111 करोड़ की राशि सखी मंडल की महिलाओं को उनके सशक्तीकरण के लिए दी गई. वहीं 2013 से 2019 तक 2.45 लाख सखी मंडल की संख्या बढ़कर 30 जून 2024 तक 2.88 लाख हो गयी. महिला किसान सशक्तीकरण परियोजना के जरिए राज्य की तीन लाख

बकरी पालन से आत्मनिर्भर हुईं महिलाएं.

महिलाओं को लाह, रेशम, औषधीय पौधों की खेती, ईमली के साथ ही साथ कृषि एवं पशुपालन से जोड़ा गया है. राज्य संपोषित झारखंड माइक्रोड्रिप इरिगेशन परियोजना के तहत करीब 31861 किसानों को टपक सिंचाई तकनीक से जोड़ कर उन्नत खेती की जा रही है. परियोजना के तहत 30 हजार महिला किसानों को जोड़ने का लक्ष्य है.

ग्रामीण महिलाओं को आजीविका मिशन से जोड़ने का क्रम जारी : ग्रामीण महिलाएं और अर्थव्यवस्था सशक्त हो, इसके लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जरिए राज्य के 26 लाख परिवारों को आजीविका के सशक्त माध्यमों से जोड़ा गया है. कृषि, पशुपालन, वनोपज, अंडा उत्पादन, जैविक खेती आधारित आजीविका से ग्रामीण परिवारों को जोड़ा जा रहा है. राज्य संपोषित जोहार परियोजना के तहत 17 जिलों के 68 प्रखंडों के 3816 गांवों में 3900 उत्पादक समूह और 21 उत्पादक कंपनियों का गठन व संचालन हुआ, इसके तहत राज्य के करीब 2.25 लाख परिवारों की आय में बढ़ोतरी हुई.

पेज वन का शेष

एससी/एसटी के क्रीमीलेयर को ...

हालांकि, जस्टिस बेला त्रिवेदी ने इस फैसले से असहमति जताई. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि कोटा के भीतर कोटा गुणवत्ता के विरुद्ध नहीं है. एससी/एसटी वर्ग से आने वाले लोग अक्सर सिस्टम के भेदभाव के कारण प्रगति की सीढ़ी पर आगे नहीं बढ़ पाते. सब कैटेगरी संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत निहित समानता के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करती. हालांकि राज्य अपनी मर्जी या राजनीतिक लाभ के आधार पर सब कैटेगरी तय नहीं कर सकते और उनके फैसले न्यायिक समीक्षा के अधीन होंगे. पीठ 23 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें से मुख्य याचिका पंजाब सरकार ने दायर की है जिसमें पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के 2010 के फैसले को चुनौती दी गयी है.

क्या होता है कोटा के भीतर कोटा : कोटा के भीतर कोटा का मतलब है आरक्षण के पहले से आवंटित प्रतिशत के भीतर एक अलग आरक्षण व्यवस्था लागू करना. यह मुख्य रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है कि आरक्षण का लाभ समाज के सबसे पिछड़े और जरूरतमंद समूहों तक पहुंचे, जो आरक्षण प्रणाली के तहत भी उपेक्षित रह जाते हैं. इसका उद्देश्य आरक्षण के बड़े समूहों के भीतर छोटे, कमजोर वर्गों का अधिकार सुनिश्चित करना है, ताकि वे भी आरक्षण का लाभ उठा सकें. उदाहरण के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के भीतर अलग-अलग समूहों को आरक्षण दिया जा सकता है, ताकि उन समूहों को ज्यादा प्रतिनिधित्व और लाभ मिल सके जो सामाजिक या आर्थिक रूप से ज्यादा वंचित हैं.

सब कैटेगरी रिजर्वेशन के उदाहरण: तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे राज्यों ने एससी, एसटी और ओबीसी श्रेणियों के भीतर विभिन्न उप-श्रेणियों को आरक्षण देने की व्यवस्था की है. तमिलनाडु में पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग, और अति पिछड़ा वर्ग जैसी सब-कैटेगरी में ओबीसी आरक्षण लागू किया गया है. कर्नाटक में एससी के भीतर दो सब कैटेगरी कोडवा और माडिगा को अलग-अलग आरक्षण दिया गया है.

संविधान में क्या प्रावधान है? : संविधान ने एससी और एसटी को विशेष दर्जा देते समय जाति का वर्णन नहीं किया है कि कौन सी जातियां इसमें आएंगी. ये अधिकार केंद्र के पास है. अनुच्छेद 341 के अनुसार, राष्ट्रपति द्वारा अधिसूचित जातियों को एससी और एसटी कहा जाता है. एक राज्य में एससी के रूप में अधिसूचित जाति दूसरे राज्य में एससी नहीं भी हो सकती है.

देश में कितनी अनुसूचित जाति : सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 2018-19 में देश में 1,263 एससी जातियां थीं. अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, अंडमान और निकोबार एवं लक्षद्वीप में कोई समुदाय अनुसूचित जाति के रूप में चिह्नित नहीं है.

देश में आरक्षण को लेकर क्या व्यवस्था है? : अनुसूचित जाति : इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले व्यक्तियों को 15% आरक्षण दिया जाता है.

अनुसूचित जनजाति : इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले व्यक्तियों को 7.5% आरक्षण मिलेगा.

अन्य पिछड़ा वर्ग : इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले व्यक्तियों को 27% आरक्षण दिया जाता है. ओबीसी में क्रीमी लेयर और नॉन-क्रीमी लेयर का भी विभाजन है, जिसमें नॉन-क्रीमी लेयर को आरक्षण का लाभ मिलता है.

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग : सामान्य श्रेणी के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को 10% आरक्षण दिया गया है, जो अन्य आरक्षण के अतिरिक्त है. जनवरी 2019 में संविधान संशोधन बिल लाकर सवर्णों के लिए 10% आरक्षण का प्रावधान किया गया है. यह आरक्षण आर्थिक आधार पर दिया जाता है और सामान्य वर्ग के उन लोगों को ही मिलता है जिनकी सालाना आय 8 लाख रुपए से कम है.

शिक्षा और रोजगार में आरक्षण : केंद्र सरकार की नौकरियां: सरकारी नौकरियों में एससी, एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस श्रेणियों के लिए आरक्षण निर्धारित है. उच्च शिक्षण संस्थानों में भी इन श्रेणियों के लिए आरक्षण दिया जाता है, जिसमें केंद्रीय विवि और आईआईटी, आईआईएम जैसी संस्थान शामिल हैं.

राज्य स्तरीय आरक्षण: तमिलनाडु में 69% आरक्षण लागू है, जिसमें ओबीसी, एमबीसी और एससी/एसटी श्रेणियों के लिए आरक्षण शामिल है.

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण और ओबीसी, एससी, एसटी के लिए भी आरक्षण का प्रावधान है.

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना: यहां भी सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए विशेष आरक्षण दिया गया है.

बजट पर खंभा नोचो अभियान...

फिर मोदी ने तो जिसे भी दिया है, जो कुछ दिया है, खुलेआम दिया है. उन्होंने चोरी-चोरी, चुपके-चुपके कुछ नहीं दिया है. उन्होंने सरकार बचाने के लिए सांसदों की खरीद-फरोख्त नहीं की है, जैसा नरसिंह राव ने और न्यूक्लियर डील पर वोटिंग के समय मनमोहन सिंह ने किया था. नरसिंह राव के समय तो सांसद गिरफ्तार भी हुए थे और उन्हें मिली रकम बरामद भी हुई थी, जबकि मनमोहन सिंह के समय नोटों की गड्डियां सदन में लहराई गयी थीं. अब आप तय करें कि सरकार बचाने का कौन-सा तरीका सही है ?

अब आते हैं इस मूल आरोप पर कि सरकार ने विपक्ष शासित राज्यों को निढाल कर दिया है और बिहार-आंध्र को मालामाल कर दिया है. क्या सचमुच अन्य राज्यों की उपेक्षा हुई है ? यह बजट करीब सवा 48 लाख करोड़ का है और 11 लाख करोड़ से अधिक बुनियादी ढांचे पर खर्च होना है. बिहार और आंध्र को मिली अतिरिक्त राशि का कुल योग 74 हजार करोड़ (59 हजार करोड़ बिहार को और 15 हजार करोड़ आंध्र को) है. शेष धनराशि क्या समुद्र में फेंक दी जाएगी ? अगर राज्यवार बजट आवंटन पर गौर करें तो टॉप टेन में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, बंगाल, राजस्थान, महाराष्ट्र के साथ आंध्र और कर्नाटक भी हैं. गुजरात 11 वें स्थान पर है. यह बजट देश का है सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को उनकी आवश्यकताओं और स्थितियों को देखते हुए कुछ न कुछ दिया गया है. उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, मध्यप्रदेश आदि को तो कांग्रेस के समय भी अधिक आवंटन मिलता रहा है और सच यह भी है कि 1984 के बाद 2014 तक सभी सरकारों को गंठबंधन के सहारे ही चलना पड़ा था. उसी हिसाब से बजट भी बनता था. 2009 में तो मनमोहन सिंह को न केवल द्रमुक की पसंद के सांसदों टीआर बालू और ए राजा को न चाहते हुए भी मंत्री बनाना पड़ा और उन्हें उनके मनमाफिक विभाग भी देना पड़ा. सच यह भी है कि अपने सहयोगियों के कारण वह सरकार कलंकित हुई, मंत्री, सहयोगी जेल गये और भ्रष्टाचार के आरोप में वह सरकार ऐसी फंसी कि 2014 में बुरी तरह हार गयी. क्या मोदी ने ऐसी कोई विवशता दिखाई है ? जहां तक किसी राज्य का नाम नहीं लेने की बात है, वित्त मंत्री ने संसद में चुनौती देते हुए कहा है कि विपक्ष ऐसा कोई भी बजट भाषण बताये जिसमें सभी प्रदेशों का नाम पढ़ा गया हो. इसका जवाब विपक्ष ने नहीं दिया है. यानी यह सब कहने-सुनने और सुनाने की बात है, तथ्य इससे दूर है. बहरहाल ऐसा लगता है कि इस बजट से विपक्ष हैरान है. वह विंदुवार उसकी आलोचना से बच रहा है, लेकिन सरकार पर हमला तो बोलना ही है. इसलिए कहना पड़ता है कि विपक्ष बजट पर सिर्फ खंभा नोचो अभियान चला रहा है. उसकी प्रतिक्रियाओं और भाषणों में इसके सिवा कुछ नहीं दिख रहा है.

नरसिंह इस्पात की जांच में ...

खेतों की सिंचाई के लिए बनाई गई कैनाल से कंपनी पानी की चोरी करती है, तो उसकी जांच कर वास्तविकता जगजाहिर करनी चाहिए. कंपनी के स्थापना काल से लेकर अब तक के प्रदूषण अनापत्ति प्रमाण पत्रों की जांच होनी चाहिए, वन विभाग से मिले क्लीयरेंस की जांच की जानी चाहिए. इसके साथ ही ग्रामीणों से बात कर कंपनी द्वारा की जाने वाली जन सुनवाई के बारे में जानकारी ली जानी चाहिए. ग्राम सभा ने कहा कि यह सार्वजनिक करने की जरूरत है कि कंपनी ने किस-किस तिथि पर जनसुनवाई की है. कंपनी में प्रदूषण का स्तर क्या है. क्या कंपनी से निकलने वाली जहरीले गैस के निस्तारण के लिए उचित व्यवस्था है. अगर ऐसा नहीं है तो अब तक कंपनी का संचालन कैसे हो रहा था. ग्राम सभा का कहना है कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधि के खास व्यक्ति का काम कंपनी में चलता है, जिसके कारण जनप्रतिनिधि का दबाव प्रशासन पर है. कंपनी भी जनप्रतिनिधि की ताकत पर ही बगैर हस्तांतरण के ही सरकारी भूमि का उपयोग कर रही है और उसके खिलाफ कार्रवाई भी नहीं हो रही है.

सरगर्म होती सियासत

झारखंड विधान सभा में पक्ष विपक्ष के टकराव ने झारखंड की राजनीति को सरगर्म कर दिया है. विधान सभा के चुनाव का एजेंडा सेट करने के उद्देश्य से भाजपा इस सत्र का पूरा इस्तेमाल कर रही है. झारखंड में अनेक ज्वलंत सवाल हैं, जिन पर विधान सभा में सार्थक बहस होनी चाहिए और समस्याओं के निदान की दिशा में सामूहिक पहल करनी चाहिए. भारतीय जनता पार्टी जिन सवालों को ले कर हंगामा कर रही है, उनमें कुछ सवाल बेहद संवेदनशील हैं. बेरोज़गारों का मुद्दा भी भाजपा पूरी ताकत से उठा रही है, लाखों संविदा कर्मियों, डाटा ऑपरेटरों और आउटसोर्स के मुद्दों को लेकर भी सरकार से सवाल पूछ रही है. पांच लाख नौकरियों का मामला भी भाजपा के हंगामे का कारण है. भाजपा कह रही है कि वह सरकार से इन सवालों का जवाब चाहती है, गठबंधन सरकार ने जो वायदे किए थे, उनका क्या हुआ? भाजपा यह भी पूछ रही है. विपक्ष के नेता का तर्क है कि गठबंधन सरकार वायदों को पूरा करने में विफल रही है, इसलिए उसे राज्य की जनता से माफी मांगनी चाहिए. इन्हीं सवालों पर हुए हंगामे के बीच विपक्ष के 18 विधायकों को निलंबित कर दिया गया. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि जब से वे जेल से जमानत पर छूट कर आए हैं, भाजपा को ज्यादा ही कांटा चुभ रहा है. तय है आने वाले विधान सभा चुनाव के नजरिए से दोनों ही गठबंधन अपनी रणनीति के अंजाम दे रहे हैं. बेहतर होता कि राज्य के वास्तविक सवालों पर चर्चा होती और राज्य के लोगों को बताया जाता कि पिछले 24 सालों के बाद भी राज्य देश भर में पिछड़े राज्यों की सूची से बाहर क्यों नहीं निकल पाया है. इसके साथ ही केंद्र सरकार पर राज्य के बकाए के भुगतान के लिए भी सामूहिक प्रयास किया जाता, लेकिन राजनीति में हमेशा दूसरों की कमीज को गंदा बताने का प्रचलन गहरा गया है. बेरोजगारी का सवाल जिन आर्थिक नीतियों के दुष्परिणाम है, उसके बारे में भी बहस किए जाने की जरूरत है. पिछले कुछ समय से भाजपा नेता आदिवासी लड़कियों से विवाह कर जमीन हासिल करने का मुद्दा उठा रहे हैं. भाजपा का आरोप हैं कि बांग्लादेश से घुसपैठ करने वालों के कारण यह सवाल अत्यंत गंभीर हो गया है और आदिवासियों की आबादी संतुलन पर भी प्रभाव पड़ा है. सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के मुद्दे उठाने के बजाय आर्थिक सामाजिक सवालों पर ठोस रणनीति बनाने में राजनीतिक शक्ति का इस्तेमाल किया जाता. आदिवासियों के अनुपात में व्यापक गिरावट 1951 से 1991 के बीच हुई. सवाल है क्यों? इसके कारणों की खोज की जानी चाहिए. इस सवाल पर अनेक आदिवासी बौद्धिकों ने कई अध्ययन रिपोर्ट जारी किए हैं. इन रिपोर्टों पर विमर्श की जरूरत है. कुछ संवेदनशील सामाजिक सवालों को सियासी उठापटक से परे किये जाने की जरूरत है. देश के अन्य राज्यों की तरह झारखंड भी इस समय बेरोजगारी की मार झेल रहा है. पक्ष-विपक्ष दोनों को मिल कर इस समस्या का हल निकालना चाहिए.

> सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के मुद्दे उठाने के बजाय आर्थिक सामाजिक सवालों पर ठोस रणनीति बनाने में राजनीतिक शक्ति का इस्तेमाल किया जाता. आदिवासियों के अनुपात में व्यापक गिरावट 1951 से 1991 के बीच हुई.

सुभाषित

गर्वाय परपीडाय दुर्जनस्य धनं बलम्।
सज्जनस्य दानाय रक्षणाय च ते सदा॥

इस नीति के पद में दुर्जनों और सज्जनों के बीच के अंतर को स्पष्ट किया गया है. नीतिकार कहते हैं कि दुर्जन (दुष्ट) का धन और बल गर्व (घमण्ड) के लिए होता है तथा दूसरों को पीड़ा पहुचाने वाला होता है, लेकिन सज्जनों का धन आऔर बल दान एवं (निर्बलों की) रक्षा करने वाला ही होता है.

ओलंपिक : वैश्विक उत्सव का सफर

बॉक्सिंग रिंग में उसे अक्सर आदमियों से लड़ना होता, क्योंकि दुनिया में गिनती की महिला बॉक्सर थीं. इन टक्करों में अक्सर वायोलेटा को जीत मिलती थी. वायोलेटा और उसके सनसनीखेज़ जीवन पर फिर कभी! इधर दुनिया भर की महिला खिलाड़ियों के अधिकारों की पैरवी करने वाले संगठन मजबूत हो रहे थे और बूढ़े हो रहे द'कूबेर्तां की पकड़ कमजोर पड़ रही थी. महिलाओं के लिए अलग से ओलंपिक्स तक आयोजित होने लगे थे. ओलंपिक्स का असल आकर्षण दौड़ में होता है.

1896 के साल ओलंपिक्स की आधिकारिक शुरुआत करने वाला फ्रेंच शिक्षाशास्त्री और इतिहासकार पीयर द'कूबेर्तां इन खेलों में महिलाओं की हिस्सेदारी के ज़रा भी पक्ष में नहीं था. मूल परिकल्पना यह थी कि दुनिया भर में गोरी चमड़ी वाले उच्चकुलीन युवाओं के लिए एक खेल-महोत्सव आयोजित हो. जिन पुरातन ग्रीक महोत्सवों से प्रेरित होकर द'कूबेर्तां ने ओलंपिक्स का खाका बनाया था, उनमें से ज़्यादातर में स्त्रियों का भाग लेना वर्जित था. इसी तर्ज़ पर द'कूबेर्तां चाहता था कि इन खेलों के माध्यम से उनके देश फ्रांस की मिलिटरी सेवा के लिए युवा अफसरों को तैयार किया जा सके, जो आगे जाकर देश की सत्ता और तिजारत को सम्हालने का काम करें. तो पहले ओलंपिक्स में एक भी महिला खिलाड़ी को भाग लेने का मौक़ा न मिला. द'कूबेर्तां की इस नीति का विरोध हुआ तो अगले ओलंपिक्स में महिलाओं को गोल्फ और टेनिस खेलने का मौक़ा दिया गया. 1904 के पेरिस ओलंपिक्स में कुल 22 औरतों ने हिस्सेदारी की, जिनमें से अधिकतर अमीर घरों की सोशलाईट महिलाएं थीं. अगले दो खेलों में औरतों को तीरंदाजी, स्केटिंग और जिम्नास्टिक्स को शामिल किया गया. इसके बावजूद महिलाएं इन खेलों में साज-सज्जा के सामान से अधिक नहीं समझी जाती थीं. पीयर द'कूबेर्तां किसी भी कीमत पर महिलाओं को मुख्य खेलों का हिस्सा बनाने का हिमायती न था. इस काम में उसकी मदद अमेरिका में रहने वाला उसका दोस्त और एक प्रभावशाली खेल-प्रशासक जेम्स सुलीवान भी करता था, जिसने बहुत चालाकी से कई मर्तबा महिलाओं की प्रतिस्पर्धाओं को एक्जीबीशन श्रेणी में रखने में कामयाबी पाई. 1912 के साल 'रिव्यू ओलंपिक' नाम की आधिकारिक पत्रिका में पीयर द'कूबेर्तां का एक लेख छपा जिसमें उसने साफ़ लिखा था कि शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण खेलों में भाग लेने वाली औरतें अपने स्त्रियोचित सौंदर्य और कोमलता को तबाह कर लेती हैं. यानी उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए. महिलाओं के तीरंदाजी में भाग लेने का विरोध करने वाले पीयर द'कूबेर्तां का मानना था कि ऐसा होने से एक ऐसा महान खेल भ्रष्ट हो जाएगा सदियों से जिस पर यूरोप के कुलीन अमीरों का एकाधिकार था. 1914 में सुलीवान मरा तो पीयर द'कूबेर्तां अकेला पड़ने लगा. तब तक महिलाएं स्वीडन में हुए 1912 ओलंपिक्स में तैराकी में हिस्सा ले चुकी थीं. 1917 में फ्रांस की नेशनल एथलेटिक्स चम्पियनशिप के दौरान द'कूबेर्तां को जीवन का सबसे बड़ा सदमा लगा जब उनके देश की एक बेहद जुझारू महिला एथलीट वायोलेटा मॉरिस ने शॉटपट में अच्छा प्रदर्शन करने की नीयत से अपनी सर्जरी के माध्यम से अपनी छातियाँ निकलवा ली थीं. वायोलेटा मॉरिस न केवल शॉटपट फेंकती थी, वह तैराकी, फुटबॉल, बॉक्सिंग, साइकिलिंग, घुड़सवारी, टेनिस, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती जैसे तमाम खेलों में महारत रखती थी. बॉक्सिंग रिंग में उसे अक्सर आदमियों से लड़ना होता क्योंकि दुनिया में गिनती की महिला बॉक्सर थीं. इन टक्करों में अक्सर वायोलेटा को जीत मिलती थी. वायोलेटा और उसके सनसनीखेज़ जीवन पर फिर कभी ! इधर दुनिया भर की महिला खिलाड़ियों के अधिकारों की पैरवी करने वाले संगठन मजबूत हो रहे थे और बूढ़े हो रहे द'कूबेर्तां की पकड़ कमजोर पड़ रही थी. महिलाओं के लिए अलग से ओलंपिक्स तक आयोजित होने लगे थे. ओलंपिक्स का असल आकर्षण दौड़ में होता है, लेकिन महिलाओं को उनमें हिस्सा लेने के लिए 1928 तक का इंतज़ार करना पड़ा, जब उनके लिए पहली बार 100 मीटर और 800 मीटर की प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गईं. हर ओलंपिक में हर जगह पहुंचने वाला 'फादर ऑफ़ ओलंपिक गेम्स' द'कूबेर्तां इन दौड़ों को देखने नहीं गया. 800 मीटर की प्रतियोगिता ख़त्म होने के बाद दुनिया भर के अखबारों में गलत रिपोर्टिंग की गई कि इतनी 'लम्बी' रेस के बाद ज्यादातर महिलाएं बेतरह बीमार और पीली पड़ गई थीं. सच यह था कि सभी नौ खिलाड़ियों ने अपनी रेस पूरी की थी और वैसा कुछ नहीं हुआ था. एक बार फिर से द'कूबेर्तां के सिद्धांत को जितवा दिया गया कि औरतें दौड़ों के लिए नहीं बनी हैं. ओलंपिक्स की सूची में से महिलाओं की 100 मीटर दौड़ को छोड़ सारी बाकी रेस हटा दी गईं. कहा गया कि इससे अधिक भागने पर महिला की मौत भी हो सकती है.

1948 में उन्हें 200 मीटर दौड़ने की इजाज़त मिली. 400 और 800 मीटर की दौड़ों तक पहुंचने में तीन-चार ओलंपिक्स और लगे. आप यकीन करेंगे 1972 तक ओलंपिक कमेटी यकीन करती थी कि औरतें 800 मीटर से अधिक भाग सकने में सक्षम नहीं होतीं. उस साल के म्यूनिख ओलंपिक्स में पहली बार उन्होंने 1500 मीटर की रेस दौड़ी, जिसमें सोवियत रूस की लुडमिला ब्रागीना ने सोने का तमगा हासिल किया. यह तब था जब बॉबी गिब और कैथरीन स्वाईटजर जैसी जांबाज़ औरतें दस बरस से मैराथन दौड़ रही थीं और आदमियों को पछाड़ रही थीं. पुरुषों की मैराथन 1896 में शुरू हो गई थी. अठ्ठासी बरस बाद यह दौड़ महिलाओं के लिए 1984 में खोली गई. जिस औरत को पीयर द'कूबेर्तां 100 मीटर दौड़ने के काबिल नहीं समझता था, उसने बयालीस किलोमीटर की दौड़ में कीर्तिमान बनाने शुरू किये. मैराथन से भी लम्बी दूरी की दौड़ों में आज महिलाएं खूब हिस्सा लेती हैं. अमेरिका की कामिल हेरन के नाम ऐसे-ऐसे रेकॉर्ड्स हैं कि आप हैरान रह जाएंगे. उसने पौने ग्यारह घंटे लगातार भागकर 100 मील की रेस में वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाया है. 24 घंटे, 48 घंटे और छः दिन वाली अलग-अलग दौड़ों के भी सारे रेकॉर्ड उसी के नाम हैं. इस साल मार्च में उसने 900 किलोमीटर से ज्यादा दौड़ने का कारनामा अंजाम दिया है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• देश-काल

अशोक पांडे

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

काम और क्रोध

उपदेशों में लोगों को क्रोध खुद पर हावी न होने की सीख दी जाती है, न कि क्रोध न करने की. क्रोध का तो यह लक्षण ही है कि वह करते ही या आते ही हावी हो जाता है. क्रोध और काम की एक समान तुलना पूरी तरह से असंगत है. क्रोध हर दशा में बुरा परिणाम देने वाला है जबकि काम का परिणाम सभी दशा से बुरा नहीं है. स्वस्थ काम का पैमाना है, दो पक्षों में परस्पर अनुमति और आगे सहमति. यदि एक पुरुष के लिए वह सामान्य है, वहीं स्त्री के लिए अति तो वह स्वस्थ काम नहीं है, वह सहमति भी नहीं है अर्थात वह सामान्य है ही नहीं. इसके विकार होने से सहमत हूं. स्वस्थ और सामान्य को ही विकार नहीं माना जाता. दोनों पक्ष की अनुमति ही पैमाना है. किंतु क्रोध में क्रोध करने वाले या क्रोध से प्रभावित होने वाले दोनों पक्षों की अनुमति या सहमति से क्रोध होता भी नहीं. काम के प्रति जनसामान्य में सहानुभूति वाला वाक्य किसी भी दृष्टि से एक तरफा नहीं है. भले हमारे पास फिजिकल स्त्री नजर नहीं है, सभी दृष्टि से देखा परखा तो जा ही सकता है. यदि आपको लगता है कि यह कथन पुरुषवादी दिमाग है तो क्या स्त्री नजर में विपरीत सोच होगी? क्या इस वाक्यांश को उलट कर देखा जाय? क्या यह कहूं कि पुरूष की नजर में सामान्य काम के प्रति सहानूभूति और विकृत स्वरूप के काम से वितृष्णा है. जबकि स्त्री की नजर में विकृत स्वरूप से सहानुभूति और सामान्य काम से वितृष्णा है? नहीं!! यह तो सरासर गलत होगा. परिणाम और दोनों प्रभावित पक्षों की स्वीकार्यता ही अति के साथ साथ उचित अनुचित का पैमाना है. भले शोषण के बहाने.. महान परम्परा है.यह न गर्व है न अहंकार.... हां इसी विचारधारा के कई लोगों को इसमें अतिशयोक्ति दिखाई देती है और इसमें आए "हिंदू" शब्द पर लाल घेरा करने का मानस बनाए हुए है. लेकिन यह मेरा सटीक और सही अभिप्राय है. यह अविवादित है कि अहिंसा भारत की ही परम्परा है. और हिंसा के प्रति यहां किसी तरह का आदर नहीं है. अच्छाई बुराई के अस्तित्व की तरह, यहाँ हिंसा विद्यमान हो सकती है लेकिन उसे न पहले कभी सम्मान मिला था न अब मिल सकता है. इसी परिपेक्ष्य में मेरा यह कथन था. मैं तो मानता हूं धर्म से सदाचारों की सीख लीजिए, लाभ उठाइए और यकिन मानिए धर्म उसी क्षण आपको अपने बंधनों से मुक्त कर देगा.

अमेरिका से संबंधों की बदलती हकीकत

• देशांतर

जी. पार्थसारथी

वाशिंगटन में नाटो संगठन के मुल्क रूस-यूक्रेन युद्ध पर विचार करने के लिए बैठक करने में लगे थे, लेकिन उस दौरान राष्ट्रपति पुतिन के आमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी की हालिया रूस यात्रा पर पश्चिमी जगत की भौंहें तन गईं. पिछली रूस यात्राओं की तरह मोदी की यह फेरी भी अनेकानेक मुद्दों पर सफल रही. इनमें सबसे महत्वपूर्ण रहा ऊर्जा और रक्षा सहयोग क्षेत्र में हुआ समझौता. यह ऐसे वक्त पर भी आया जब अमेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन ने भारत के मानवाधिकारों को लेकर अपनी रिपोर्ट प्रकाशित की. इस अजीब रिपोर्ट में भारत को वह देश बताया गया, जहां मानवाधिकार हनन होना रोजाना का काम है. इसमें जोर देकर कहा गया कि मणिपुर पूरी तरह प्रभावित है, वहां दुराचार, सशस्त्र टकराव एवं हमले हो रहे हैं, घरों और पूजा स्थलों को तोड़ा जा रहा है, काम-धंधे ठप्प पड़े हैं. बाइडेन प्रशासन की रिपोर्ट आगे कहती है कि भारत के सिविल सोसायटी कार्यकर्ता और पत्रकार भी इन हालात की तस्दीक करते हैं. इस किस्म का घटनाक्रम किसी भी लोकतंत्र में अचानक घट सकता है, जब लोगों का एक वर्ग हथियार उठा ले. भारत में इस किस्म की घटनाओं की खबरें कोई नई नहीं हैं. लगभग 140 करोड़ लोगों वाले देश में मीडिया रिपोर्टिंग करने के लिए स्वतंत्र है. मणिपुर की बढ़ती हिंसा की प्रतिक्रिया में उम्मीद के अनुसार मोदी सरकार ने सुरक्षा बलों की तैनाती की है ताकि कर्फ्यू लगाकर स्थिति संभाली जाए. सर्वोच्च न्यायालय ने भी मणिपुर के कुछ घटनाक्रमों में दखल देकर शांति स्थापना के लिए प्रभावशाली उपाय करने को कहा है. मणिपुर, जो कि चीन की सीमा के पास स्थित है, में हिंसा मोटे तौर पर थम चुकी है. संसद में इस मुद्दे पर तीखी नोक-झोंक भी हो चुकी है, जिसमें विपक्ष ने मणिपुर को लेकर सरकार की नीतियों की आलोचना की है. इस प्रकार के मुद्दे देश के संविधान के ढांचे के भीतर रहकर सुलझाए जा सकते हैं, जिसमें विपक्ष की सक्रिय भागीदारी और सर्वोच्च न्यायालय से गाहे-बगाहे मिलने वाले निर्देश शामिल होते हों. लेकिन भारत को लेकर ब्लिंकन रिपोर्ट एकतरफा, अयथार्थवादी और राजनयिक सरोकारों से परे प्रतीत होती है. इसको केवल एक गैर-जरूरी प्रयास कहा जा सकता है, जिसके परिणाम में भारत-अमेरिकी रिश्तों में कटुता पैदा हो सकती है. भारत में हालिया अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम को लेकर जो मुख्य प्रश्न पैदा हुआ है वह यह कि अगर कमला हैरिस जीततती हैं, तब क्या उनकी सरकार अपने पथप्रदर्शक जो बाइडेन द्वारा हालिया दिनों में अपनाई भ्रमपूर्ण और भारत के प्रति कम मित्रता रखने वाली राह अपनाएगी या फिर वे सामरिक संबंध बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाना चाहेंगी. अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जल्द होने जा रहे हैं. उम्मीद करें कि भारत-अमेरिका रिश्तों में नई शुरुआत होगी. रोचक कि द वॉल स्ट्रीट जर्नल लिखता है, 'कमला हैरिस की उम्मीदवारी बनने से डेमोक्रेट्स नई ऊर्जा के साथ उनके साथ आन खड़े हुए हैं. अब अमेरिका में वह राजनीतिक दौड़ होने जा रही है, जिसका परिणाम कांटे का रहने की उम्मीद है. राष्ट्रपति पद के चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को टक्कर देने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की तैयारी और आत्मविश्वास अब दिखाई देने लगा है.' प्रशासन की मुख्य रुचि और ध्यान मुख्यतः रूस-यूक्रेन टकराव पर केंद्रित रहने वाला है, जहां बाइडेन के नेतृत्व वाला पश्चिमी जगत यूक्रेन को हथियार, गोला-बारूद, अस्त्र-शस्त्र जमकर और निरंतर दे रहा है. एक जर्मन संस्थान के अनुसार, अमेरिका और यूरोपियन यूनियन राष्ट्रपति चुनाव से पहले के इन कुछ महीनों में अमेरिकी द्वारा 2022 से यूक्रेन को जो सैन्य, वित्तीय और मानवीय सहायता दी जा चुकी है या आगे मिलेगी वह राशि 380 बिलियन डॉलर बनती है. यूक्रेन युद्ध का असर समूचे यूरोप को महसूस हो रहा है. यहां तक कि अज़रबेजान ने भी सूडान के माध्यम से यूक्रेन को बम पहुंचाए हैं. पाकिस्तान ने यह समझकर कि कहीं वह पीछे न रह जाए, यूक्रेन को आत्मघाती ड्रोन, चल-हवाई हमला रोधी प्रणाली और जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलें मुहैया करवाई हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> मणिपुर की बढ़ती हिंसा की प्रतिक्रिया में उम्मीद के अनुसार मोदी सरकार ने सुरक्षा बलों की तैनाती की है, ताकि कर्फ्यू लगाकर स्थिति संभाली जाए. सर्वोच्च न्यायालय ने भी मणिपुर के कुछ घटनाक्रमों में दखल देकर शांति स्थापना के लिए प्रभावशाली उपाय करने को कहा है. मणिपुर, जो कि चीन की सीमा के पास स्थित है, में हिंसा मोटे तौर पर थम चुकी है.

त्रासदियों के चक्रव्यूह में फंसे युवा

• विमर्श

कुमार अंजनी

जिस दिन दिल्ली के राजेंद्र नगर में स्थित आईएएस बनने की कोचिंग कराने वाले राऊ कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में स्थित कथित लाइब्रेरी में फंसकर तीन छात्रों के मरने की खबर आ रही थी, उसी दिन पेरिस में शुरू हुए ओलम्पिक में मनु भाकर द्वारा कांस्य पदक जीत लेने की खबर आ रही थी. देश के प्रधानमंत्री मोदी पदक जीत कर ओलंपिक में भारत की ओर से अच्छी शुरुआत के लिए मनु को बधाई दे रहे थे. जबकि दिल्ली में केजरीवाल सरकार के मंत्री, आप पार्टी के नेता और केंद्र की नुमाईंदगी करने वाले गवर्नर और भाजपा के नेता बेसमेंट में मारे गये छात्रों की जिम्मेवारी एक दूसरे पर डाल रहे थे. मारे गये छात्रों के मां और पिता के आंसुओं में छलकता उनका दुख दिल्ली में रोजगार और अच्छी शिक्षा की तलाश में कोचिंग में तैयारी कर रहे युवाओं की हताशा में घुल गया था. हजारों छात्र सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे थे. वे चीख रहे थे और न्याय की मांग कर रहे थे. वे दोषियों की सजा की मांग कर रहे थे. इन युवाओं को कोई सुनने वाला नहीं था. उन्हें ढंग का आश्वासन तक नहीं मिला. कुछ बयान और कुछ गिरफ्तारियां और बुलडोजर न्याय का वादा के सिवा इन युवाओं के हिस्से कुछ नहीं आया. कल शाम को अंततः युवा और छात्र दिल्ली के इंडिया गेट पर शांतिपूर्ण कैंडल मार्च करते राजनीति और शहर के शोर में गुम हो गये. अच्छी शिक्षण संस्थानों में भर्ती से लेकर नौकरियों के लिए तैयारी कराने वाली कोचिंग संस्थानों का विज्ञापन पिछले 20 सालों में अखबार के अंदर के पन्नों से बाहर निकलकर मुख्य पेज का हिस्सा बन गया. इंडियन एक्सप्रेस से लेकर द हिंदू तक जैसे प्रतिष्ठित अखबारों के प्रथम पृष्ठ अमूमन इन्हीं कोचिंग के विज्ञापनों के साथ आते हैं. इन कोचिंग संस्थानों को चलाने वाले और इसमें पढ़ाने वाले कई शिक्षक समाज के प्रतिष्ठित और लोकप्रिय व्यक्तित्वों में बदल गये हैं. इन छात्रों को लगातार मोटिवेट करने, उन्हें प्रतियोगी बने रहने और हार नहीं मानने के लिए प्रेरित करने वाले 'नये शिक्षकों' की भी लोकप्रियता और प्रतिष्ठा किसी भी फिल्मकार से कम नहीं है. इसी साल के जून में ईपीडब्ल्यू पत्रिका में सर्वे के आधार पर छपे लेख 'रेग्युलेटिंग द कोचिंग इंडस्ट्री इन इंडिया' में कोचिंग के बाजार का मूल्य 58,000 करोड़ रूपये बताया गया है. और, अनुमान के अनुसार 2028 तक यह 1.3 लाख करोड़ रूपये का हो जाने का अनुमान है. यह मूल्य और अनुमान 2022 में लगाया गया था. इसी लेख में केवल बेहतर शिक्षण संस्थानों में जाने के लिए 2023 में जेईई मेन्स, नीट और सीएलएटी में अनुमानतः क्रमशः 11 लाख, 20 लाख और 60,000 उम्मीदवारों ने हिस्सेदारी की थी. 2024 में नीट उम्मीदवारों की संख्या 24 लाख पार कर गई थी. गोरखपुर, उत्तर-प्रदेश जैसे छोटे से नगर में नीट जैसी परीक्षा की तैयारी के लिए युवाओं से 50 हजार से लेकर 1.50 लाख तक प्रति उम्मीदवार वसूला जाता है. ये संस्थान बकायदा अपनी कोचिंग के नाम-चिह्न वाले ड्रेस तक उपलब्ध कराते हैं, जिससे उनकी एक अलग पहचान बने. दिल्ली में आईएएस के लिए फाउंडेशन कोर्स से लेकर मुख्य परीक्षा की तैयारी, यहां तक की साक्षात्कार की तैयारी के दौरान 50 हजार से लेकर 2.5 लाख रूपये प्रति उम्मीदवार वसूला जाता है. निश्चित ही, कोचिंग के मामले में कोटा, राजस्थान सबसे ऊपर है. यह प्रतिवर्ष छात्र-युवाओं की मौत की दर भी काफी ऊंची है.कोचिंग संस्थान और उससे जुड़ी अन्य गतिविधियां मसलन, रिहाईश, भोजन, अध्ययन सामग्री आदि एक विशाल अर्थव्यवस्था और शिक्षण की दमघोंटू व्यवस्था का निर्माण करती है. 'प्रतियोगिता' छात्र-युवाओं को जितना अकेला बनाती है, उनके अपने परिवारों की आर्थिक स्थिति उन्हें और भी मानसिक दबाव में ले जाती है. कोचिंग सेंटर में भयावह स्थिति होने के बावजूद ये छात्र-युवा इन हालातों से लड़ने की बजाय उन्हें इसे नजरअंदाज करने की ओर ले जाते हैं. वहीं दूसरी ओर, कोचिंग सेंटर कमाई को अधिकतम बनाने के लिए उम्मीदवारों की अधिकतम भर्ती लेते हैं और सुरक्षा और सुविधा पर होने वाले खर्च को कम से कमतर करने की कोशिश में रहते हैं. ये कोचिंग सेंटर एक ऐसी 'फैक्टरी' में बदल जाते हैं, जिससे वे अधिकतम वसूली से अपना मुनाफा बढ़ा सकें.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> कल शाम को अंततः युवा और छात्र दिल्ली के इंडिया गेट पर शांतिपूर्ण कैंडल मार्च करते राजनीति और शहर के शोर में गुम हो गये. अच्छी शिक्षण संस्थानों में भर्ती से लेकर नौकरियों के लिए तैयारी कराने वाली कोचिंग संस्थानों का विज्ञापन पिछले 20 सालों में अखबार के अंदर के पन्नों से बाहर निकलकर मुख्य पेज का हिस्सा बन गया.

मीडिया में अन्यत्र

अप्राकृतिक आपदा से हुआ वायनाड भूस्खलन

जलवायु परिवर्तन अप्रत्याशित मौसम को बढ़ावा दे सकता है. इसके चलते ऐसी बड़ी प्राकृतिक आपदाएं आ सकती हैं, जो स्थानीय लोगों को सकते में डाल सकती हैं. बीते 30 जुलाई को केरल के वायनाड जिले में हुआ विनाशकारी भूस्खलन जरूरी नहीं कि इसी किस्म की आपदा की श्रेणी में हो. केरल के कुछ हिस्से दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान भारी बारिश का कहर झेल रहे हैं और भूस्खलन सालाना होने वाला एक मामला है, लेकिन घातक भूस्खलन की घटनाएं नई हैं. इस हफ्ते, भारी बारिश की वजह से हुए कई भूस्खलनों में 200 लोगों की मौत हो गई और कुछ गांव बर्बाद हो गए. यह इलाका एक पर्यटन स्थल है और राजस्व की संभावनाओं को अधिकतम करने के लिए यहां बुनियादी ढांचे के विकास को प्रोत्साहित किया जा रहा है. यहां चलियार नदी लगभग दो किलोमीटर की ऊंचाई से निकलती है और वेल्लारमाला की ओर एक सीधे रास्ते में बहती है, जिससे तेज रफ्तार से पानी आता है, जो अपेक्षाकृत ज्यादा मात्रा में तलछट को नीचे की ओर ले जाता है. इस साल की बारिश ने इस नदी में पानी की मात्रा एवं उसके वेग को और बढ़ा दिया, जिससे मलबा बहकर अपेक्षाकृत कम खड़ी ढलान वाली जमीन पर बसे उन गांवों में जमा हो गया, जहां से कई लोगों की मौत की सूचना मिली है, लेकिन यह त्रासदी इस तथ्य से और भी जटिल हो गई है कि 2020 में यहां भारी बारिश की वजह से चलियार ने अपने ऊपरी इलाकों के पौधों के आवरण को नष्ट कर दिया, जिससे ज्यादा मात्रा में चट्टानें और खाद-मिट्टी (ह्यूमस) विनाश की चपेट में आ गए. भूस्खलन की आशंका वाले इडुक्की, कोट्टायम, मलप्पुरम और वायनाड इलाके की भौगोलिक विशिष्टताएं सालों से स्पष्ट हैं. ये इलाके भूस्खलन के जोखिम से संबंधित मानचित्रों में भी प्रमुखता से नजर आते हैं. लिहाजा भूस्खलन की घातक पुनरावृत्ति के लिए जलवायु परिवर्तन और उस राज्य को दोषी ठहराया जाना चाहिए, जिसे बार-बार सतर्क किया गया है. बार-बार सामने आने वाली एक समस्या अग्रिम चेतावनी और आपातकालीन तैयारियों की घोर कमी की नतीजा है. पारिस्थितिकी (इकोलॉजी) के लिहाज से नाजुक क्षेत्रों में भूस्खलन ज्यादा आम है. मानसून के दौरान कम समय में तेज़ बारिश हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप कुछ किस्म की मिट्टी को उत्खनन के दौरान उखाड़ना आसान हो गया है. रैखिक बुनियादी ढांचे के विकास, निर्माण गतिविधियों और एकल फसल वाली खेती (मोनोक्रॉपिंग) ने बदलती प्राकृतिक परिस्थितियों से निपटने की पारिस्थितिक तंत्र (इकोसिस्टम) की क्षमता को कमजोर किया है.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

अचकन/ उचकन

मेरे बाबा अचकन पहन कर समधियाना जाते थे, लेकिन अब कोई अचकन नहीं पहनता. इसलिए कि अचकन इतिहास के पन्नों में समा चुकी है. इस तरह की बात हो तो लोगों में इस आशय की जिज्ञासा का उठना स्वाभाविक है कि आखिर यह अचकन होती क्या है? जिज्ञासा का कारण यह भी है कि आज कहीं भी अचकन दिखायी नहीं पड़ती और न ही उसकी कहीं चर्चा होती है, लेकिन अचकन हिंदी शब्दकोशों में तो अभी भी स्थापित है ही. उदाहरण के लिए वर्धा हिंदी शब्दकोश में संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में विराजमान है. मतलब यह है कि अचकन पुराने जमाने में पहनी जानेवाली अंगरखे की तरह लंबी मर्दानी पोशाक है. पुराने जमाने में धोती के साथ अचकन पहनी जाती थी और सिर पर पगड़ी बांध ली जाती थी, जो उस व्यक्ति के व्यक्तित्व भव्यता प्रदान करती थी. धीरे-धीरे अचकन के स्थान पर शेरवानी, कुर्ता, कमीज मजबूती से कायम होती चली गयी. इससे मिलता जुलता एक शब्द है उचकन. हिंदी शब्द सागर के अनुसार हिंदी संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है ईंट, पत्थर आदि का वह टुकड़ा, जिसे नीचे देकर किसी चीज को ऊंची करते हैं. जैसे चूल्हे पर चढ़े हुए बरतन के पेंदे के नीचे दिया खपड़ैल अथवा खाते समय थाली को एक ओर ऊंचा करने के लिए पेंदी के नीचे रखी हुई लकड़ी. लोकभाषा में इसे उचकुन भी कहा जाता है. यही ऊंचा करने का भाव जब क्रिया का रूप लेता है तो उचकना बन जाता है. इसका मतलब है ऊंचा होने के लिए पैर के पंजों के बल एंड़ी उठाकर खड़ा होना, कोई वस्तु लेने या देखने के लिए शरीर को उठाना और सिर ऊंचा करना. जैसे दीवार की आड़ से क्या उचक-उचक कर देख रहे हो. वह लड़का टोकरे में से आम निकालने के लिए उचक रहा है. उचकना का मतलब उछलना, कूदना, उछल लेना, लपक कर छीन लेना, उठाकर चल देना भी होता है.

नामुमकिनवादियों की नजर में मुमकिन

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

बहुत कठिन है यह तय कर पाना कि क्या मुमकिन है और क्या नामुमकिन. एक व्यक्ति के लिए जो संभव होता है, वही किसी अन्य व्यक्ति के लिए असंभव हो जाता है. मोटे रूप से यह कहा जा सकता है कि किसी बात का मुमकिन या नामुमकिन होना बहुत कुछ देश, काल, परिस्थिति और व्यक्ति पर निर्भर होता है. ऐसे तमाम लोग हैं जो नामुमकिन को मुमकिन बना देते हैं. लेकिन ऐसे लोगों की कमी भी नहीं है जो पहले से ही नामुमकिन कहकर, बल्कि कहना चाहिए, नामुमकिन होने का बहाना बनाकर, काम शुरू ही नहीं करते. आराम बड़ी चीज़ है. जहां तक हो सके काम से कन्नी काटिए. हो भी रहा हो तो काम को नामुमकिन करार कर दीजिए. मौज कीजिए. बेशक कुछ बातें अपने आप में नामुमकिन होती हैं. लेकिन यह शायद पूरा सच नहीं है. वस्तुत; उन्हें संभव बना पाने के लिए शायद हम दृढ़ता से लगे नहीं रह पाते. एक बुद्धिमान व्यक्ति और मूर्ख में बड़ा फर्क यही है कि बुद्धिमान व्यक्ति केवल उन्हीं चीजों को प्राप्त करने की कोशिश करता है, जिन्हें प्राप्त करना वह संभव समझता है. लेकिन मूर्ख व्यक्ति उस नामुमकिन को प्राप्त करने के लिए दौड़ लगाता है, जहां जाने से कोई भी बुद्धिमान डर के मारे कांपता है. असल में तो नामुमकिन कुछ भी नहीं होता. बस रास्ता भर तलाश करने की ज़रूरत है. नामुमकिन को, निश्चित तौर पर, मुमकिन बनाया जा सकता है. यदि आपमें पर्याप्त संकल्प और इच्छा-शक्ति है तो आप निश्चित ही सही रास्ता तलाश ही लेंगे. किसी भी कार्य को पहले से ही 'असंभव' बता देना उसे करने की कोशिश ही न करने का एक बहाना-भर है. दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं. क्रिया रूप में कुछ लोग 'अकर्मक' होते हैं, कुछ कर्मक (पढ़ें, कर्मठ). दुनिया की सारी परेशानियां इन कर्मठ लोगों की वजह से ही हैं. कुछ न कुछ सही-गलत करते ही रहते हैं और बस, पता-भर लगाते रहते हैं कि क्या मुमकिन और क्या नामुमकिन है. ये लोग, मुमकिन तो मुमकिन, जो नामुमकिन है, उसे भी मुमकिन बनाने की दिशा में लोगों को उकसाते रहते हैं. इसे हम यों भी समझ सकते हैं. पहले वाले वर्ग में वे लोग आते हैं जो 'पलायनवादी' हैं. उन्हें आप 'नामुकिनवादी' भी कह सकते हैं. नामुमकिन बता कर वे अपने निर्धारित काम से पलायन कर जाते है. इसके विपरीत 'मुमकिन-वादी' पलायन नही करते. लड़ने की कूबत रखते हैं. मुमकिन – नामुमकिन का सनातन द्वैत है. चलता ही रहता है. अन्य विरोधी पक्षों की तरह इनके बीच समन्वय की गुंजाइश कम ही होती है. "थीसिस-एंटीथीसिस –सिंथेसिस" का सूत्र यहां काम नहीं करता. या तो "मुमकिन' होता है, या फिर 'नामुमकिन". समझौता असंभव है. मुमकिन नामुमकिन नहीं होता और नामुमकिन मुमकिन नहीं होता. वजूद दोनों का फिर भी कायम रहता है.

मोटिवेशन

आत्महत्या? कभी नहीं

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल लगभग 8 लाख लोग आत्महत्या करते हैं. आत्महत्या मृत्यु का दसवां प्रमुख कारण है. भारत में आत्महत्या की घटनाएं चिंताजनक रूप से बढ़ रही हैं. नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के अनुसार, 2020 में भारत में आत्महत्या की दर प्रति लाख लगभग 11.3 थी. आत्महत्या के मामलों में पुरुषों का प्रतिशत लगभग 68% है, जबकि महिलाओं का प्रतिशत लगभग 32% है. यह सोचने का विषय है कि पुरुष महिलाओं की तुलना में ज्यादा आत्महत्याएं क्यों करते हैं. आइए, आत्महत्या से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार करते हैं -

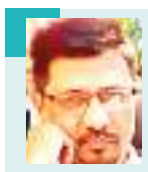

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

- **पुरुष और महिलाओं की मानसिकता अलग**

दोनों एक ही कारण से आत्महत्या नहीं करते. पति ने नई साड़ी खरीदकर नहीं दी, गहने नहीं दिए, घुमाने नहीं ले गया तो पत्नी ने फांसी लगा ली. ब्वाय फ्रेंड से लड़ाई के बाद लड़की ने दस मंजिला बिल्डिंग से छलांग लगा कर आत्महत्या कर ली. ऐसी खबरें हम अक्सर पढ़ते हैं. महिलाएं ज्यादातर समय क्षणिक आवेश में आकर आत्महत्याएं कर लेती हैं. पुरुष काफी समय से आत्महत्या की प्लानिंग करते रहते हैं, उनके दिमाग में यह काफी समय से चलता रहता है. जब उन्हें लगता है कि इस समस्या का कोई उपाय नहीं है, तब वे यह एक्सट्रीम कदम उठाते हैं. जब उन्हें लगता है कि वे अपना कर्ज नहीं चुका पाएंगें, वे अपने वैवाहिक जीवन के उत्पीड़न से बाहर नहीं आ पाएंगे, उनकी समस्या का कोई निदान नहीं है, तो वे आत्महत्या जैसा भयावह कदम उठा लेते हैं.

- **पुरुष अधिक आत्महत्या क्यों करते हैं!**

यह देखा गया है कि इंट्रोवर्ट लोग ज्यादा आत्महत्या करते हैं. महिलाएं रोकर, चिल्लाकर अपने अंदर की भड़ास निकाल लेती हैं. आपने देखा होगा कि विवाहित महिलाएं नियमित रूप से अपनी मां या बहन से फोन पर बात करती हैं. अब तो फेसबुक और दूसरे सोशल प्लेटफार्म पर भी अपना दुखड़ा रो लेती हैं, डांट-डपट कर लेती हैं, यहां तक कि अपने हसबेंड और ससुराल वालों की खबर ले लेती हैं. इस तरह वे अपनी समस्याएं शेयर कर लाइट हो लेती हैं. बचपन से 'मर्द रोया नहीं करते है' की ट्रेनिंग के कारण पुरुष रो नहीं पाते और न अपनी समस्याएं साझा कर पाते. अंदर ही अंदर कुढ़ते गुस्से, हताशा और लाचारी के दलदल में डूबते चले जाते हैं. यही जब हद से ऊपर चला जाता है तो आत्महत्या जैसा खतरनाक कदम उठा लेते हैं.

- **सफल लोग आत्महत्या क्यों कर लेते हैं?**

इसका जवाब इस उदाहरण से समझते हैं. सुनील (काल्पिनिक नाम) का बिजनेस बड़ा अच्छा चल रहा था. ऑनलाइन बिजनेस के आने के बाद उसका बिजनेस मंदा होना शुरू हुआ और धीरे-धीरे कमाई लगभग शून्य पर चली गई. एक-दो बार उसने घर में सभी को समझाने की कोशिश की, कि वे अपना खर्च कम करें. लेकिन उसकी पत्नी, उसके बच्चों ने इसपर थोड़ा भी ध्यान नहीं दिया. अपने खर्च में कोई कटौती करने की जगह, डिमांड बढ़ाते जा रहे थे. और तो और, डिमांड पूरी न होने पर, वे उसे उलाहना भी देने लगें. सुनील हताशा के दलदल में डूबता चला गया और अंत में एक ट्रेन के नीचे आकर उसने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली. जिन्हें हम सफल समझते हैं, वे भी पारिवारिक कलह, लंबी बीमारी, डिप्रेशन, एंग्जायटी, बायपोलर डिसऑर्डर जैसी मानसिक बीमारियों से गुजरते रहते हैं और उन्हें कोई समझने वाला नहीं होता. बेवकूफ होते हैं वे पेरेंट्स जो अपने बच्चों को अपनी जिद और सनक से आत्महत्या की राह चुनने के लिए मजबूर कर देते हैं.

- **मायने रखता है पारिवारिक सहयोग**

आत्महत्या से निकलने के वैसे तो कई उपाय हैं जैसे मानसिक समस्याओं को पहचानना, पेशेवर चिकित्सिक की सलाह लेना, दवाइयों का सेवन करना, सही शैक्षणिक और करियर चयन में मार्गदर्शन प्रदान करना वगैरह. लेकिन इन सबसे ज्यादा जरूरी है परिवार के सदस्यों का सहयोग. परिवार के सदस्यों को उसकी मानसिक स्थिति समझनी चाहिए. उसे कोसना नहीं चाहिए, और अपने सकारात्मक बात-व्यवहार से उसे बाहर निकालने की कोशिश करनी चाहिए. हर व्यक्ति को अपनी समस्याएं किसी न किसी से शेयर अवश्य करनी चाहिए. सभी को कोई न कोई सृजनात्मक या हेल्दी शौक जरूर रखना चाहिए जैसे - पेंटिंग, गार्डेनिंग, फोटोग्राफी, लेखन, नृत्य-संगीत, नाटक-अभिनय, सफाई, डिजाइनिंग.... और हां, आवेश में आकर कभी कोई कदम नहीं उठाना चाहिए. मिर्जा गालिब का यह शेर याद रखें - अब तो घबराकर कहते हैं कि मर जायेंगेमर के भी चैन न पाया तो किधर जायेंगे.

मूल मंत्र चार्ली चैपलिन ने बहुत अच्छी बात कही है - कुछ भी परमानेंट नहीं है - न हमारी सफलता, न हमारी परेशानियां. रात के बाद दिन जरूर आता है. अंधेरे के बाद रोशनी का आना अनिवार्य है. उसी तरह हमारी ज़िन्दगी से परेशानियां जरूर हटेंगी. प्रयास करना हमारे हाथ मे है, वह हमें करते रहना चाहिए.

गुल्लक और बच्चों का साथ बेहद पुराना है. शायद पैसों से हमारा पहला नाता गुल्लक के साथ ही शुरू होता है. हम सबके बचपन की यादें गुल्लक से जुड़ीं हैं. आज मिट्टी के ही नहीं, बल्कि कई तरह के फैंसी गुल्लक बाजार में मौजूद हैं. पर आज जैसा बाजार का तेवर है, उसमें गुल्लक सा मासूम साधन बच्चों को वित्तीय परिवेश को समझाने के लिए नाकाफी है. सहजता से उपलब्ध लोन, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, ईएमआई और बाजार के चकाचौंध में बच्चों को वित्तीय संरक्षण देना वक्त की जरुरत है. यह काम न तो स्कूल कर सकता, न कोई कोर्स और न ही गुरु. इसके लिए सजग होना होगा पैरेंट्स को. आइए, कुछ खास बातों पर चर्चा करें जो हमारे नौनिहालों को मनी मैनेजमेंट के तरीके समझाने में मदगार हो....

बच्चों को सिखाएं पैसों का प्रबंधन

पैसों का जोड़ घटाव

बच्चा यदि चार-पांच साल का है तो साथ दुकान जाने पर चॉकलेट, खिलौने या पंसद की दूसरी चीजें खरीदने के लिए साथ ले जाएं और उसे दुकान वाले को भुगतान करने के लिए पैसा दें. ताकि समझे की इच्छा पूरा करने के लिए पैसे देने पड़ते हैं. छह सात साल के बच्चों के पाठ्यक्रम में मनी शामिल होता है जिसमें पैसों का जोड़ घटाव सिखाया जाता. आप घर में उसे पैसे गिनने को दें. पैसों के जरिए ही बच्चों को जोड़ घटाव सिखाएं. उसके खेल में पैसों को शामिल करें. मनी गेम्स खेलें. थोड़ा और बड़ा हो तो उसे अपने और दूसरे देशों की करेंसी के बारे में जानकारी दें. इससे पैसों के मामलों में उसकी रूचि न केवल जगेगी, बल्कि परिपक्व होगी.

पॉकेट मनी दें

कुछ पैरेंट्स बच्चों को कभी पॉकेट मनी नहीं देते. पर जानकार कहते हैं कि उनमें पैसों की समझ बढ़ाने के लिए पॉकेट मनी देनी जरूरी है. इससे पैसों की परख, बचत, बजट, निवेश, योजना आदि की जानकारी हो पाती है. पर पॉकेट मनी मामले में तय सीमा को सहजता से पार नहीं करें. जैसे अगर आप उसे हर हफ्ते सौ रूपए पॉकेट मनी देते हैं. दोस्त को देख कर उसे डेढ़ सौ रुपए का खिलौना लेने की इच्छा हुई तो यह नहीं कि आप झट से उस हफ्ते डेढ़ सौ रुपए उसे सौंप दें. उसे कहें कि अपनी पॉकेट मनी से सेविंग कर इसे खरीदो. इससे पैसे की अहमियत वह समझ पाएगा.

वित्तीय स्वतंत्रता की आदत डालें

पसंद की चीजों के लिए अगर बच्चा गुल्लक में पैसे जमा कर रहा है तो उसे खर्च करने की आजादी भी जरुर दें. संभव है उसका एक दो खर्च आपको बेतूका लगे. पर याद रखें कि गलत और सही का फैसला कई बार अनुभव सिखा देता. अगर किसी खास चीज के लिए बच्चा जमा कर रहा है और अंत में उसके पैसे घट रहे हैं तो पैरेंट्स जरुरत को ध्यान में रखते हुए आर्थिक सहयोग कर सकते हैं.

समझाएं शौक और जरूरत का फर्क

बच्चों को बताएं कि जरूरत पर खर्च जरूर करनी चाहिए, पर शौक के लिए इंतजार किया जा सकता या उसे टाला जा सकता. उसे आसपास के परिवेश से उदाहरण देकर बताएं कि दिन भर मेहनत करने के बाद यह मजदूर खा रहा है, वह उसी जरूरत है, इसके लिए दिन भर की कमाई भी खर्च की जानी चाहिए. पर रेस्त्रां में जाकर खाना हमारा शौक है. इसे भी पूरा किया जा सकता, पर अपनी कमाई का सही हिसाब कर. थोड़े बड़े बच्चों को पार्ट टाइम कमाई का भी अनुभव करने दें. इससे पैसों का महत्व बेहतर समझ सकेगा.

बचत खातों की जानकारी

आजकल नन्हीं सी उम्र से बच्चे एटीएम के बारे में जान जाते हैं. तीन साल के बच्चे के सामने भी आप कहें कि पैसे खत्म हैं तो वे झट से कह देंगे कि एटीएम से निकाल लो. पर एटीएम में पैसे कहां से आते हैं, इसकी जानकारी भी दें. कभी खाते में पैसे जमा कराने जाए तो बच्चों को ले जाएं. पासबुक दिखा कर भी जानकारी दे सकते हैं कि कैसे थोड़ा थोड़ा पैसा जमा कर आपने ये पैसे एकत्र किए हैं. इन पैसों से किन खास जरूरतों का पूरा होना है. कई बैंकों में किड्स एकाउंट भी खोले जाते हैं, तो कुछ स्कूलों में इन खातों से फीस भुगतान भी किया जाता है. संभव हो तो बच्चों के लिए ऐसे खाते खोलें. छोटी छोटी रकम जमा करने की कुछ स्कीम पोस्ट ऑफिस में भी होती है. बच्चों का इनमें इंस्ट्रेस्ट जगाएं कि कैसे पॉकेट मनी या समय समय पर अपनों से मिलने वाली राशि का निवेश इनमें कर किसी बड़े लक्ष्य को पाया जा सकता.

लोन, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, ईएमआई-

जहां देखों, इसके लुभावने विज्ञापन और ऑफर परोसे रहते हैं. सबकुछ खुशनुमा सा दिखाते. बच्चों को बताएं कि बैंक या किसी संस्था से अगर हम पैसे लेते हैं, तो कैसे उससे अधिक चुकाने होते हैं. कर्ज में फंसे कुछ लोगों की कहानियां भी सुना सकते, डराने के लिए नहीं, बल्कि

सजग बनाने के लिए. अगर बच्चे अपनी पढ़ाई के लिए कंप्यूटर, प्रिंटर जैसी चीज की डिमांड कर रहे तो इसके बारे में प्रैक्टिकल जानकारी भी दे सकते. जैसे उसे कहें कि तुम पता लगाओ मार्केट में इसका क्या दाम है. ईएमआई या क्रेडिट कार्ड से लेने पर इसकी कीमत कितनी पड़ेगी. इससे उसकी व्यवहारिक समझ बढ़ेगी.

महंगाई की समझ

आज सबसे अधिक मार हमपर महंगाई की ही पड़ती है. बच्चों को महंगाई की समझ दें. उसे अपने साथ शॉपिंग के लिए ले जाएं. सामान की खरीदारी के साथ बताएं कि महंगाई के कारण इसके लिए उन्हें अधिक का भुगतान करना पड़ा. महंगाई आपकी सेविंग को खा जाती है. उसे आमदनी और महंगाई का रेशियो भी अपनी आमदनी के जरिए ही सहज बातचीत के दौरान बताएं. टीनएजर बच्चों को महंगाई का अनुमान लगाना सिखाएं. इससे पैसे और बचत की अहमियत वह समझ सकेगा.

बने रोल मॉडल

आज के बच्चों को उपदेश देकर कुछ नहीं सिखाया जा सकता. बच्चों को पैसों की अहमियत सिखाना चाहते हैं, तो खुद पैसों को लेकर अनुशासित बनें. मासिक आमदनी हो या वार्षिक, योजना बना कर और संभावित खर्चों का आकलन करके ही गृहस्थी चलाएं. कुछ लक्ष्य जरुर निर्धारित होंगे. अगर बच्चा थोड़ी समझदार उम्र का है तो उसके घर की आमदनी, बचत, खर्चे और भविष्य में पूरे किए जाने वाले आर्थिक लक्ष्य की जानकारी जरूर दें. उसे बचत और निवेश के बारे में फर्क बताएं.

नन्हीं सी उम्र से यदि बच्चों को इस तरह की व्यवहारिक जानकारी रहेगी तो कभी भी वह चादर से आगे अपने पांव नहीं फैलाएगा. बाजार के चकाचौंध और जाल में फंस कर नुकसान करने की गलती नहीं करेगा, वहीं कमाने-बचाने की अहमियत भी समझेगा. पर अभिभावकों को पूरी प्रक्रिया में धैर्य रखने की दरकार है. यह अपेक्षा नहीं करें कि एक बार खातों या बजट के बारे में आपने बता दिया तो वह इसमें मास्टर ही हो जाएगा. खास बात यह भी जाने की कुछ चीजें केवल और केवल अनुभव ही सिखाती हैं. इस लिए बच्चों से पैसों के मामले में यदि कोई चूक होती है तो उन्हें अहसास कराएं कि आप उनके साथ हैं. इस गलती से सीख कर वे आगे की राह बेहतर बना सकते.

नाहिं रहना देस बेगाना : न्यूयॉर्क का प्रवास (भाग तीन)

स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी- इम्पल्स ऑफ ह्यूमन हार्ट

डॉ मयंक मुरारी

मानव में दिल है और समाज में क्या है? समाज का भी हृदय है! संवेदना का स्पंदन ही हियूमन हार्ट की पहचान है. इस स्पंदन को सुनने के लिए आपको एलिसा आइलैंड और स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी को महसूस करना होगा. एलिसा आइलैंड में शाश्वत स्वर है, और यह स्वर स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से अनवरत मुखरित होता है. एक आधुनिक सभ्यता के प्रथम चरण की शुरूआत इसी आइलैंड पर भारत की खोज करते हुए एक यूरोपीय नाविक कोलंबस ने किया था. उस काल के पदचाप को यहां संग्रहित किया गया है, जिसमें यूरोपियों के साथ संघर्ष, संकल्प और सफलता की गाथाएं हैं. यहां आकर अमेरिकी सभ्यता के शुरूआत दौर के द्वंद्व, साहस और जीत की प्रतिध्वनि को महसूस किया जा सकता है. कोई देश महान कैसे बनता है? इसको समझना है तो एलिसा आइलैंड की यात्रा करनी होगी. भारतीय को यहां सीखने के लिए बहुत कुछ है. हम अपनी विरासत को कैसे संरक्षित करें, उसे गौरव और गर्व की अनुभूति करे. यहां इसका शाश्वत पाठ है.

यहीं कारण है कि आज भी न्यूयॉर्क में घूमने के लिहाज से स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी सबसे अहम जगह है. अनजाने ही सही हरेक व्यक्ति उन दुख और दर्द में खुद को खोजता है. हरेक व्यक्ति के जीवन की एक ही गाथा है. सुख, सफलता और शिखर की खोज. इसके लिए लोग अपने परिवार, समाज और देश की सीमा को सहज भूल जाते हैं. जब आप एलिसा आइलैंड में सैकड़ों साल पहले यूरोपीय के हाथ से लिखे आव्रजन के नियमों पर हस्ताक्षर को देखेंगे, तो हमसभी को अपने जीवन के संघर्ष याद आयेंगे. आखिर हम सबकी सुख ही तो एकमेव खोज है. जीवन भर इसके लिए दुख उठाते हैं. जिसने अमेरिका में सुख की खोज के लिए दुख

उठाए. उन्होंने ही इस देश की महानता की नींव रखे. इसलिए जब भी एलिसा आइलैंड जाए, तो वहां की चीजों-मसलन भवन, कागज, शब्द और हस्ताक्षर के साथ मशीन में अपने अतीत को खोजने का प्रयास करें. देश की सीमाएं होती हैं, लेकिन सभ्यताएं सीमाहीन होती है, जो हमें आमंत्रित और आरोहण का अवसर देता है.

स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी ऊपरी न्यूयॉर्क खाड़ी में स्थित है, जो स्वतंत्रता का एक सार्वभौमिक प्रतीक है. मूल रूप से फ्रांस और अमेरिका के लोगों के बीच दोस्ती के प्रतीक और स्वतंत्रता के लिए उनकी पारस्परिक इच्छा के संकेत के रूप में कल्पना की गई थी. यह प्रतिमा स्वतंत्रता की रोमन देवी लिबर्टा की प्रतिमा है. वह अपने दाहिने हाथ से अपने सिर के ऊपर एक मशाल रखती है, और अपने बाएं हाथ में एक टेबुला अनसाटा रखती है, जिस पर जुलाई 4 जुलाई, 1776, रोमन अंकों में अंकित है, जो अमेरिकी स्वतंत्रता की घोषणा की तारीख है. इस विशालकाय मूर्ति के हाथ में टॉर्च लिए इस देवी की मूर्ति की ऊंचाई 151 फुट है, अगर इसमें इसका स्टैंड जिस पर ये खड़ी है और आधारशिला की ऊंचाई को जोड़ दिया जाये तो ये कुल मिला कर 305 फुट ऊंची हो जाती है. यानि करीब 22 मंजिल की इस मूर्ति के ताज तक पहुंचने के लिये 354 घुमावदार सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं. स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी का एक रोचक तथ्य ये भी है कि इसका पूरा नाम लिबर्टी एनलाइटिंग द वर्ल्ड है. प्रतिमा का नाम रोमन देवी लिबर्टस के नाम पर रखा गया है, जो रोमन पौराणिक कथाओं में स्वतंत्रता का प्रतीक है. चूंकि स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी की बाहरी परत शुद्ध तांबे से बनी है, इसलिए स्मारक का मूल रंग तांबे के भूरे रंग का था. हालांकि, समय के साथ और मौसम बदलते रहने की वजह से इसके रंग में बदलाव आया है. जो लोग ऊपर तक जाना चाहते हैं, तो उसके लिए आपको 354 सीढ़ियां पैदल चलना पड़ेगा. स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी में मूर्ति के मुकुट पर 7 स्पाइक्स है जो दुनिया के सात महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करते हैं.

बेडरूम के लिए वास्तु सलाह

ताकि बढ़े प्रेम-सौहार्द, मिले सफलता

स्वामी विमलेश
वास्तु विशेषज्ञ

पति-पत्नी में आए दिन तकरार होने, स्वास्थ्य बिगड़ने, आर्थिक हानि होने या फिर करियर में पिछड़ने का एक कारण वास्तु दोष भी होता है. वास्तु अनुसार बैडरूम में कुछ ऐसी चीजें हैं जो भूलकर भी नहीं रखनी चाहिए, इससे दांपत्य जीवन में खटास आती है. वहीं यहां की दीवारों, बिस्तर आदि पर रंगों के उपयोग की भी अलग अहमियत है. पेश है बेडरूम को लेकर खास वास्तु सलाह –

- वास्तु के अनुसार बैडरूम में कभी देवी-देवताओं या पुरखों-पितरों की तस्वीर नहीं लगानी चाहिए. मान्यता है कि पितरों की तस्वीर लगाने से सपने आते हैं और नींद बाधित होती है. हां गुरु की तस्वीर अगर दर्शन के लिए चाहें तो लगा सकते हैं.
- अगर आपके शयनकक्ष में कोई खराब बिजली उपकरण रखा है तो उसे तुरंत कमरे से बाहर कर दें. इससे तनाव पैदा होता है. पति-पत्नी के रिश्तों में कड़वाहट आने लगाती है.
- बेड के ठीक बगल में कोई प्लग आदि नहीं हो. बेड हेड से इनकी दूरी कम से कम तीन फीट की हो.
- बेडरूम की सजावट के लिए हिंसक, जंगली जानवरों, महाभारत से जुड़ी, जल, झरना, तालाब

आदि की, दौड़ते घोड़ों की, रोती हुए इंसान की आदि फोटो-पोस्टर, पेंटिंग लगाने से बचें.

- लैपटॉप, मोबाइल आदि का प्रयोग बेड पर कम से कम करें.

दीवार का रंग

बेडरुम की दीवारों का रंग कैसा हो, यह बेडरूम की दिशा के अनुसार तय होता है. अगर दक्षिण पश्चिम में मास्टर बेडरूम है तो पीला, सुनहरा, पीलापन लिए क्रीम, गुलाबी आदि रंगों का उपयोग किया जा सकता है. इस दिशा में बेडरूम हो तो ब्लैक, ब्लू, ग्रीन आदि रंगों का प्रयोग बिल्कुल नहीं करें. पश्चिम में बेडरूम हो तो सफेद और हल्के नीले रंग का उपयोग किया जा सकता है. उत्तर पश्चिम दिशा में बेडरूम हो तो पीला, सफेद, मटमैला रंग दीवारों या बेडशीट के लिए उपयोग किया जा सकता है. उत्तर दिशा के लिए सर्वाधिक उपयुक्त रंग ब्लू व हरा है. यहां भूल कर भी लाल या पीला रंग उपयोग में न लें. बेडरुम यदि उत्तर पूर्व दिशा में हो तो नीला रंग सर्वश्रेष्ठ होगा. पूर्व दिशा में बेड रूम हो तो हरा रंग दीवारों या बेडशीट के लिए उपयोग करना शुभप्रद होगा. दक्षिण पूर्व दिशा में बेडरूम हो तो लाल, मैरुन, गुलाबी, पीला, गोल्डन, क्रीम आदि रंगों का उपयोग करें. इस दिशा में नीले या काले रंग के प्रयोग से बचें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

धौनी के फैन हैं स्वप्निल, उन्हीं की तरह हैं 'सुपर कूल'

▸ पुणे में सेंट्रल रेलवे में टीटी के पद पर कार्यरत हैं

▸ पिता शिक्षक हैं और मां गांव की सरपंच

▸ कर्ज लेकर अपनी ट्रेनिंग पूरी की

एजेंसी। पेरिस

पेरिस ओलंपिक में गुरुवार को शूटर स्वप्निल कुसाले ने भारत की झोली में ब्रॉन्ज मेडल के रूप में तीसरा पदक जीता. 28 वर्षीय स्वप्निल कोल्हापुर के राधानगरी के रहने वाले हैं. उन्होंने शूटिंग की ट्रेनिंग नासिक के स्पोर्ट्स एकेडमी से ली थी. स्वप्निल पिछले नौ साल से सेंट्रल रेलवे के डिवीजन स्थित पुणे में टीटीई के पद पर कार्यरत हैं. कुसाले किसान परिवार से ताल्लुक रखते हैं. उनका जन्म 6 अगस्त 1995 को पुणे में हुआ था. निशानेबाजी में स्वप्निल का करियर 2009 में शुरू हुआ था जब उन्होंने महाराष्ट्र के क्रिडा प्रबोधिनी में अपना एडमिशन कराया. उनके पिता और भाई जिला स्कूल में शिक्षक हैं और मां गांव की सरपंच हैं. कुसाले ने 2015 में कुवैत में हुए एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में 50 मीटर राइफल प्रोन 3 इवेंट में गोल्ड अपने नाम किया. उन्होंने फिर तिरुवनंतपुरम में 61वें नेशनल चैंपियनशिप में 50 मीटर राइफल 3पोजीशन इवेंट में स्वर्ण पर निशाना साधा.

स्वप्निल कुसाले महान क्रिकेटर महेंद्र सिंह धौनी से प्रेरणा लेते हैं जो करियर की शुरुआत में उन्हीं की तरह रेलवे में टिकट कलक्टर थे. धौनी की ही तरह 'कूल' रहने वाले कुसाले ने विश्व कप विजेता क्रिकेट कप्तान पर बनी फिल्म कई बार देखी. कुसाले ने तुगलकाबाद में 59वें नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में गगन नारंग और चेन सिंह जैसे बड़े शूटरों को हराकर जीत हासिल की. कुसाले ने इसके बाद 2022 एशियन गेम्स में टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीता और फिर बाकू में आयोजित 2023 वर्ल्ड कप में मिश्रित टीम इवेंट में स्वर्ण पदक के अलावा टीम इवेंट में भी दो सिल्वर मेडल हासिल किया. स्वप्निल कसाले ने साल 2022 के वर्ल्ड चैंपियनशिप में काहिरा में चौथा स्थान हासिल किया, जिससे भारत के लिए एक ओलंपिक कोटा स्थान हासिल हुआ. कसाले ने इसके बाद 2022 वर्ल्ड चैंपियनशिप में टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल तथा 2021 वर्ल्ड कप में नई दिल्ली में टीम इवेंट में स्वर्ण पर कब्जा जमाया.

राष्ट्रपति, पीएम और खेल जगत ने दी कुसाले को बधाई

भाषा। नयी दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश के खेल जगत ने पेरिस ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने पर निशानेबाज स्वप्निल कुसाले को बधाई दी है. राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर लिखा, स्वप्निल कुसाले को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर बधाई. वह पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने. प्रधानमंत्री मोदी ने उनके प्रदर्शन को बेजोड़ करार दिया और कहा कि उनकी इस उपलब्धि से प्रत्येक भारतीय खुशी से सराबोर है. मोदी ने एक्स पर लिखा, स्वप्निल कुसाले का बेजोड़ प्रदर्शन. पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में कांस्य पदक जीतने के लिए उन्हें बधाई. उनका प्रदर्शन विशेष है क्योंकि उन्होंने शानदार जज्बा और कौशल दिखाया. वह इस वर्ग में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं. उनकी इस उपलब्धि से प्रत्येक भारतीय खुशी से सराबोर है. खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने लिखा, स्वप्निल कुसाले को 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में ऐतिहासिक कांस्य जीतने पर बधाई. आपकी उपलब्धि ने हमें गौरवान्वित किया है. ओलंपिक पदक विजेता राइफल निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक में भारत के दल प्रमुख गगन नारंग ने कहा कि कुसाले का कांस्य स्वर्ण से भी बढ़कर है. मैं हमेशा सोचता था कि भारतीय इस स्पर्धा में अच्छा क्यों नहीं कर पाते. स्वप्निल ने वह मिथक तोड़ दिया है. भारत के पहले ओलंपिक व्यक्तिगत स्वर्ण विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने कहा, स्वप्निल का ऐतिहासिक कांस्य देखकर रोमांचित हूं. तुम्हारी मेहनत, दृढता और जुनून रंग लाया. शीर्ष स्तर पर खेलना और पदक जीतना तुम्हारी प्रतिबद्धता और प्रतिभा की बानगी है.

माता-पिता ने कहा

उसका फोकस नहीं हटे इसलिए फोन भी नहीं किया

मुंबई। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता स्वप्निल कुसाले के माता-पिता ने गुरुवार को कहा कि उन्हें यकीन था कि उनका बेटा तिरंगे और देश के लिए पदक जीतेगा. स्वप्निल के पिता ने कोल्हापुर में पत्रकारों से कहा, हमने उसे उसके खेल पर फोकस करने दिया और कल फोन भी नहीं किया. पिछले दस बारह साल से वह घर से बाहर ही है और अपनी निशानेबाजी पर फोकस कर रहा है. उसके पदक जीतने के बाद से हमें लगातार फोन आ रहे हैं. स्वप्निल की मां ने कहा, वह सांगली में पब्लिक स्कूल में था जब निशानेबाजी में उसकी रुचि जगी. बाद में वह ट्रेनिंग के लिए नासिक चला गया.

बेहद शांत व अनुशासित हैं स्वप्निल : सुरेश कुसाले

स्वप्निल कुसाले के पिता सुरेश कुसाले उनके मेडल जीतने पर बेहद खुश नजर आए. उन्होंने बताया, मुझे याद नहीं कि वह कभी शूटिंग को लेकर बोर हुए हों. वह इसका अभ्यास करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं. स्वप्निल बेहद शांत और अनुशासित हैं. सुरेश का परिवार राधानगरी के कंबलवाड़ी गांव का रहने वाला है. अपने बेटे की खेल में रुचि को देखते हुए उन्होंने स्वप्निल को नासिक के स्पोर्ट्स सेंटर में दाखिला दिलाया था. वहां स्वप्निल ने शूटिंग को चुना और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा. 14 साल की उम्र से निशानेबाज़ी का अभ्यास कर रहे हैं. यहां ये भी जानना ज़रूरी है कि शूटिंग सीखना ख़र्चीला होता है. राइफ़ल और अन्य उपकरणों पर काफी पैसे खर्च करने पड़ते हैं. अभ्यास में दागे जाने वाली प्रत्येक गोली का भी खर्च होता है. एक समय था जब अभ्यास के लिए गोलियां खरीदने के लिए स्वप्निल के पास पर्याप्त पैसे नहीं थे. लेकिन पिता ने कर्ज लेकर अपने बेटे को खेलने के लिए प्रोत्साहित किया. स्वप्निल ने पेरिस ओलंपिक से पहले मीडिया को बताया, मेरे पिता ने बैंक से कर्ज लिया और उससे गोलियां खरीदी ताकि मेरी प्रैक्टिस बंद न हो. उस समय एक बुलेट की कीमत 120 रुपये थी. इसलिए मैंने शूटिंग की प्रैक्टिस करते समय हर गोली का सावधानी से इस्तेमाल किया. क्योंकि पैसे नहीं थे. जब मैंने गेम खेलना शुरू किया, तो मेरे पास पूरा सामान भी नहीं था.

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. चीन	11	7	3	21
2. फ्रांस	8	10	8	26
3. जापान	8	3	4	15
4. ऑस्ट्रेलिया	7	6	4	17
23. भारत	0	0	3	3

प्रणय को हराकर लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

पेरिस। लक्ष्य सेन ने पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष एकल स्पर्धा के प्री क्वार्टर फाइनल में गुरुवार को यहां हमवतन भारतीय एचएस प्रणय को एकतरफा मुकाबले में सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. दुनिया के 24वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने 39 मिनट चले अंतिम 16 के मुकाबले में 30वें नंबर के खिलाड़ी प्रणय को 21-12, 21-6 से शिकस्त दी. लक्ष्य की प्रणय के खिलाफ आठ मैच में यह पांचवीं जीत है. क्वार्टर फाइनल में हालांकि लक्ष्य की राह आसान नहीं होगी. गैर वरीय लक्ष्य अंतिम आठ में 12वें वरीय और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन से भिड़ेंगे.

इगा सेमीफाइनल में हारकर हुईं बाहर

पेरिस। शीर्ष रैंकिंग पर काबिज इगा स्वियातेक गुरुवार को पेरिस ओलंपिक की महिला टेनिस स्पर्धा के सेमीफाइनल में चीन की झेंग किनवेन से हारकर बाहर हो गईं. झेंग ने पिछले पांच साल में चार फ्रेंच ओपन खिताब जीतने वाली स्वियातेक को 6-2, 7-5 से शिकस्त दी. शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी स्वियातेक के लिए यह करारा झटका था.

पेरिस ओलंपिक : एक और पदक के साथ भारतीय खेमे में उत्साह, पर कई एथलीट हुए बाहर

बढ़त के बाद भी हॉकी में बेल्जियम से हारा भारत

भाषा। पेरिस

हाफटाइम तक एक गोल से बढ़त बनाने के बावजूद भारत को पेरिस ओलंपिक की पुरुष हॉकी स्पर्धा में मौजूदा चैंपियन बेल्जियम ने गुरुवार को पूल बी के मैच में 2-1 से हरा दिया. इस टूर्नामेंट में भारत की यह पहली हार थी, जिसने न्यूजीलैंड को 3-2 और आयरलैंड को 2-0 से हराने के अलावा अर्जेंटीना से 1-1 से ड्रॉ खेला था. क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी भारतीय टीम के लिये अभिषेक ने 18वें मिनट में पहला गोल किया और भारत ने हाफटाइम तक बढ़त बरकरार रखी. बेल्जियम ने तीसरे क्वार्टर में दो गोल करके बढ़त बनाई, जो आखिर तक कायम रही. बेल्जियम के लिए थिबू स्टॉकब्रोक्स ने 33वें और जॉन जॉन डोमैन ने 44वें मिनट में गोल किया. भारत को अब अगला मैच शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया से खेलना है, जिसे बेल्जियम ने 6-2 से हराया था. पिछले मैचों की तरह भारत को इस बार भी 59वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन इस बार कप्तान हरमनप्रीत सिंह का शॉट बेल्जियम के गोलकीपर विंसेंट वानाश ने बेहद खूबसूरती से बचाया. टोक्यो ओलंपिक सेमीफाइनल में भी बेल्जियम ने भारत को हराया था, जब आखिरी क्वार्टर में तीन गोल करके मुकाबला 5-2 से जीता था. भारत में हुए विश्व कप 2018 में बेल्जियम के सहायक कोच रहे क्रेग फुल्टोन इस समय भारतीय टीम के कोच हैं जिन्होंने टीम को तैयारी के साथ उतारा था. पहले हाफ में विरोधी गोल पर हमलों और गेंद पर नियंत्रण के मामले में भले ही बेल्जियम आगे रहा, लेकिन बढ़त भारत ने बनाई. पहला ओलंपिक खेल रहे फॉरवर्ड संजय और अभिषेक ने जबरदस्त आत्मविश्वास और तालमेल का प्रदर्शन करते हुए यह गोल किया. संजय गेंद को लेकर आगे बढे. और सर्कल के भीतर अभिषेक को गेंद सौंपी, जिन्होंने बेल्जियम के डिफेंडरों को छकाकर उसे गोल के भीतर डाल दिया. पहला गोल गंवाने के बाद सकते में आई बेल्जियम टीम ने लगातार जवाबी हमले बोले और 23वें मिनट में एक के बाद एक तीन पेनल्टी कॉर्नर बनाये. पहले दो पर हेंडरिक्स अलेक्जेंडर का शॉट श्रीजेश ने बचाया तो तीसरे पर आर्थर डि स्लूवेर का निशाना चूक गया. भारत को 25वें मिनट में मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला जब हरमनप्रीत बेंच पर थे. अमित रोहिदास इसे गोल में नहीं बदल पाये. हाफटाइम तक एक गोल से पिछड़ी बेल्जियम ने तीसरे क्वार्टर में दो गोल करके बढ़त बना ली.

तीरंदाज जाधव पहले दौर में हारे : भारतीय तीरंदाज प्रवीण जाधव गुरुवार को यहां व्यक्तिगत पुरुष रिकर्व स्पर्धा के पहले दौर में चीन के काओ वेनचाओ के खिलाफ सीधे सेट में हार के साथ पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गए. जाधव की राउंड ऑफ 64 में 0-6 (28-29 29-30 27-28) से शिकस्त हुई.

ओलंपिक में निकहत जरीन का अभियान खत्म

पेरिस। दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत जरीन (50 किलो) का ओलंपिक पदक जीतने का सपना गुरुवार को एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता चीन की वू यू से अप्रत्याशित हार के साथ खत्म हो गया. गैर वरीय निकहत का यह पहला ओलंपिक था. उन्हें 0-5 से पराजय झेलनी पड़ी. मौजूदा फ्लायवेट (52 किलो) विश्व चैंपियन यू को पहले दौर में बाय मिला था.

पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा

पेरिस। भारतीय खिलाड़ियों का गुरुवार को यहां पेरिस ओलंपिक खेलों की पुरुषों के 20 किलोमीटर पैदल चाल में निराशाजनक प्रदर्शन रहा व विकास सिंह और परमजीत सिंह जहां क्रमशः 30वें और 37वें स्थान पर रहे, वहीं राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह छह किमी के बाद हट गए. इक्वाडोर के ब्रायन डैनियल पिंटाडो ने एक घंटा 18 मिनट और 55 सेकंड में रेस पूरी करके स्वर्ण पदक जीता. उनकी तुलना में भारतीय खिलाड़ी काफी पीछे रहे. विकास ने एक घंटा 22 मिनट और 36 सेकंड का समय लिया, जबकि परमजीत ने 1:23:48 सेकंड में फिनिश लाइन पार की. ब्राजील के काइओ बोनफिम (1:19:09) और मौजूदा विश्व चैंपियन स्पेन के अल्वारो मार्टिन (1:19:11) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते, जबकि टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता इटली के मासिमो स्टैनो (1:19:12) चौथे स्थान पर रहे. ओलंपिक में पुरुषों की 20 किलोमीटर पैदल चाल में भारत की तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन केटी इरफान ने 2012 में लंदन ओलंपिक खेलों ने किया था. वह तब एक घंटा 20 मिनट और 21 सेकंड का समय लेकर दसवें स्थान पर रहे थे.

चीन के पैन झानले ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में विश्व रिकॉर्ड बनाया

नानटेरे (फ्रांस)। चीन के पैन झानले ने पेरिस ओलंपिक की तैराकी प्रतियोगिता में पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 46 .40 सेकंड का समय लेकर अपने ही पिछले विश्व रिकॉर्ड में सुधार करके स्वर्ण पदक जीता. पेरिस ओलंपिक में तैराकी प्रतियोगिता पिछले चार दिन से चल रही है, लेकिन इससे पहले कोई विश्व रिकॉर्ड नहीं बना था. चीन का यह वर्तमान ओलंपिक खेलों में तैराकी में यह पहला स्वर्ण पदक है. पैन ने इससे पहले फरवरी में दोहा में विश्व चैंपियनशिप में 46 .80 सेकंड का समय लेकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था. इस 19 वर्षीय खिलाड़ी ने बाद में कहा, ''यह वास्तव में जादुई पल है. यह रिकॉर्ड केवल चीन की टीम के लिए नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए है. यह इस रिकार्ड को तोड़ने की दिशा में उठाया गया छोटा कदम है. ऑस्ट्रेलिया के काइल चाल्मर्स ने 47 .48 सेकंड का समय लेकर रजत और रोमानिया के डेविड पोपोविसी ने 47 .49 का समय लेकर कांस्य पदक जीता.

अंशुमन गायकवाड़ को श्रद्धांजलि पीएम ने कहा - वह भद्रजन थे

▪ गंभीर, हरभजन ने अंशुमन गायकवाड़ को याद किया

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और हरभजन सिंह ने अंशुमन गायकवाड़ के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें वास्तविक भद्रजन बताया. एक खिलाड़ी, कोच और चयनकर्ता के रूप में भारतीय क्रिकेट की सेवा करने वाले गायकवाड़ का रक्त कैंसर के कारण शनिवार को निधन हो गया. उन्होंने भारत की तरफ से 40 टेस्ट और 15 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले. बीसीसीआई के अध्यक्ष और 1983 विश्व कप विजेता टीम के उनके साथी रोजर बिन्नी ने कहा कि क्रिकेट जगत को गायकवाड़ के योगदान की कमी खेलगी. गौतम गंभीर ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, अंशुमन गायकवाड़ जी के निधन की खबर से दुखी हूं. हरभजन ने कहा, अंशुमन गायकवाड़ का निधन दिल तोड़ने वाली खबर है. मेरे साथ उनकी खद यादें जुड़ी हैं.

बड़ोदरा में गायकवाड़ का अंतिम संस्कार किया गया

वडोदरा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ का गुरुवार दोपहर गुजरात के वडोदरा शहर में अंतिम संस्कार किया गया. उनका अंतिम संस्कार कीर्ति मंदिर में किया गया जिसमें उनके परिवार के सदस्य तथा खेल, राजनीति और अन्य क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियां मौजूद थे. भारतीय क्रिकेट से खिलाड़ी, कोच और चयनकर्ता के तौर जुड़े गायकवाड़ का बुधवार रात वडोदरा के एक निजी अस्पताल में रक्त कैंसर से निधन हो गया. अंतिम संस्कार में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी, पूर्व विकेटकीपर नयन मोंगिया और किरण मोरे के साथ बड़ौदा क्रिकेट संघ के कई पूर्व और मौजूदा अधिकारी मौजूद थे.

अब सिर्फ आगे के बारे में सोचना होगा : रोहित शर्मा

भाषा। कोलंबो

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि अब टी20 विश्व कप जीत की खुशी से आगे बढ़ने का समय आ गया है और अब वह नये मुख्य कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में चुनौतियों भरी श्रृंखलाओं में सफलता जारी रखने की उम्मीद लगाये हैं. रोहित ने श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे की पूर्व संध्या पर कहा, ''मैंने क्रिकेट से दूर अच्छा समय बिताया. विश्व कप जीतने के बाद घर वापस आना एक शानदार अहसास था जिसमें दिल्ली और मुंबई में अनुभव अद्भुत रहा. लेकिन अब हमें आगे बढ़ना होगा क्योंकि क्रिकेट आगे बढ़ता है. उन्होंने कहा, गौतम गंभीर ने बहुत क्रिकेट खेला है और वह फ्रेंचाइजी क्रिकेट से जुड़े रहे हैं.

श्रीलंका में वनडे सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली पर होंगी निगाहें

राहुल बनाम ऋषभ मसला सुलझाने उतरेगी टीम इंडिया

भाषा। कोलंबो

गौतम गंभीर की अगुवाई वाले भारतीय टीम प्रबंधन के पास श्रीलंका के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में यह फैसला करने का मौका होगा कि केएल राहुल और ऋषभ पंत में से कौन वनडे क्रिकेट में भारत का लंबे समय तक विकेटकीपर बल्लेबाज होगा. इस श्रृंखला में कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पर भी निगाहें टिकी रहेंगी, जो टी20 विश्व कप में जीत के बाद पहली बार कोई मैच खेलेंगे. भारतीय टीम प्रबंधन बाहर चल रही चर्चाओं पर ध्यान दिए बिना उचित टीम संयोजन तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा क्योंकि इस सत्र में चैंपियंस ट्रॉफी सहित कुछ महत्वपूर्ण वनडे प्रतियोगिताएं होनी हैं. इस संदर्भ में राहुल बनाम ऋषभ का मसला निश्चित तौर पर प्राथमिकता में होगा. पंत के चोट से उबरकर वापसी करने से पहले राहुल ने विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका अच्छी तरह से निभाई थी. उन्होंने विकेट के आगे और विकेट के पीछे अच्छा प्रदर्शन किया था. लेकिन अब जबकि पंत की वापसी हो गई है तो यह देखना दिलचस्प होगा कि गंभीर बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को प्राथमिकता देते हैं या पिछले टीम प्रबंधन की तरह राहुल पर ही विश्वास बनाए रखते हैं. अगर गंभीर और कप्तान रोहित इन दोनों बल्लेबाजों को अंतिम एकादश में बनाए रखने का फैसला करते हैं तो तब उन्हें इस पर विचार करना होगा कि श्रेयस अय्यर को कैसे टीम में फिट किया जाए जो 50 ओवरों की क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं.

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा.

श्रीलंका : चरित असलांका (कप्तान), पाथुम निसांका, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानगे, निशान मदुश्का, वानिंदु हसरंगा, डुनिथ वेलालेज, चमिका करुणारत्ने, महीश थीक्षाना, अकिला धनंजय, दिलशान मदुशंका, मथीशा पथिराना , असिथा फर्नांडो.

मैच का समय : दिन के 2.30 बजे से

धौनी जैसे रणनीतिकार हैं रोहित : रवि

भाषा। मुंबई

पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा सफेद गेंद के प्रारूप में महेंद्र सिंह धौनी की ही तरह कुशल रणनीतिकार है और इस प्रारूप के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक भी हैं. रोहित की कप्तानी में भारत ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराकर टी20 विश्व कप जीता. रोहित भारत के सबसे सफल टी20 कप्तान भी बन गए जिनकी कप्तानी में भारत ने 62 में से 49 मैच जीते. धौनी की कप्तानी में भारत ने 72 में से 41 मैच जीते थे.

शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि रोहित कुशल रणनीतिकार है. वह धौनी के साथ सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक होगा. उन्होंने कहा, अगर आप मुझसे पूछें कि बेहतर कौन है तो मैं कहूंगा कि सफेद गेंद के प्रारूप में दोनों समकक्ष हैं. रोहित के लिए यह बड़ी तारीफ है क्योंकि सभी को पता है कि धौनी ने क्या किया है. रोहित भी बहुत पीछे नहीं है और टी20 विश्व कप में उसने शानदार कप्तानी की. शास्त्री ने कहा ,'' बल्लेबाजी की बात करें तो सफेद गेंद के प्रारूप में वह दिग्गज है, सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक. किसी भी दौर की सफेद गेंद की टीम में उसकी जगह होगी. विराट कोहली से तुलना करें तो कोहली कौशल का महारथी है और रोहित विस्फोटक बल्लेबाज है.

मेरे पसंदीदा गेंदबाज बुमराह हैं : धौनी

हैदराबाद। महान बल्लेबाज महेंद्र सिंह धौनी ने कहा कि जसप्रीत बुमराह उनके पसंदीदा गेंदबाज हैं, लेकिन उन्होंने पसंदीदा बल्लेबाज के बारे में पूछने पर विराट कोहली और रोहित शर्मा में से एक को चुनने से इनकार किया. यहां एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान धौनी ने कहा, मेरा पसंदीदा गेंदबाज चुनना आसान है, क्योंकि वह बुमराह हैं. बल्लेबाज चुनना कठिन है, क्योंकि इतने सारे अच्छे बल्लेबाज हैं. इसके मायने यह नहीं है कि हमारे गेंदबाज अच्छे नहीं है. बल्लेबाजों में से एक को चुनना कठिन है. मैं किसी एक को नहीं चुनना चाहता. उम्मीद है कि वे सभी रन बनाते रहेंगे. आईपीएल पर उन्होंने कुछ बताने से इनकार किया.

ब्रीफ खबरें

दीवार गिरने से मासूम सहित चार घायल

औरंगाबाद । औरंगाबाद के रफीगंज में मिट्टी का दीवार गिर जाने के कारण एक मासूम समेत चार लोग बुरी तरह से घायल हो गए है. घटना रफीगंज थाना क्षेत्र के खडोख़र गांव की है. ग्रामीणों के सहयोग से सभी घायल को रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. प्राथमिक उपचार के बाद तीन लोगों को बेहतर इलाज हेतु मगध मेडिकल कालेज गया रेफर कर दिया गया है. घायल की पहचान खडोख़र गांव निवासी प्रयाग मिस्त्री के पुत्र सूरज कुमार, सूरज कुमार की पत्नी संध्या देवी, 18 माह की पुत्री चांदनी कुमारी के रूप में किया गया है.

25 लाख का प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद

नवादा । नवादा मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पश्चिम बंगाल से झारखंड के रास्ते एक मिनी ट्रक से लायी जा रही भारी मात्रा में कोडीन युक्त प्रतिबंधित कफ सिरप की खेप बरामद किया है. वाहनों की जांच के दौरान गोविन्दपुर में स्थित चेकपोस्ट पर एक मिनी ट्रक की जांच के दौरान कफ सिरप बरामद किया. मौक से वाहन के चालक सह तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया. तलाशी के क्रम में मिनी ट्रक से दो सौ कार्टन विस्कॉफ नामक कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया गया. सभी कार्टन में 100 एमएल की 100 बोतलें बरामद की गयी. जिसकी कुल मात्रा करीब 2000 लीटर आंकी गयी है.

अपहरण कांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार हुआ

जमुई । जमुई पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है. झाझा में 22 जुलाई को हुए अपहरण कांड के मास्टर माइंड रवि चौधरी को जमुई पुलिस ने धर दबोचा है. दरअसल, रवि चौधरी के ऊपर बांका जिला एवं जमुई जिला के विभिन्न थानों में आधा दर्जनों से अधिक मामले दर्ज है. जमुई पुलिस ने महज 9 दिनों में पुलिस कप्तान के दिशा निर्देश पर अपहरण कांड के मुख्य आरोपी रवि चौधरी को गिरफ्तार कर लिया. ग्रामीण एवं पुलिस के सहयोग से दोनों अपहृत सहित दो अपहरणकर्त्ता को एक देसी पिस्तौल एवं दो जिंदा कारतूस तथा अपहरण में प्रयुक्त दो बाइक के साथ सकुशल बरामद करने में सफलता पाई थी.

पिछले 24 घंटे में बारिश के साथ आसमानी आफत कहर बनकर टूटी

ठनका गिरने से 13 लोगों की मौत

संवाददाता । पटना

बिहार में बरसात के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से 13 लोगों की मौत हो गई. औरंगाबाद में चार, जहानाबाद में तीन, सारण में तीन, नालंदा में दो और जमुई में एक व्यक्ति की मौत हुई है. मृतकों में औरंगाबाद जिले की तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं. साथ ही जिले के कुछ लोग गंभीर रूप से भी घायल हुए हैं. उनका इलाज चल रहा है.

मृतकों की पहचान बारूण थाना क्षेत्र के छक्कन बिगहा गांव निवासी राम अवतार सिंह की पत्नी सोनहल देवी (60), रेड़िया गांव निवासी विनय पाल की पत्नी जैतरी देवी, मदनपुर थाना क्षेत्र के पिरवां गांव निवासी राजगीर महतों के पुत्र महेश प्रसाद (40) तथा टंडवा थाना क्षेत्र के खजूरी महेश गांव निवासी रामदहीन पासवान की पत्नी इंद्रावती देवी (55) के रूप में हुई है.

जहानाबाद के टेहटा थाना क्षेत्र के सरेन गांव में बारिश के साथ आसमानी आफत कहर बनकर टूटी. आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन किशोरों की मौत हो गई. मृतकों में 12 वर्षीय गोपाल मांझी, 14 साल का पवन कुमार, 15 साल का चंदन दास शामिल है. बताया गया है कि तीनों बुधवार शाम पांच बजे गांव से दूर खेत में गए थे, अचानक तेज बारिश होने लगी जिससे बचने के लिए सभी बच्चे पेड़ के नीचे चले गए. तभी अचानक बिजली गिर गई, जिसमें तीनों झुलस गए. यह देखकर घर-परिवार में कोहराम मच गया. आसपास के लोग दौड़ पड़े. आनन-फानन में ग्रामीणों ने तीनों को रेफरल अस्पताल मखदुमपुर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने तीनों को मृत घोषित कर दिया.

सारण जिले के मांझी प्रखंड क्षेत्र के नरवन गांव में बुधवार शाम आकाशीय बिजली के गिरने से एक पशुपालक की मौत हो गई. बताया गया है कि नरवन गांव के निवासी व पशुपालक ललन यादव (48 वर्ष) अपने गांव के चंवर में मवेशी चरा रहे थे. इस दौरान बारिश शुरू हुई और आकाशीय बिजली गिरने से ललन यादव उसकी चपेट में आ गए. नगरा प्रखंड क्षेत्र के रामपुर कला गांव के पास वज्रपात की चपेट में आकर 16 वर्षीय मिथलेश राय की भी मौत हो गई. इसी जिले के गड़खा थाना क्षेत्र के कसीना गांव में 14 वर्षीय अंकित कुमार की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई. इस घटना में तीन अन्य झुलस गए.

गीली छत पर दौड़ा करंट, चपेट में आए युवक की मौत

संवाददाता । औरंगाबाद

बताया जाता है कि बारिश होने से युवक के घर की छत गीली थी और छत में कहीं बिजली के तार का स्पर्श होने से करंट दौड़ रहा था, जिसका पता घर के किसी सदस्य को नहीं था. इसी बीच गुरुवार को विकास किसी काम से अपने घर के छत पर खाली पैर ही चला गया. छत पर जाते ही वह गीली छत में दौड़ रहे बिजली के करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे के बाद परिजनों ने आनन-फानन में घर की विद्युत सप्लाई को बंद करने के बाद विकास को इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल लाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया. रेफर के बाद रोहतास के जमुहार स्थित निजी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाने के दौरान युवक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया. घर के इकलौते बेटे विकास की मौत के बाद परिजनों पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है. उनका रो-रोकर बुरा हाल है. परिजनों ने बताया कि विकास छुट्टी लेकर अपनी बहन की शादी में घर आया था. हादसे की जानकारी मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है.

रोते-बिलखते परिजन

नीतीश ने मृतकों के परिजनों को अविलंब चार-चार लाख रुपये देने का दिया निर्देश

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यालय की ओर से गुरुवार को जारी एक बयान के अनुसार पिछले 24 घंटे के दौरान वज्रपात की चपेट में आकर जान गंवाने वाले व्यक्तियों पर मुख्यमंत्री ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वह प्रभावित परिवारों के साथ हैं. नीतीश ने मृतकों के परिजनों को अविलंब चार-चार लाख रूपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं.

'सुपर 30' के संस्थापक आनंद कुमार को बड़ी उपलब्धि

2024 के लिए 'कोरिया पर्यटन का मानद राजदूत' नियुक्त हुए

संवाददाता । पटना

'सुपर 30' के संस्थापक आनंद कुमार को 2024 के लिए 'कोरिया पर्यटन का मानद राजदूत' नियुक्त किया गया है. 'सुपर 30' के संस्थापक द्वारा गुरुवार को जारी एक बयान में कहा गया कि इस संबंध में एक समझौते पर कोरिया पर्यटन संगठन (केटीओ) के भारत और दक्षेस देशों के क्षेत्रीय निदेशक म्योंग किल यूं और उन्होंने बुधवार को नयी दिल्ली में हस्ताक्षर किए. गरीब परिवार से आने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा में सफलता दिलाने के उद्देश्य से 'सुपर 30' खोलने की पहल के कारण दक्षिण कोरिया में लोकप्रिय रहे आनंद कुमार की जीवनी कोरियाई भाषा में प्रकाशित होने के साथ ही उनपर 'सुपर 30' फिल्म भी बनाई गई थी.

जारी बयान के अनुसार म्योंग किल युन ने कहा कि कोरिया पर्यटन के मानद राजदूत के रूप में आनंद कुमार का चयन सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से कोरिया के साथ संबंधों को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों के लिए अवसरों का द्वार खोलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. उन्होंने कहा कि कोरिया ने 'कोरिया सुपर 30' यात्रा पैकेज भी शुरू किया है, ताकि युवा छात्र बिना किसी परेशानी के इस देश की यात्रा कर सकें और अवसरों का पता लगा सकें और संस्कृति से परिचित हो सकें.

महिला ने एसआई पर लगाया ब्लाउज फाड़ने का आरोप

पूर्वी चंपारण । जिले में एक महिला ने एसआई पर साड़ी खोलने और ब्लाउज फाड़ने का गंभीर आरोप लगाया है. वहीं, एसआई ने ग्रामीणों पर मारपीट और वर्दी फाड़ने का आरोप लगाया है. मामला जिले के रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के दलित बस्ती की है. घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि बुधवार की रात रघुनाथपुर दलित बस्ती में एक ही समुदाय के दो पक्ष के बीच विवाद हो रहा था. इसकी सूचना पर मौके पर जब पुलिस पहुंची और मामले को शांत कराने की कोशिश कर रही थी. इसी बीच कलदेव मांझी सहित अन्य ने पुलिस पर हमला कर दिया. इसमें वहां मौजूद एसआई मनोज सिंह की वर्दी फट गई. वहीं, जब इस घटना की जानकारी थाने की अन्य पुलिस को मिली तो सभी पुलिसकर्मी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. वहीं वर्दी फाड़ने के आरोप में दो को हिरासत में लिया.

नालंदा में आरएमपी डॉक्टर की हत्या

घर से 100 मीटर की दूरी पर फेंकी लाश, ग्रामीणों ने किया हंगामा

संवाददाता । नालंदा

नालंदा में एक आरएमपी डॉक्टर की हत्या कर दी गई है. गुरुवार की सुबह लाश मिलने के बाद हड़कंप मच गया. मृतक की पहचान अस्थावां थाना क्षेत्र के चुलहारी गांव के रहने वाले सुमन गिरि (24 वर्ष) के रूप में हुई है. शव को देखने से लग रहा था कि ईंट-पत्थर से कूचकर हत्या की गई है. सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाना की पुलिस के साथ-साथ आसपास के थाना प्रभारी भी पहुंचे. शव मिलने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने जबरदस्त हंगामा किया. करीब तीन घंटे के बाद जाकर पुलिस ने शव को उठाया. परिवार वाले पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगा रहे थे. परिजनों का कहना है कि घटना की सूचना देने के बाद यदि पुलिस सहयोग करती तो यह हत्या नहीं होती. मृतक सुमन गिरि गांव में ही प्रैक्टिशनर के रूप में इलाज करता था. इस मामले में सुमन गिरि के भाई अमन गिरि ने बताया कि बीते बुधवार की देर शाम महानंदपुर गांव से फोन आया था और वह मरीज को देखने गए थे. आशंका व्यक्त करते हुए कहा कि हो सकता है मरीज देखकर लौटने के दौरान रास्ते में उनके साथ लूटपाट की कोशिश हुई हो. उन्होंने बदमाशों को पहचान लिया होगा और इस कारण उनकी हत्या कर दी गई. हत्या के बाद शव को घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर फेंक दिया गया.

जांच करते पुलिसकर्मी

अरररिया: सीओ, राजस्व कर्मचारी और सीआई के खिलाफ प्राथमिकी

संवाददाता । अररिया

अररिया में जमाबंदी पृष्ट के साथ छेड़छाड़ और कूट रचना कर फर्जी दस्तावेज के आधार पर जमाबंदी सृजित करने के गंभीर आरोप पर तत्कालीन सहवाजपुर हल्का के राजस्व कर्मचारी भगवान चरण सहित तत्कालीन सीआई-पवन पंडित, तत्कालीन सीओ-राखी कुमारी सहित फर्जी दस्तावेज बनाकर असली के रूप में उपयोग में लाने वाले सुरेश दास, कंचन देवी, बिजली देवी के खिलाफ बथनाहा थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया है. वही, पीड़िता नजारा खातून के आवेदन पर बथनाहा थानाध्यक्ष ने जांच कर अनुसंधान करना शुरू कर दिया है.

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर बोले-

2025 में बनेगी जन सुराज की सरकार

संवाददाता । पटना

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने गुरुवार को कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में सभी राजनीतिक दलों को धूल चटाकर जन सुराज अपने बूते सरकार बनाएगी. 2025 में बिहार में जन सुराज की सरकार होगी. प्रशांत किशोर ने यह दावा किया है कि अगली बार बिहार विधानसभा जन सुराजियों से भरा होगा. बिहार के लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब हम चुनाव लड़ाएंगे तो हारने नहीं देंगे. जन सुराज अकेले सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगा और बिहार में अपनी सरकार बनाएगा. उन्होंने कहा कि पार्टी का नेता कौन होगा, यह भी लोग तय करेंगे. उन्होंने स्पष्ट किया कि जन सुराज प्रशांत किशोर या किसी जाति या किसी परिवार या व्यक्ति का नहीं, बल्कि बिहार के लोगों का दल होगा, जो इसे मिलकर बनाएंगें. उन्होंने कहा कि जन सुराज रोजगार की गारंटी देगा और इसमें कहीं कोई शक मत रखिए, एक साल से ज्यादा नहीं लगेगा. उन्होंने बिहार की जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि जन सुराज पर भरोसा रखिए और अपना साथ दीजिए.

कारोबार

पूर्वांकरा का अप्रैल-जून तिमाही में मुनाफा घटा

नयी दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी पूर्वांकरा लिमिटेड का अप्रैल-जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ घटकर 15.44 करोड़ रुपये रह गया. कंपनी का पिछले साल समान अवधि में शुद्ध लाभ 17.16 करोड़ रुपये था.
पूर्वांकरा लिमिटेड ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून अवधि में कुल आय दोगुनी से अधिक होकर 675.55 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 335.81 करोड़ रुपये थी.

बजाज ऑटो की जुलाई में बिक्री 11 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली । बजाज ऑटो की जुलाई में निर्यात सहित कुल वाहन थोक बिक्री सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 3,54,169 इकाई रही. पुणे स्थित वाहन विनिर्माता ने जुलाई 2023 में 3,19,747 दोपहिया और वाणिज्यिक वाहन बेचे थे. कंपनी बयान के अनुसार, पिछले महीने कुल घरेलू बिक्री (वाणिज्यिक वाहनों सहित) 18 प्रतिशत बढ़कर 2,10,997 इकाई हो गई, जुलाई 2023 में यह 1,79,263 इकाई थी. समीक्षाधीन महीने में कुल निर्यात दो प्रतिशत बढ़कर 1,43,172 इकाई हो गया.

टाटा मोटर्स की जुलाई में 11 प्रतिशत बिक्री घटी

नयी दिल्ली । टाटा मोटर्स की जुलाई महीने में कुल बिक्री सालाना आधार पर 11 प्रतिशत घटकर 71,996 इकाई रह गई. कंपनी ने जुलाई 2023 में 80,633 इकाइयों की बिक्री की थी. टाटा मोटर्स ने एक बयान में कहा, कुल घरेलू बिक्री पिछले महीने 11 प्रतिशत घटकर 70,161 इकाई रह गई, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 78,844 इकाई थी. घरेलू बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों सहित यात्री वाहनों की बिक्री छह प्रतिशत घटकर 44,954 इकाई रह गई. जुलाई 2023 में यह 47,689 इकाई थी. वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री जुलाई में 18 प्रतिशत घटकर 27,042 इकाई रह गई.

इंडिया कॉउचर वीक

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना और विक्की कौशल नई दिल्ली में इंडिया कॉउचर वीक में डिजाइनर फाल्गुनी शेन एंड पीकॉक के लिए वॉक किया.

अशोक लीलैंड की जुलाई में कुल बिक्री आठ प्रतिशत घटी

नयी दिल्ली । वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता कंपनी अशोक लीलैंड की जुलाई में कुल बिक्री आठ प्रतिशत घटकर 13,928 इकाई रह गई. पिछले साल इसी महीने में यह 15,068 इकाई रही थी. अशोक लीलैंड ने बयान में कहा कि जुलाई में उसकी घरेलू बाजार में बिक्री पिछले साल के समान महीने के 14,207 इकाई के आंकड़े की तुलना में नौ प्रतिशत घटकर 12,926 इकाई रह गई. घरेलू बाजार में मध्यम तथा भारी वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 14 प्रतिशत घटकर 7,685 इकाई रही, जो एक साल पहले समान अवधि में 8,974 इकाई थी.

हुंदै की जुलाई में थोक बिक्री तीन प्रतिशत घटी

नयी दिल्ली । मोटर वाहन विनिर्माता हुंदै मोटर इंडिया की जुलाई महीने में थोक बिक्री सालाना आधार पर तीन प्रतिशत घटकर 64,513 इकाई रह गयी. वाहन विनिर्माता ने जुलाई 2023 में कुल 66,701 इकाइयां बेची थीं. हुंदै मोटर इंडिया ने एक बयान में कहा, घरेलू आपूर्ति पिछले महीने तीन प्रतिशत घटकर 49,013 इकाई रह गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 50,701 इकाई थी.

मंत्री ने आम लोगों को राहत देने के लिए किया ऐलान

सरकार 50 रुपये किलो के भाव पर बेचेगी टमाटर

एजेंसी । नयी दिल्ली

सरकार आम लोगों को राहत देने के लिए दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों तथा मुंबई के खुदरा बाजारों में सस्ती दर पर टमाटर बेचेगी. टमाटर बिक्री शुक्रवार से 50 रुपये प्रति किलो के भाव पर की जाएगी. अभी इसे 60 रुपये किलो के भाव पर बेचा जा रहा है. केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में 60 रुपये प्रति किलो की रियायती दर पर टमाटर की बिक्री शुरू की थी. बाद में इसकी बिक्री मुंबई में भी शुरू की गयी. जोशी ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमारे हस्तक्षेप के बाद टमाटर की कीमतें कम हुई हैं. उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने संवाददाताओं से कहा, हम कल यानी दो अगस्त से राष्ट्रीय क्षेत्र दिल्ली और मुंबई में 50 रुपये प्रति किलो की दर पर टमाटर बेचना शुरू करेंगे. नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लि. (एनसीसीएफ) मोबाइल वैन के जरिये टमाटर बेच रहा है. उपभोक्ता मामलों के विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 31 जुलाई को टमाटर की अखिल भारतीय औसत कीमत 61.74 रुपये प्रति किलोग्राम थी. दिल्ली में बुधवार को औसत कीमत 70 रुपये प्रति किलो थी. पिछले महीने, टमाटर की कीमत 100 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक हो गयी थी. इसका कारण यह है कि कई उत्पादक राज्यों में गर्मी और अनियमित बारिश के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई थी. खरे ने कहा कि मंत्रालय दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में अपने 'सफल' स्टोर के माध्यम से टमाटर बेचने के लिए मदर डेयरी को शामिल करने पर विचार करेगा. इस मामले में, मंत्रालय ने मूल्य स्थिरीकरण निधि का उपयोग नहीं किया है क्योंकि टमाटर सीधे मंडियों से खरीदे गये हैं. फेडरेशन थोक बाजार से टमाटर खरीद रहा है.

प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स का शुद्ध लाभ घटा

नयी दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 13 प्रतिशत घटकर 232.6 करोड़ रुपये रह गया. कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में शुद्ध लाभ 266.9 करोड़ रुपये था. प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, समीक्षाधीन अवधि में उसकी आय बढ़कर 2,024.5 करोड़ रुपये हो गई. यह पिछले साल समान अवधि में 1,966.3 करोड़ रुपये थी. कंपनी ने अप्रैल-जून में 28.6 लाख वर्ग फुट बिक्री की, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 38.3 लाख वर्ग फुट बिक्री हुई थी. कंपनी के सीएमडी इरफान रजाक ने कहा, हम वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में अपने प्रदर्शन से खुश हैं. यह हमारी मजबूत बाजार उपस्थिति को दर्शाता है.

पीएनबी ने सभी अवधि के लिए ऋण दरों में 0.05% की बढ़ोतरी की

एजेंसी । नयी दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक ने सभी अवधि के लिए सीमांत निधि लागत आधारित ऋण दर (एमसीएलआर) में 0.05 प्रतिशत या पांच आधार अंकों की गुरुवार को वृद्धि की, जिससे अधिकतर उपभोक्ता ऋण महंगे हो गए. पीएनबी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एक साल की अवधि के लिए मानक एमसीएलआर अब 8.90 प्रतिशत होगी, जो पहले 8.85 प्रतिशत थी. इसका इस्तेमाल मोटर वाहन तथा व्यक्तिगत जैसे अधिकतर उपभोक्ता ऋणों के मूल्यांकन में किया जाता है. तीन वर्ष की एमसीएलआर पांच आधार अंक बढ़कर 9.20 प्रतिशत हो गई है. अन्य के अलावा एक माह, तीन माह और छह माह की अवधि के लिए ब्याज दर 8.35-8.55 प्रतिशत के दायरे में होगी.

बाजार — कोल इंडिया, ओएनजीसी व एनटीपीसी के शेयरों में भारी खरीदारी देखने को मिली

निफ्टी पहली बार 25000 के ऑलटाइम हाई के पार हुआ बंद

- निफ्टी 640 अंकों की उछाल के साथ 25000 के पार 25,011 अंकों पर बंद हुआ है जबकि सेंसेक्स 126 अंकों के उछाल के साथ 81,867 अंकों पर बंद हुआ

एजेंसी । मुंबई

भारतीय शेयर बाजार के लिए अगस्त महीने का पहला कारोबारी सत्र ऐतिहासिक रहा. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी पहली बार 25,000 के ऑलटाइम हाई को पार करने में सफल रहा तो बीएसई सेंसेक्स भी 82,000 के आंकड़े को पार करते हुए 82,129.49 के ऐतिहासिक उंचाई पर जा पहुंचा है. बाजार में आई इस तेजी का क्रेडिट एनर्जी सेक्टर के शेयरों में जाता है. कोल इंडिया ओएनजीसी पावर ग्रिड जैसी सरकारी कंपनियों के शेयरों में भारी खरीदारी देखने को मिली है. गुरुवार का कारोबार खत्म होने पर निफ्टी 640 अंकों की उछाल के साथ 25000 के पार 25,011 अंकों पर बंद हुआ है जबकि सेंसेक्स 126 अंकों के उछाल के साथ 81,867 अंकों पर बंद हुआ है.

तेजी और गिरने वाले शेयर : गुरुवार के ट्रेड में एनर्जी स्टॉक्स छाए रहे. इस सेक्टर के स्टॉक्स पर नजर डालें तो पावर ग्रिड 3.73 फीसदी, अडानी ग्रीन एनर्जी 3.16 फीसदी, टाटा पावर 2.51 फीसदी, ओएनजीसी 2.03 फीसदी, एनटीपीसी 1.83 फीसदी, रिलायंस 0.75 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है. इसके अलावा एचडीएफसी बैंक 1.85 फीसदी, नेस्ले 1.38 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 1.07 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.01 फीसदी, भारती एयरटेल 0.66 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है. गिरने वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.76 फीसदी, टाटा स्टील 1.36 फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.20 फीसदी, एसबीआई 1.20 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

वहीं, गुरुवार के कारोबार में एनर्जी, फार्मा, एफएमसीजी, हेल्थकेयर बैंकिंग और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली है जबकि ऑटो, आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल्स रियल एस्टेट और मीडिया स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए. मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में तेजी पर ब्रेक लग गया और इन स्टॉक्स में मुनाफावसूली देखने को मिली है. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 15 तेजी के साथ और 15 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 28 तेजी के साथ और 22 गिरकर बंद हुए. बुधवार के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार का मार्केट कैप रिकॉर्ड हाई पर जा पहुंचा था लेकिन गुरुवार के सत्र में इसमें गिरावट देखने को मिली है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 461.61 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है.

अडाणी पोर्ट्स का पहली तिमाही का मुनाफा 3,107 करोड़ रुपये हुआ

एजेंसी । नयी दिल्ली

अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली जून में समाप्त तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 47 प्रतिशत बढ़कर 3,107 करोड़ रुपये हो गया. कंपनी का वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में शुद्ध लाभ 2,119 करोड़ रुपये रहा था. एपीएसईजेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 8,054.18 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 6,631.23 करोड़ रुपये थी. इस अवधि में कंपनी का खर्च बढ़कर 4,238.94 करोड़ रुपये हो गया, जो एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में 4,065.24 करोड़ रुपये था. कंपनी के सीईओ अश्विनी गुप्ता ने कहा, वित्त वर्ष 2024-25 की शुरुआत हमारे लिए मजबूत रही है.

मौसम की मार : मौसम विभाग ने कहा-पश्चिम बंगाल और ओडिशा समेत कई राज्यों में अगले 24 घंटे में अतिवृष्टि का अनुमान

पहाड़ से मैदान तक 'आफत की बारिश' का कहर जारी

लगातार न्यूज नेटवर्क। रांची/नयी दिल्ली : मॉनसून की सक्रियता के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली-एनसीआर से लेकर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान समेत उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम-दक्षिण भारत में महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल तक हुई भारी बारिश से जान-माल का काफी नुकसान हुआ है, जबकि वायनाड में हुए भूस्खलन में मरने वालों का आंकड़ा बढ़ गया है. मौसम विभाग ने दक्षिण बंगाल के विभिन्न जिलों में शुक्रवार तक भारी बारिश होने का अनुमान लगाया है, जबकि दिल्ली के लिए 'रेड अलर्ट' जारी करते हुए लोगों को घरों में रहने और गैर-जरूरी बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है और शिक्षा विभाग ने स्कूलों में 1 अगस्त तक छुट्टी की घोषणा की है. वहीं ओडिशा में एक और दो अगस्त को भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है, जबकि तटीय कर्नाटक में भारी बारिश की चेतावनी के बाद उडुपी और दक्षिण कन्नड़ में स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं. उधर, भारी बारिश के कारण रुद्रप्रयाग प्रशासन ने यात्रियों से अपनी केदारनाथ यात्रा स्थगित करने को कहा है. खराब मौसम के कारण फ्लाइट सर्विसेज भी प्रभावित हुई हैं. एयरलाइंस ने मौसम की स्थिति के चलते संभावित दिक्कतों को लेकर यात्रियों को अलर्ट किया है. मौसम विभाग के मुताबिक, जुलाई में सामान्य से 9 प्रतिशत ज्यादा बारिश दर्ज की गई है और अगले दो महीने यानी सितंबर तक भी यही बारिश का यही आलम जारी रहेगा.

उत्तराखंड में 12 लोगों की मौत यात्रा स्थगित करने की सलाह

एजेंसी। देहरादून

भारी बारिश के कारण रुद्रप्रयाग प्रशासन ने यात्रियों से बृहस्पतिवार को अपनी केदारनाथ यात्रा स्थगित करने को कहा जबकि उत्तराखंड के विभिन्न स्थानों पर बुधवार से वर्षा संबंधी घटनाओं में 12 व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी और करीब छह अन्य घायल हो गए. राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, नैनीताल जिले के हल्द्वानी में एक बच्चे के नाले में बहने की भी सूचना है जिसकी तलाश की जा रही है.

बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे भारी बारिश से गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल रास्ते पर भीमबली में 20-25 मीटर का मार्ग बह गया तथा पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थर आ गए. इस दौरान वहां फंसे 450 यात्रियों को गढ़वाल मंडल विकास निगम के अतिथि गृहों एवं पुलिस चौकी में ठहराया गया था. सुबह शुरू हुए बचाव अभियान में अब तक 200 यात्रियों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है जबकि अन्य को वैकल्पिक पैदल रास्तों के जरिए वहां से निकाला जा रहा है. केदारनाथ जाने वाले रास्ते के क्षतिग्रस्त होने के मद्देनजर रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन की ओर से यात्रियों को उनकी केदारनाथ यात्रा स्थगित करने की सलाह दी गयी है. हरिद्वार जिले के रूड़की क्षेत्र के भारपुर गांव में भारी बारिश से एक मकान ढह गया जिससे उसके मलबे के नीचे दबने से चार व्यक्तियों की व्यक्तियों की मौत हो गयी तथा 10 अन्य घायल हो गए, जिनमें से आठ की हालत गंभीर बताई जा रही है. टिहरी जिले के घनसाली के जखनयाली गांव में बादल फटने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गयी. चमोली जिले की गैरसैंण तहसील के कुणखेत गांव में भारी बारिश के दौरान अचानक पहाड़ी से आया मलबा एक मकान पर गिर गया जिससे उसमें दबकर एक महिला की जान चली गयी. नैनीताल जिले के हल्द्वानी में बुधवार रात भारी बारिश से उफनाए एक नाले में एक सात वर्षीय बच्चा रिजवान बह गया. पिछले 24 घंटों में अकेले देहरादून में ही 172 मिमी बारिश दर्ज की गयी. हरिद्वार के रोशनाबाद में सर्वाधिक 210 मिमी बारिश रिकार्ड की गयी, जबकि रायवाला में 163 मिमी, हल्द्वानी में 140 मिमी, हरिद्वार में 140 मिमी, रूड़की में 112 मिमी, नरेंद्र नगर में 107 मिमी, धनोल्टी में 98 मिमी, चकराता में 92 मिमी और नैनीताल में 89 मिमी बारिश दर्ज की गयी.

महाराष्ट्र : बारिश का अलर्ट

मुंबई। भारी बारिश का कहर झेल चुके मुंबई और पुणे समेत महाराष्ट्र के कई जिलों में फिर से भारी बारिश का अनुमान है. मौसम विभाग ने महाराष्ट्र में अगले 4 से 5 दिनों तक भारी बारिश का अनुमान जताया है. मुंबई में 1-3 अगस्त के बीच भारी बारिश का अनुमान है, जबकि 3 अगस्त को ठाणे, पालघर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. 1-3 अगस्त के बीच रायगढ़, रत्नागिरी के लिए ऑरेंज अलर्ट और पुणे के लिए 1-3 अगस्त के बीच ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है.

जुलाई में 9 % ज्यादा बारिश

जुलाई में सामान्य के मुकाबले 9 प्रतिशत ज्यादा बारिश दर्ज की गई है और अगले दो महीने भी यही आलम रहेगा. मौसम विभाग की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महानिदेशक (डीजी) मृत्युंजय महापात्रा ने कहा, जुलाई में सामान्य 280.5 मिमी की तुलना में 306.6 मिमी बारिश हुई. 1 जून से अब तक सामान्य 445.8 मिमी की तुलना में 453.8 मिमी बारिश हुई. बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और ओडिशा समेत पूर्वी भारत में जुलाई में कम बारिश हुई है. पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में जुलाई में कम बारिश दर्ज की गई है.

अब भी नहीं संभले तो...

लगातार न्यूज नेटवर्क

- दिल्ली में बारिश का पानी बेसमेंट में भरा, तीन छात्रों की मौत.
- केरल के वायनाड में भूस्खलन में 250 लोगों की मौत, 191 लापता.
- हिमाचल में बादल फटने से तबाही, नौ लोगों की मौत, 44 लापता.
- जयपुर में बेसमेंट में पानी भरा, तीन लोगों की मौत.

पिछले तीन चार दिनों के भीतर हुए ये हादसे हमें चेतावनी दे रहे हैं, संभल जाओ. नहीं संभले तो ऐसे ही हादसों को झेलने के लिए तैयार रहें. हम कह सकते हैं कि प्रकृति के आगे किसी की नहीं चलती. पर, क्या हमने प्रकृति के साथ कम खिलवाड़ किया है. विस्फोट कर पहाड़ों को तोड़ना, प्रदूषण कम नहीं करने की बात करना, नदियों की धारा को मोड़ना-रोकना, यही सब तो हमने किया है. और यह सब करने के बाद भी हम कहते हैं- कुदरत का कहर. नहीं, हमने खुद ही कहर को बुलाया है. निमंत्रण दे कर.

ऐसे हादसों से कितनी बड़ी तबाही और बर्बादी हो रही है, हम जानते तक नहीं. इंटरनेशनल डिजास्टर डेटाबेस के हालिया आंकड़ों के मुताबिक पिछले 17 सालों में भारत में 300 प्राकृतिक आपदाएं, हादसे हुए हैं. इन आपदाओं में 76,031 लोगों की मौत हुई है. 25,000 लोगों की मौत तो सिर्फ बाढ़ की वजह से हुई है. अरबों रुपये की संपत्ति की बर्बादी हुई है. हजारों मकान ढ़ंस गए, कारें बह गईं, लोग बेघर हो गए. इन प्राकृतिक आपदाओं की वजह से कितनी बड़ी तबाही हो रही है, इसका अंदाजा पिछले साल केंद्र सरकार द्वारा दिए गए एक आंकड़े से लगा सकते हैं. वर्ष 2022-23 में प्राकृतिक आपदाओं के कारण 18,54,901 हेक्टेयर भूमि पर लगे फसल खत्म हो गए. कलु 1997 लोगों की मौत हो गई. इसके अलावा 30,615 पशु मर गए. 3,24,265 घर ध्वस्त हो गए. इतना सब होने के बाद भी हमें विकास चाहिए. पर, किस कीमत पर यह तय नहीं, आगे क्या होगा...

दक्षिण बंगाल में भारी बरसात का अनुमान

कोलकाता। दक्षिण बंगाल के विभिन्न जिलों में शुक्रवार तक भारी बारिश होने का अनुमान लगाया है. मौसम कार्यालय के अनुसार, कोलकाता और इसके आसपास के इलाकों में 31 जुलाई की दोपहर से लगातार बारिश हो रही है. भारी बारिश के बाद उपनगरों के कुछ स्थानों पर यातायात ठप पड़ गया, जिसके कारण कामकाजी लोगों और स्कूली बच्चों को गुरुवार को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा.

हिमाचल प्रदेश में बारिश का कहर, नौ लोगों की मौत; 50 लापता

एजेंसी। शिमला

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की कई घटनाओं में नौ लोगों की मौत हो गयी तथा करीब 50 लोग लापता बताए जाते हैं. अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि बारिश के कारण कई मकान, पुल और सड़कें बह गयीं. राज्य आपात अभियान केंद्र ने बताया कि कुल्लू में निरमंड, सैंज और मलाना इलाकों, मंडी में पधर और शिमला जिले के रामपुर में बादल फटे. शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि शिमला में रामपुर उपमंडल के समेज खुड (नाला) में बादल फटने से दो लोगों की मौत हो गयी तथा 28 अन्य लापता हैं. अधिकारियों ने बताया कि मंडी जिले में पधर उपमंडल के तेरांग के समीप राजबन गांव में बुधवार रात को बादल फटने की एक अन्य घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गयी तथा नौ अन्य लापता हो गए. दो मकान भी बह गए जबकि एक अन्य मकान क्षतिग्रस्त हो गया. कुल्लू जिले में बादल फटने की एक अन्य घटना में सात लोग लापता हो गए. कुल्लू की उपायुक्त ने बताया, 'कुल्लू जिले के निरमंड मंडल के भागीपुल इलाके में सात लोग लापता हैं और करीब आठ-नौ मकान बह गए हैं. सीआईएसएफ और विशेष होम गार्ड को लापता लोगों की तलाश के लिए खोज अभियान में लगाया गया है.'

वायनाड त्रासदी : प्रतिकूल परिस्थितियों में भी 1,600 से अधिक बचावकर्मी चला रहे तलाशी व बचाव अभियान

अब तक 173 की मौत, राहुल-प्रियंका पहुंचे प्रभावित क्षेत्र

एजेंसी। वायनाड/तिरुवनंतपुरम

केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन की घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 173 हो गई है, जबकि 200 से अधिक लोग घायल हुए हैं. बचावकर्मी प्रतिकूल परिस्थितियों में भी तलाश एवं बचाव अभियान जारी रखे हैं. वे मलबे में दबे हुए पीड़ितों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन चारों ओर मलबा होने के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. बचावकर्मी मलबे को हटाने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसे में मृतक संख्या बढ़ने की आशंका है. इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने बृहस्पतिवार को भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र दौरा किया. भूस्खलन प्रभावित वायनाड में इस विनाशकारी स्थिति के बीच इडुक्की में दिल को झकझोर कर देने वाला दृश्य सामाने आया, जहां एक महिला जरूरतमंद शिशुओं को अपना स्तनपान करा रही है. जिला प्रशासन ने बृहस्पतिवार को बताया कि भूस्खलन की घटनाओं में अब तक 173 लोगों की मौत हो गई है जबकि 200 से अधिक लोग घायल हुए हैं. जिला प्रशासन ने बताया कि भूस्खलन में मरने वालों में 23 बच्चे और 70 महिलाएं शामिल हैं. उसने बताया कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों से निकाले गए 221 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है.

पेड़ों को हटाने को भारी मशीनरी की है जरूरत

वायनाड जिले के आपदाग्रस्त मुंडक्कई में जारी तलाश अभियान के बीच बचावकर्मियों का कहना है कि भूस्खलन में उखड़े विशाल पेड़ों को हटाने के लिए भारी मशीनरी की जरूरत है. इन पेड़ों के नीचे कई घर दब गए हैं. एक बचावकर्मी ने कहा, "हम एक इमारत की छत पर खड़े हैं और नीचे से बदबू आ रही है, जिससे यह पता चलता है कि वहां शव दबे हुए हैं. इमारत पूरी तरह से कीचड़ और उखड़े हुए पेड़ों से ढकी हुई है." उन्होंने कहा कि अभियान के लिए खुदाई करने वाली मशीनें उपलब्ध हैं लेकिन वे इस काम के लिए अपर्याप्त हैं.

लगातार 24 घंटे कार्य कर रहे हैं स्वास्थ्यकर्मी

1,600 से अधिक बचावकर्मी भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में तलाश एवं बचाव अभियान चला रहे हैं .इतनी ही संख्या में स्थानीय लोग और अन्य बचावकर्मी भी भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में मौजूद हैं और वे भी मदद कर रहे हैं. लापता लोगों को तलाश करने के लिए कुल 3,000 से अधिक लोग हर संभव कोशिशें कर रहे हैं. चिकित्सक, नर्स और अन्य स्वास्थ्य कर्मी लगातार 24 घंटे कार्य कर रहे हैं. राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा, "सुबह सात बजे तक कुल 256 पोस्टमॉर्टम किए गए हैं जिनमें शवों के हिस्से भी शामिल हैं.

पुलिस ने सोशल मीडिया मुहिम की जांच शुरू की

केरल पुलिस ने वायनाड जिले में भूस्खलन से प्रभावित लोगों के लिए मदद की अपील करते हुए मुख्यमंत्री पिनराई विजयन द्वारा किए गए एक फेसबुक पोस्ट के खिलाफ कथित सोशल मीडिया अभियान की जांच शुरू की है. 'स्टेट पुलिस मीडिया सेंटर' ने बृहस्पतिवार को कहा कि वायनाड की साइबर अपराध पुलिस ने इस मामले में विभिन्न प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है और राहत प्रयासों में बाधा डालने के इरादे से कथित तौर पर सोशल मीडिया अभियान चलाने की जांच शुरू की है.

पीड़ितों से मुलाकात कर भावुक हुए राहुल गांधी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ गुरुवार को वायनाड पहुंचे, जहां उन्होंने भूस्खलन की वजह से अपनों की जान गंवाने वाले पीड़ितों से मुलाकात की. इस दौरान राहुल गांधी भावुक हो गए. उन्होंने कहा कि आज मुझे वैसी ही भावनाएं महसूस हो रही है, जैसे 1991 में उनके पिता और पूर्व पीएम राजीव गांधी की मौत के समय हुई थी. दोनों नेताओं ने भूस्खलन प्रभावित इलाकों में बनाए गए राहत शिविरों में जाकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और उनका दर्द जाना. गांधी ने कहा कि वायनाड में हुए भीषण भूस्खलन में अपने परिजनों और घरों को खोने वाले लोगों को देखकर बहुत दुख हुआ. मैं अपनों के खोने का दर्द समझ सकता हूं. उन्होंने इसे राष्ट्रीय आपदा करार दिया यह वायनाड और देश के लिए भयावह त्रासदी है. कहा कि मेरे लिए तो यह निश्चित रूप से एक राष्ट्रीय आपदा है, लेकिन देखते हैं कि सरकार क्या कहती है. यह देखना काफी दर्दनाक है कि लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों और घरों को खो दिया है.

दिल्ली-एनसीआर में 11 लोगों की मौत

एजेंसी। नयी दिल्ली

बुधवार रात हुई मूसलाधार बारिश को देखते हुए भारतीय मौसम विभाग ने दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी किया. लोगों को घरों में रहने और गैर-जरूरी बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है. दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने बुधवार देर रात घोषणा की कि शहर के सभी स्कूल 1 अगस्त को बंद रहेंगे. वहीं एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में 11 लोगों की मौत हो गई. गुरुग्राम में 3 लोगों की करंट लगने से मौत हो गई, जबकि दिल्ली में 8 लोगों की जान चली गई. दिल्ली के गाजीपुर से सटे खोड़ा में एक तीन साल के बच्चे और उसकी मां की जान चली गई. बच्चे के साथ सब्जी लाने गई महिला तनुजा फिसलकर नाले में चली गई और काफी प्रयास के बाद दोनों को निकाला गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी. कई और भी इलाकों में दीवारें गिरने से लोगों के घायल होने की खबर है. दरियागंज में कार पर दीवार गिर गई. वहीं गुरुग्राम में इफ्को चौक मेट्रो स्टेशन के समीप एक पेड़ के नीचे बिजली के तारों के संपर्क में आने के कारण करंट लगने से तीन लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने गुरुवार को बताया कि घटना इलाके में भारी बारिश के बाद हुए जलजमाव के कारण बुधवार देर रात हुई.

जयपुर : 'बेसमेंट' में पानी भरने से तीन की मौत

जयपुर। राजस्थान के जयपुर शहर में एक मकान के 'बेसमेंट' में बारिश का पानी भर जाने के कारण तीन लोगों की डूबने से मौत हो गयी. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कई घंटों तक चले बचाव अभियान के बाद शवों को बरामद किया गया. पुलिस उपायुक्त(पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि विश्वकर्मा थाना क्षेत्र के एक मकान के 'बेसमेंट' में सड़क पर जमा पानी भर जाने के कारण एक पुरुष, एक महिला और उसकी भतीजी डूब गयी. पुलिस ने निवासियों को सलाह दी गई है कि वे बारिश के दौरान बेसमेंट में न रहें. मौसम विभाग के अनुसार बृहस्पतिवार सुबह 8.30 बजे तक बीते 24 घंटे की अवधि के दौरान जयपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, अलवर, चूरू, भरतपुर, टोंक, सीकर, हनुमानगढ़, धौलपुर, नागौर और झुंझुनू में भारी बारिश दर्ज की गई.

कर्नाटक में भारी बारिश का अलर्ट, स्कूल-कॉलेज बंद

मंगलूरु। कर्नाटक के लगभग पूरे तटीय इलाके में हो रही भारी वर्षा और अगले चौबीस घंटों में इन इलाकों में एक बार फिर तेज वर्षा की चेतावनी को देखते हुए उडुपी और दक्षिण कन्नड़ जिला प्रशासन ने बृहस्पतिवार को विद्यालयों और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों (इंटर कॉलेजों) में छुट्टी घोषित कर दी है. मंगलूरु में मौसम विभाग ने अपने अनुमान में तटीय कर्नाटक में अगले चौबीस घंटों में तेज से बहुत तेज बारिश होने की चेतावनी जारी की है. इस बीच, बुधवार शाम को उडुपी जिले और दक्षिण कन्नड़ जिलों में अलग-अलग जारी सूचना में बच्चों और युवाओं को जलभराव वाले क्षेत्रों, नदी तटों, समुद्र तट और पहाड़ी इलाकों में जाने से रोकने की सलाह दी गई है. आईएमडी ने ओडिशा में भी एक और दो अगस्त को भारी बारिश की चेतावनी जारी की है.

खुलासा कांग्रेस नेता ने शेयर किया वीडियो, अखिलेश यादव ने सरकार पर तंज कसा

इससे अच्छी तो पुरानी थी! नई संसद की छत से टपका पानी

एजेंसी। नयी दिल्ली

राजधानी में बुधवार शाम की बारिश ने सभी इलाकों के ड्रेनेज सिस्टम को फेल कर दिया. संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, रफी मार्ग समेत दिल्ली की सभी मुख्य व अंदरूनी सड़कों व गलियों पर पानी भर गया. कनॉट प्लेस, चांदनी चौक समेत सभी बाजार लबालब थे. इसी बीच संसद की नई बिल्डिंग की छत से टपकने का वीडियो ने पानी लीकेज का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया. वीडियो में देख सकते हैं कि छत से पानी टपक रहा है. नीचे फर्श पर एक बकेट रखा है. पानी को फैलने से रोकने के लिए रखा गया है. तमिलनाडु की विरुधुनगर लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने साझा किया. कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने लिखा कि बाहर पेपर लीकेज, अंदर वॉटर लीकेज. राष्ट्रपति द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली संसद लॉबी में हाल ही में पानी का रिसाव, नए भवन में मौसम संबंधी समस्याओं को उजागर करता है.

दिल्ली में जलभराव की स्थिति

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर वीडियो के साथ पोस्ट लिखा कि इस नई संसद से अच्छी तो वो पुरानी संसद थी, जहां पुराने सांसद भी आकर मिल सकते थे. क्यों न फिर से पुरानी संसद चलें, कम-से-कम तब तक के लिए, जब तक अरबों रुपयों से बनी संसद में पानी टपकने का कार्यक्रम चल रहा है. दो घंटे तक हुई तेज बारिश से पूरी दिल्ली कराह उठी. शहर के अधिकतर इलाकों में जलभराव से जाम लग गया. जाम के कारण प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं. इससे वाहन चालकों और राहगीरों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा. राजधानी के कई अंडरपास में पानी भर गया.

जमात-ए-इस्लामी की छात्र शाखा पर प्रतिबंध

ढाका। बांग्लादेश ने देशव्यापी अशांति के बाद जन सुरक्षा के लिए उत्पन्न खतरे का हवाला देते हुए आतंकवाद रोधी कानून के तहत जमात-ए-इस्लामी और इसकी छात्र शाखा 'इस्लामी छात्र शिबिर' पर बृहस्पतिवार को प्रतिबंध लगा दिया. गृह मंत्रालय के सार्वजनिक सुरक्षा प्रभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना में इस्लामिस्ट पार्टी पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की गई. यह पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की प्रमुख सहयोगी है. बांग्लादेश सरकार ने सरकारी नौकरियों में आरक्षण को लेकर देशभर में हुए छात्रों के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद मंगलवार को जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया. सरकार ने आरोप लगाया कि जमात-ए-इस्लामी उस आंदोलन का फायदा उठा रही है.

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामला सुनवाई योग्य

- इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की दलीलें खारिज कीं

एजेंसी। प्रयागराज

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा स्थित श्री कृष्ण जन्मभूमि एवं शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में बृहस्पतिवार को कहा कि यह वाद सुनवाई योग्य है. अदालत ने इस वाद में मुद्दे तय करने के लिए 12 अगस्त की तिथि निर्धारित की. वाद की पोषणीयता को लेकर मुस्लिम पक्ष की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने मुकदमे की पोषणीयता के संबंध में मुस्लिम पक्ष की दलीलें खारिज कर दीं. इसके बाद हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि इन वादों की पोषणीयता को चुनौती देते हुए मुस्लिम पक्ष की ओर से जो भी दलीलें दी गई थीं, वे अदालत द्वारा खारिज कर दी गई हैं. इसके बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय सभी 18 मामलों पर सुनवाई जारी रखेगा. हिंदू पक्ष के वकील ने कहा, "अब हम उच्चतम न्यायालय जाकर माननीय अदालत से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सर्वेक्षण के आदेश पर लगी रोक हटाने की मांग करेंगे. हम आज के निर्णय के संबंध में उच्चतम न्यायालय में एक कैविएट भी दाखिल करेंगे." मुस्लिम पक्ष ने आपत्ति की थी कि यह वाद समय सीमा से बाधित है क्योंकि उनके पक्ष ने 12 अक्टूबर, 1968 को एक समझौता किया था. इस समझौते की पुष्टि 1974 में दिए गए एक दीवानी मुकदमे के निर्णय में की गई है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)